भाजपा अध्यक्ष चयन में आरएसएस की भूमिका नहीं : मोहन भागवत - 12

अमेरिकी शुल्क के दबाव में टूटा शेयर बाजार - 12

अमेरिका ने यूक्रेन संघर्ष के लिए भारत को ठहराया जिम्मेदार, कहा-ये मोदी का युद्ध - 13

एशिया कप के जरिए विश्व कप में जगह बनाने पर भारतीय हॉकी टीम की नजरें -14

आज का मौसम

27.0° अधिकतम तापमान

24.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.48

सूर्यास्त 06.37

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद शुक्ल पक्ष षष्ठी 08:22 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 29 अगस्त 2025, वर्ष 5, अंक 188, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

रेलवे सात मार्गों पर वंदे भारत में जोड़ेगा डिब्बे

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड ने यात्रियों के बीच लगातार बढ़ती मांग को देखते हुए सात परिचालन मार्गों पर वंदे भारत ट्रेन में अतिरिक्त डिब्बे जोड़ने का फैसला किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि जिन मार्गों पर अतिरिक्त डिब्बे वाली वंदे भारत ट्रेन चलाई जाएंगी, उनमें मंगलुरु सेंट्रल-तिरुवनंतपुरम सेंट्रल, सिकंदराबाद-तिरुपति, चेन्नई एग्मोर-तिरुनेलवेली, मदुरै-बेंगलुरु कैंट, देवघर-वाराणसी, हावड़ा-राउरकेला और इंदौर-नागपुर शामिल हैं। मौजूदा समय में इन मार्गों पर आठ डिब्बे वाली चार और 16 डिब्बे वाली तीन वंदे भारत ट्रेन चलाई जा रही हैं। रेलवे बोर्ड ने कुछ अन्य मार्गों पर भी वंदे भारत ट्रेन चलाने का फैसला किया है।

डीयू के छात्रों के लिए यू-स्पेशल बसें शुरू

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में छात्रों की जरूरतों के अनुकूल यात्रा का विकल्प मुहैया कराने के प्रयासों के तहत मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए 'यू-स्पेशल' बस सुविधा फिर से शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों को मेट्रो ट्रेनों में यात्रा के लिए रियायती 'पास' उपलब्ध कराने के बारे में गंभीरता से काम कर रही है। 'यू-स्पेशल' बस सेवा 25 बसों के साथ शुरू की गई है, जो डीयू के 67 कालेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों तक जाएंगी। ये इलेक्ट्रिक बसें 25 से अधिक मार्गों पर परिचालित होंगी और मेट्रो स्टेशनों जैसे स्थलों पर रुकेंगी।

मादक पदार्थ तस्करी गिरोह के चार गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कार में 16.24 किलोग्राम अफीम ले जा रहे चार लोगों की गिरफ्तारी के साथ ही मादक पदार्थ तस्करी के एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि यह गिरोह उत्तर प्रदेश के बरेली से संचालित किया जा रहा था। ये आरोपी उच्च गुणवत्ता की अफीम तस्करी कर दिल्ली-एनसीआर लाते थे। पुलिस को 25 जुलाई को दो ज्ञात तस्कर, हरि शंकर और विकास के बारे में यह सूचना मिली कि ये दोनों बरेली से अफीम की एक बड़ी खेप लेकर आ रहे थे। टीम ने रिंग रोड पर भैरव रोड अंडरपास के निकट एक कार की तलाशी में 16.24 किलोग्राम अफीम से भरे प्लास्टिक के तीन थैले बरामद हुए।

बर्तनों की दुकान में धमाका, तीन घायल

इंदौर। इंदौर में बर्तनों की एक दुकान में गुरुवार को रहस्यमय तौर पर हुए जोरदार धमाके में तीन लोग घायल हो गए। द्वारकापुरी पुलिस थाने के प्रभारी सुशील पटेल ने बताया कि यह धमाका 60 फुट रोड पर बर्तनों की एक दुकान में हुआ। उन्होंने चश्मदीदों के हवाले से बताया कि धमाके की तीव्रता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इससे पास की दुकान की दीवार टूटकर धराशायी हो गई और इसका मलबा उछल कर करीब 25 फुट दूर जा गिरा। घायल तीन लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

उत्तराखंड में बंद होंगे सरकारी पाठ्यक्रम न पढ़ाने वाले मदरसे

अल्मोड़ा के मां नंदा देवी मेले के शुभारंभ अवसर पर बोले मुख्यमंत्री

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, सरकार देवभूमि उत्तराखंड के सांस्कृतिक मूल्यों और डेमोग्राफी को संरक्षित रखने के लिए संकल्पबद्ध होकर काम कर रही है। अब हम प्रदेश में मदरसा बोर्ड को भी खत्म करने जा रहे हैं। इसके लागू होने के पश्चात 1 जुलाई 2026 के बाद हमारे प्रदेश में ऐसे मदरसे बंद हो जाएंगे जिनमें हमारे सरकारी बोर्ड का पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से अल्मोड़ा के मां नंदा देवी मेले का शुभारंभ करते हुए कहा कि, यह सिर्फ धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक सशक्तिकरण का भी मंच है। अगले साल आयोजित होने वाली मां नंदा राजजात यात्रा को भव्य रूप में मनाने के लिए भी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। 12 वर्ष में एक बार आयोजित होने वाली इस यात्रा को दिव्य और भव्य बनाने में हमारी सरकार कोई भी कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत के पुनरुत्थान का अमृतकाल चल रहा है। हमारी धार्मिक धरोहरों को जिस प्रकार संवारा जा रहा है, उसे शब्दों में प्रकट करना कठिन है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हमारी प्रदेश सरकार भी उत्तराखंड के समग्र विकास के साथ-साथ धार्मिक स्थलों के पुनर्निर्माण और हमारी पहचान को सुरक्षित रखने हेतु दृढ़ संकल्पित होकर निरंतर कार्य कर रही है। सीएम ने कहा कि, हमने राज्य में सख्त धर्मांतरण विरोधी और दंगा विरोधी कानूनों को लागू किया तो लैंड जिहाद पर कड़ी कार्रवाई कर 6500 से ज्यादा सरकारी भूमि को लैंड जिहादियों से मुक्त कराया है। 250 अवैध मदरसों को सील करने के साथ 500 से अधिक अवैध संरचनाओं को हटाया है। सरकार सख्त भू-कानून लेकर आई, जिससे हमारे किसानों की जमीनों को अब लैंड माफिया नहीं हड़प पाएंगे। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि मां नंदा देवी के ऐतिहासिक मंदिर का पुनर्निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य पारंपरिक पर्वतीय शैली के अनुरूप होगा। सरकार डीनापानी में नंदादेवी हस्तशिल्प ग्राम की स्थापना करेगी। इस क्राफ्ट विलेज द्वारा मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना के अंतर्गत स्थानीय महिला उद्यमियों द्वारा बनाए गए उत्पादों सहित विभिन्न ताम्र वस्तुओं, ऐपण कला, काष्ठशिल्प और अन्य पारंपरिक हस्तशिल्प को भी बढ़ावा मिलेगा।

धामी ने साधा कांग्रेस और आरजेडी पर निशाना

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि, कांग्रेस और आरजेडी के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वर्गीय माता के प्रति अभद्र व आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग करना अत्यंत ही निंदनीय, अमर्यादित एवं कुत्सित मानसिकता का प्रतीक है। यह केवल राजनीति की मर्यादा का पतन नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति की जड़ों में रचे-बसे मातृत्व और नारी सम्मान पर भी सीधा प्रहार है। उन्होंने आगे कहा कि, जिन नेताओं से जनता संवेदनशीलता और सकारात्मक राजनीति की अपेक्षा करती है, उनका इस स्तर तक गिर जाना उनके अंतर्मन की दूषित सोच और लगातार जनता से मिल रही अस्वीकृति की बौखलाहट का स्पष्ट प्रमाण है। बिहार की जागरूक जनता सब देख रही है। वह अपमान और नफ़रत की इस राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेगी और आगामी चुनावों में अपने एक-एक मत से इसका करारा जवाब देगी।

पीएम जन-धन योजना ने लोगों को अपना भाग्य लिखने की दी शक्ति

योजना के 11 साल पूरे होने पर बोले प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री जन-धन योजना के 11 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि इस योजना ने लोगों को अपना भाग्य खुद लिखने की शक्ति दी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति वित्तीय रूप से जुड़ जाता है तो पूरा देश एक साथ आगे बढ़ता है। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री जन-धन योजना आज ही के दिन शुरू की गई थी। यह एक राष्ट्रीय मिशन है जिसमें देश के सभी परिवारों के व्यापक वित्तीय समावेशन के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण शामिल है। इस योजना में प्रत्येक परिवार के लिए कम से कम एक बुनियादी बैंकिंग खाता, वित्तीय साक्षरता, ऋण, बीमा और पेंशन सुविधा तक पहुंच के साथ बैंकिंग सुविधाओं तक सार्वभौमिक पहुंच की परिकल्पना की गई है।

मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जब अंतिम व्यक्ति वित्तीय रूप से जुड़ा होता है, तो पूरा देश एक साथ आगे बढ़ता है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना से यही हासिल हुआ। इसने सम्मान बढ़ाया और लोगों को अपना भाग्य खुद लिखने की शक्ति दी।

प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में 'माइगोव' द्वारा किया गया एक पोस्ट साझा किया जिसमें बताया गया कि कैसे प्रधानमंत्री जन-धन योजना ने पूरे भारत में जीवन बदल दिया। इस पोस्ट में कहा गया कि गणित के सूत्र नहीं, बल्कि भारत के विकास के सूत्र। भारत की वित्तीय क्रांति एक विचार से प्रेरित है: नवाचार के माध्यम से समावेशन। अंतिम छोर तक बैंकिंग से लेकर महिला-नेतृत्व वाले सशक्तीकरण तक, पारदर्शी डीबीटी हस्तांतरण से लेकर शासन में विश्वास तक, प्रधानमंत्री जन-धन योजना ने भारत में बैंकिंग, बचत और विकास के तरीके को बदल दिया है।

वित्तीय समावेशन को वास्तविकता में बदला

माइगोव के एक अन्य पोस्ट में कहा गया कि 11 साल पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत से वादा किया था कि कोई भी गरीब परिवार बैंकिंग की दुनिया से बाहर नहीं रहेगा। जन-धन कभी भी केवल खातों के बारे में नहीं था, यह एक मां के लिए सम्मान के साथ बचत करने, एक किसान को बिचौलियों के बिना सहायता प्राप्त करने और एक ग्रामीण को राष्ट्र के विकास का हिस्सा महसूस करने के लिए दरवाजे खोलने के बारे में था। इसमें कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण ने वित्तीय समावेशन को वास्तविकता में बदल दिया, जिससे हर घर में आशा और हर जीवन में आत्मविश्वास आया।

राष्ट्रपति-राज्यपाल के फैसलों के खिलाफ याचिका नहीं दायर कर सकते राज्य : केंद्र

- विधेयकों की मंजूरी की डेडलाइन पर सुप्रीम कोर्ट में रखी दलील

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि राज्य सरकारें विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों से निपटने में राष्ट्रपति और राज्यपाल की कार्रवाई के खिलाफ मौलिक अधिकारों के उल्लंघन को लेकर शीर्ष अदालत में रिट याचिका दायर नहीं कर सकतीं।

केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ को बताया कि राष्ट्रपति इस बारे में शीर्ष अदालत की राय जानना चाहेंगी कि क्या राज्य सरकारें मौलिक अधिकारों के उल्लंघन को लेकर संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 361 के दायरे पर भी राय चाहेंगी, जिसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति या राज्यपाल अपने पद की शक्तियों और कर्तव्यों के प्रयोग और निष्पादन या किए गए किसी भी कार्य के लिए किसी भी अदालत के प्रति जवाबदेह नहीं होंगे।

मेहता ने पीठ को बताया कि उन्होंने संदर्भ में इन सवालों पर बहस की है, लेकिन राष्ट्रपति की राय है कि वह सही कानूनी स्थिति जानने के लिए अदालत का विचार जानना चाहेंगी, क्योंकि भविष्य में यह मुद्दा उठ सकता है। पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर भी शामिल हैं। मेहता ने कहा कि राज्यपाल और राष्ट्रपति की कार्रवाई के खिलाफ राज्य सरकार की ओर से अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर नहीं की जा सकती, क्योंकि यह विचारणीय नहीं है, उन्हें कोई निर्देश जारी नहीं किया जा सकता और तीसरा, विधेयकों से निपटने में राज्यपाल और राष्ट्रपति की कार्रवाई अदालत का विषय नहीं है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 32 तब लागू होता है जब मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होता है और संवैधानिक व्यवस्था में राज्य सरकार के पास स्वयं मौलिक अधिकार नहीं होते।

छह माह तक विधेयकों को दबाए रखना अनुचित

सॉलिसिटर जनरल ने आठ अप्रैल के तमिलनाडु से संबंधित फैसले का हवाला दिया, जिसमें राज्यों को यह छूट दी गई थी कि यदि विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने में राज्यपाल द्वारा समयसीमा का पालन नहीं किया जाता तो वे सीधे उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकते हैं। प्रधान न्यायाधीश गवई ने कहा कि वह आठ अप्रैल के दो न्यायाधीशों के फैसले के संबंध में कुछ नहीं कहेंगे, लेकिन राज्यपाल द्वारा छह महीने तक विधेयक को दबाए रखना उचित नहीं होगा। मेहता ने दलील दी कि एक संवैधानिक इकाई द्वारा अपने कर्तव्यों का निर्वहन न किए जाने से न्यायालय को किसी अन्य संवैधानिक इकाई को निर्देश देने का अधिकार नहीं मिल जाता। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हां। हम जानते हैं कि आपकी दलील क्या है? अगर यह अदालत 10 साल तक मामले पर फैसला नहीं करती है, तो क्या राष्ट्रपति द्वारा आदेश जारी करना उचित होगा। सुनवाई जारी है।

पिथौरागढ़ में भूस्खलन 550 बकरियों की मौत

पिथौरागढ़। पिथौरागढ़ जिले के मुनस्यारी में चट्टान खिसकने और भूस्खलन की चपेट में आने से लगभग 550 बकरियां और भेड़ों की मौत हो गयी जबकि सैकड़ों घायल हो गयीं। मुनस्यारी के सरमोली के पूर्व जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने बताया कि उच्च हिमालयी क्षेत्र से पशुपालक अपनी बकरियों के साथ निचले हिस्से से लौट रहे थे। पशुपालक सैकड़ों बकरियों और भेड़ों के साथ मुनस्यारी से 30 किमी दूर घ्लाललोटन क्षेत्र में रुके हुए थे। इसी बीच चट्टान का एक बड़ा हिस्सा टूट गया और बकरियां उसकी चपेट में आ गयीं। पशुपालकों की सूचना पर प्रशासन की टीम मौके के लिये रवाना हो गयी है। मर्तोलिया ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से घटना का संज्ञान लेने की अपील करते हुए विशेष राजकीय कोष के तहत पशुपालकों की सहायता की मांग की है।

भालू की पित्त और चरस के साथ नेपाल का तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता, पिथौरागढ़

- भालू की पित्त की कीमत करीब एक करोड़

अमृत विचार : पुलिस एवं वन विभाग की टीम ने संयुक्त अभियान के तहत करीब एक करोड़ रुपये कीमत की भालू की पित्त की थैली और लाखों की चरस के साथ एक नेपाली तस्कर को गिरफ्तार किया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रेखा यादव ने गुरुवार को बताया कि पुलिस को कुछ समय पहले वन्य जीव अंग तस्करी के संबंध में सूचना मिली थी। धारचूला कोतवाल हरेन्द्र सिंह और एसओजी प्रभारी प्रकाश पांडेय की अगुवाई में बुधवार देर रात गलाती पुल के पुलिस, एसओजी और वन विभाग की टीम ने जाल बिछा लिया। इसी दौरान नेपाली तस्कर सूर्य बहादुर बुढ़ाथोकी निवासी नेपाल को रोका गया तो भागने का प्रयास करने लगा। आरोपी को दबोच लिया गया। जांच करने पर उसके पास से भालू की एक पित्त की थैली और 2.300 ग्राम चरस बरामद हुई। आरोपी को गिरफ्तार कर अभियोग पंजीकृत कर लिया गया। बरामद भालू की पित्त की थैली की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत एक करोड़ रुपये आंकी गई है। पुलिस को आरोपी से पूछताछ में कुछ महत्वपूर्ण तथ्य हाथ लगे हैं।

बांदीपुरा में सुरक्षाबलों ने दो आतंकी मार गिराए

श्रीनगर, एजेंसी

- जम्मू कश्मीर में घुसपैठ की कोशिश नाकाम

जम्मू कश्मीर में बांदीपुरा जिले के गुरेज सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम करते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

श्रीनगर स्थित सेना की चिनार कोर ने 'एक्स' पर बताया कि जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा संभावित घुसपैठ की कोशिश के बारे में दी गई खुफिया जानकारी के आधार पर सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस ने गुरेज सेक्टर में एक संयुक्त अभियान शुरू किया। सेना ने कहा कि सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और घुसपैठियों को चुनौती दी, इस पर आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सेना ने कहा कि सैनिकों ने प्रभावी जवाबी कार्रवाई करते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने बताया कि अभियान अभी जारी है।

हरिद्वार में होटल के कमरे में लगी आग, जिंदा जला जेई

संवाददाता, हरिद्वार

अमृत विचार : नगर के एक होटल के कमरे में एक जूनियर इंजीनियर की जिंदा जलकर मौत होने का मामला सामने आया है। प्रारंभिक जांच में पुलिस इसे आत्महत्या मानकर चल रही है।

कोतवाली पुलिस के अनुसार, मेड़ता रोड नागौर राजस्थान निवासी मोहित (25), बठिंडा (पंजाब) में केंद्रीय लोक निर्माण विभाग में जूनियर इंजीनियर के पद पर तैनात था। मोहित ने गुरुवार सुबह करीब 11:30 बजे रजिस्ट्री तिराहा के पास स्थित एक होटल में कमरा लिया था। दोपहर में अचानक कमरे में आग लग गई। सूचना पर पुलिस पहुंची तो कमरा अंदर से बंद था। दरवाजा तोड़ा गया तो अंदर बुरी तरह से झुलसे एक युवक का शव मिला। पुलिस के अनुसार, मोहित 26 अगस्त से पंजाब से लापता चल रहा था और वहां उसकी गुमशुदगी दर्ज थी। मामले में जांच की जा रही है।

उप्र के संभल में 15% बचे हिंदू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- संभल हिंसा की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग ने मुख्यमंत्री को सौंपी रिपोर्ट

अमृत विचार : पश्चिमी यूपी के संभल में पिछले साल हुई हिंसा की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग ने गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 450 पन्ने की रिपोर्ट सौंपी।

रिपोर्ट में संभल में हिंदुओं की घटती आबादी का कारण और दंगों के इतिहास के साथ साजिशों का भी जिक्र है। इसमें जनसांख्यिकीय परिवर्तन की तमाम वजहों और लोगों को पलायन के लिए मजबूर करने पर भी पूरा फोकस है। कहा गया है कि जहां कभी संभल में 45 प्रतिशत आबादी हिंदू थी, लेकिन घटकर अब 15 से 20 प्रतिशत रह गई है। इसमें जर्रे-जर्रे पर विदेशी आक्रांता बाबर के दमन के निशान से लेकर डेमोग्राफिक बदलाव, दंगे और आतंकी नेटवर्क का बड़ा खुलासा किया गया है। प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने बताया कि रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद सरकार आगे के एक्शन पर योजना बनाएगी।

संभल की मस्जिद में सर्वे करने के दौरान 24 नवंबर 2024 को हिंसा के बाद जांच के लिए हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति देवेंद्र अरोड़ा की अध्यक्षता में न्यायिक आयोग का गठन किया गया था। गुरुवार को आयोग के अध्यक्ष समेत दोनों सदस्य रिटायर्ड आईपीएस पूर्व डीजीपी अरविन्द कुमार जैन और वरिष्ठ आईएएस अमित मोहन प्रसाद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके आवास पर मिलकर लाल जिल्द में 450 पन्ने की जांच रिपोर्ट पार्ट-एक और दो सौंपी।

इस रिपोर्ट को तैयार करने में बतौर सलाहकार पूर्व जिला जज ब्रजेश कुमार भी जुड़े हैं। रिपोर्ट में बाबर के दमन के साक्ष्य के साथ डेमोग्राफिक बदलाव, दंगे और आतंकी नेटवर्क पर बड़ा खुलासा किया गया है।

संभल जिले को लेकर कई गंभीर और चौंकाने वाले तथ्य दर्ज हैं। रिपोर्ट के सार्वजनिक होते ही कई बड़े मामले सामने आएंगे। सरकार ने रिपोर्ट को गोपनीय रखा है।

एनएआरआई-2025 | राष्ट्रीय वार्षिक महिला सुरक्षा रिपोर्ट और सूचकांक में किया गया दावा

मुंबई, कोहिमा, भुवनेश्वर महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

- पटना, जयपुर, दिल्ली को बताया गया सबसे असुरक्षित

कोहिमा, विशाखापत्तनम, भुवनेश्वर, आइजोल, गंगटोक, ईटानगर और मुंबई भारत में महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित शहर बनकर उभरे हैं, जबकि पटना, जयपुर, फरीदाबाद, दिल्ली, कोलकाता, श्रीनगर और रांची सबसे निचले पायदान पर हैं।

गुरुवार को जारी राष्ट्रीय वार्षिक महिला सुरक्षा रिपोर्ट एवं सूचकांक (एनएआरआई) 2025 तो कुछ यही बयां करता है। यह राष्ट्रव्यापी सूचकांक 31 शहरों की 12,770 महिलाओं पर की गई रायशुमारी पर आधारित है। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा स्कोर 65 फीसदी रखा गया है और शहरों को उक्त मानक से काफी ऊपर, ऊपर, समान, नीचे या काफी नीचे श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

सूचकांक में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले कोहिमा और विशाखापत्तनम जैसे शहरों के अच्छे प्रदर्शन के पीछे मजबूत लैंगिक समानता, नागरिक भागीदारी, पुलिस व्यवस्था और महिला-अनुकूल बुनियादी ढांचे का हाथ बताया गया है। वहीं, इसमें सबसे निचले पायदान पर काबिज पटना और जयपुर जैसे शहरों के खराब प्रदर्शन के लिए कमजोर संस्थागत प्रतिक्रिया, पितृसत्तात्मक मानदंडों और शहरी बुनियादी ढांचे में कमी जैसे कारकों को जिम्मेदार ठहराया गया है। एनएआरआई-2025 में कहा गया है कि कोहिमा, विशाखापत्तनम, भुवनेश्वर, आइजोल, गंगटोक, ईटानगर और मुंबई राष्ट्रीय सुरक्षा रैंकिंग में सबसे आगे हैं, जिसके लिए उच्च लैंगिक समानता, बेहतर बुनियादी ढांचा, पुलिस व्यवस्था और नागरिक भागीदारी जिम्मेदार है। वहीं, रांची, श्रीनगर, कोलकाता, दिल्ली, फरीदाबाद, पटना और जयपुर सबसे नीचे हैं।

दस में छह महिलाओं ने बताया अपने शहर को सबसे सुरक्षित

रिपोर्ट में कहा गया है कि सर्वेक्षण में शामिल दस में से छह महिलाओं ने अपने शहर में सुरक्षित महसूस करने की बात कही, लेकिन 40 प्रतिशत ने अभी भी खुद को उतना सुरक्षित नहीं माना। रात में सुरक्षित महसूस करने की धारणा में भारी गिरावट आई है, खासकर सार्वजनिक परिवहन और मनोरंजन स्थलों में। शैक्षणिक संस्थानों में 86 फीसदी महिलाएं दिन में सुरक्षित महसूस करती हैं, लेकिन रात में या परिसर के बाहर वे सुरक्षा को लेकर चिंता में घिरी रहती हैं। लगभग 91 फीसदी महिलाएं कार्यस्थल पर सुरक्षित महसूस करती हैं।

केवल एक चौथाई को शिकायत पर प्रभावी कार्रवाई का भरोसा

सर्वेक्षण में शामिल केवल एक-चौथाई महिलाओं ने कहा कि उन्हें अधिकारियों के सुरक्षा संबंधी शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई करने का भरोसा है। 69 फीसदी महिलाओं ने कहा कि मौजूदा सुरक्षा प्रयास कुछ हद तक पर्याप्त हैं, जबकि 30 प्रतिशत से ज्यादा ने महत्वपूर्ण कमियों का जिक्र किया। केवल 65 फीसदी ने 2023-2024 के दौरान इसमें वास्तविक सुधार आने की बात कही। रिपोर्ट के अनुसार, सर्वेक्षण में शामिल तीन में से दो महिलाएं उत्पीड़न की शिकायत नहीं करती हैं, जिसका मतलब यह है कि एनसीआरबी के पास अधिकांश घटनाएं दर्ज ही नहीं होतीं।

अमृत विचार

हल्द्वानी, शुक्रवार, 29 अगस्त 2025

स्टेट ब्रीफ

उत्तरकाशी-हर्षिल के बीच सड़क संपर्क बहाल

उत्तरकाशी : उत्तराखंड के धराली में पांच अगस्त को आई बाढ़ के कारण तीन सप्ताह से अधिक समय तक बाधित रहने के बाद उत्तरकाशी और हर्षिल के बीच सड़क संपर्क बहाल कर दिया गया है। हालांकि, गंगोत्री यात्रा अब भी बाधित है क्योंकि हर्षिल के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग के कई हिस्से अब भी क्षतिग्रस्त हैं या पानी में डूबे हुए हैं। डीएम प्रशांत आर्य ने बीआरओ को मरम्मत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं ताकि गंगोत्री यात्रा को पूरी तरह से शुरू किया जा सके। लिमचागाड़, डबरानी और सोनगाड़ में मरम्मत कर उत्तरकाशी और हर्षिल के बीच सड़क संपर्क बहाल कर दिया गया है। हर्षिल, धराली और आसपास के क्षेत्रों में बिजली, पानी और संचार लाइनें भी दुरूस्त कर दी गयी हैं।

समन्वय के साथ कार्य को आगे बढ़ाएं: जोशी

देहरादून : सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने गुरुवार को पूर्व सैनिक कल्याण निगम लिमिटेड (उपनल) की ओर से संचालित विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा कर अफसरों को निर्देशित किया कि उपनल के माध्यम से किए जा रहे कार्यों को जिला प्रशासन एवं राजस्व विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाए।

बजट का शत प्रतिशत इस्तेमाल करें: रेखा

देहरादून : कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने अधिकारियों के साथ बैठक में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के दौरान एकल महिला स्वरोजगार योजना में आवंटित बजट के शत-प्रतिशत प्रयोग के निर्देश दिए। कहा कि योजना में अभी तक 1600 से ज्यादा आवेदन मिल चुके हैं। योजना के तहत पहले साल 2000 महिलाओं को लाभ देने का लक्ष्य रखा गया है। एकल महिलाओं को स्वरोजगार के लिए सरकार 75 फीसदी तक का अनुदान देगी।

बिगड़ा रहा सरोवर नगरी का मौसम

नैनीताल : गुरुवार को सरोवर नगरी का मौसम बिगड़ा रहा। दोपहर दो बजे शुरू हुई बारिश देर शाम तक जारी रही, जिसका सामान्य जीवन पर असर पड़ा है। नगर में सुबह से ही घना कोहरा छाया रहा और बादलों ने भी डेरा डाला हुआ था। दोपहर में कभी हल्की तो कभी बारिश तेज होती रही। कई बार घने कोहरे के चलते दृश्यता बेहद कम हो गई। नैनी झील का जलस्तर 87 .5 फीट पहुंच गया है। वर्षा 10 मिमी रिकार्ड की गई। अधिकतम तापमान 24 व न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस रहा।

हाईकोर्ट ने पलटा निचली अदालत का फैसला, बरी

अल्मोड़ा कोर्ट ने सुनाई थी हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा, हाईकोर्ट में याचिका पर हुई सुनवाई

हाईकोर्ट समाचार 1

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट ने अल्मोड़ा जिले के जिला सत्र न्यायाधीश द्वारा अभियुक्त दीपक सिंह बिष्ट को वर्ष 2018 में आजीवन कारावास की सजा दिए जाने के आदेश के खिलाफ याचिका पर सुनवाई की। न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी एवं न्यायमूर्ति आलोक महरा की खंडपीठ ने लगाए गए आरोपो को अभियोजन पक्ष द्वारा सिद्ध न करने के आधार पर दोषी को बरी कर दिया है।

जिला सत्र न्यायाधीश ने वर्ष 2018 में आरोपी को हत्या करने के आधार पर आजीवन कारावास और 45 हजार रुपये जुर्माने की सजा से दंडित किया था। जुर्माना न देने की स्थिति में आईपीसी की धारा 302 के तहत सात साल का अतिरिक्त कारावास एवं धारा 201 के तहत 6 माह की सजा सुनाई थी। इस आदेश को आरोपी पक्ष द्वारा वर्ष 2018 में उच्च न्यायालय में चुनौती दी गयी। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने पाया कि निचली अदालत में अभियोजन पक्ष कोई ठोस सबूत पेश नहीं कर पाया। इसका लाभ देते हुए अभियुक्त को बरी कर दिया। साथ में, निचली अदालत के आदेश को निरस्त कर दिया।

मामले के अनुसार, पनी राम अल्मोड़ा के गुणादित्य हॉर्टिकल्चर विभाग में ग्राम विकास अधिकारी के पद पर कार्यरत था। जिस दिन घटना हुई, उस रात को वह साथी के साथ दावत पर था और विभाग के भवन में ही रह रहा था। मौजूद घटना के दौरान उनकी मृत्यु किस कारण से हुई, उसका कोई प्रत्यक्ष साक्षी उपलब्ध नहीं था। जब इसकी सूचना उनकी पत्नी को दी गयी तो वे मौके पर भतीजे के साथ वहां गयी। जब देखा तो उनका पति ऑफिस के निचले बरामदे में मृत पड़ा था। सिर में गम्भीर चोट लगने से खून बह रहा था। भवन की ऊपर की सीढ़ियों पर खून लगा था। किसी ने उसे साफ करने की कोशिश भी की, जो पूरी तरफ से साफ नहीं हुई थी। मुकदमा दर्ज होने के बाद जब पुलिस ने चार्जशीट दायर की तो इस अभियुक्त पर पुलिस को शक हुआ। उसी के आधार पर इसको गिरफ्तार कर लिया गया। जिला सत्र न्यायाधीश अल्मोड़ा ने अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा सुनाई, जिसे अभियुक्त ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी जिस पर सुनवाई करते हुए आरोप सिद्ध न होने के कारण उच्च न्यायालय ने उसे बरी कर दिया।

अधिकरण के आदेश को बरकरार रखा

विधि संवाददाता, नैनीताल

- उत्तराखंड लोक सेवा अधिकरण के पदोन्नति आदेश की पुष्टि की

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट ने उत्तराखंड लोक सेवा अधिकरण के 23 दिसंबर 2019 के आदेश की पुष्टि की है, जिसमें प्रशिक्षण संवर्ग के दो अधिकारियों की डिप्टी कमिश्नर पद पर पदोन्नति को सही ठहराया गया था। इस आदेश को भारत चन्द्र भट्ट व अन्य ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। 2

न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में याचिकर्ताओं ने कहा कि वर्ष 2011 के नियम लागू होने से पूर्व ग्रामीण विकास विभाग में डिप्टी कमिश्नर अथवा समकक्ष के 8 स्वीकृत पद थे। पुराने नियमों के तहत प्रशिक्षण संवर्ग के प्रिंसिपल (ग्रुप-ए) अधिकारियों को 25 फीसदी कोटा प्राप्त था। इसी के आधार पर वर्ष 2015 में हुई पदोन्नति में प्रतिवादी को प्रमोशन दिया गया था।

अदालत ने कहा कि नियमों में कहीं भी यह प्रावधान नहीं है कि प्रशिक्षण संवर्ग के प्रिंसिपल (ग्रुप-ए) को प्रांतीय विकास सेवा (पीडीएस) कैडर में पदोन्नति से वंचित किया जाए इसलिए लोक सेवा अधिकरण द्वारा दी गई राहत में कोई त्रुटि नहीं पाई गई। याचिकर्ताओं की यह दलील भी खारिज कर दी गई कि वर्ष 2010 के पुनर्गठन आदेश केवल ब्लॉक विकास अधिकारी संवर्ग तक सीमित था। याचिकाकर्ताओं ने 3 अक्टूबर 2013 के उस सरकारी आदेश को भी चुनौती दी थी, जिसमें 10 मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) के पद पीसीएस/आईएएस अधिकारियों के लिए आरक्षित किए गए थे। अदालत ने इस पहलू पर विचार करने से इनकार करते हुए कहा कि यह नीति निर्धारण का विषय है और याचिकाकर्ता चाहें तो इस आदेश को अलग से चुनौती दे सकते हैं।

इस प्रकार हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए लोक सेवा अधिकरण के आदेश को बरकरार रखा और प्रशिक्षण संवर्ग के अधिकारियों की पदोन्नति को वैध माना। याचिकाकर्ताओं को स्वतंत्र कार्यवाही में सरकारी आदेश को चुनौती देने की छूट दी गई है।

याचिका पर दो सितंबर को सुनवाई

नैनीताल : हाईकोर्ट ने उत्तराखंड क्रिकेट बोर्ड में करोड़ों रुपये की अनियमितताओं के खिलाफ दायर कई याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की। वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ ने अगली सुनवाई के लिए आगामी दो सितंबर की तिथि नियत की है। गुरुवार को सुनवाई पर याचिकाकर्ता की तरफ से कहा गया कि एसोशिएशन जारी नियमों के तहत कार्य नहीं कर रहा है। केवल जारी फंड का दुरुपयोग कर रहा है और इसकी जांच कराई जाए। सुनवाई के बाद खंडपीठ ने अगली सुनवाई हेतु आगामी मंगलवार की तिथि नियत की है। 3

मदरसा प्रबंधक को अग्रिम जमानत दी

नैनीताल: हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की एकलपीठ ने लक्सर (हरिद्वार) के केजीएन मदरसा प्रबंधक/प्रधानाध्यपक के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए उनको अग्रिम जमानत दे दी है। 4

कोर्ट ने उनसे यह भी कहा है कि वे जांच में सहयोग करें और बिना न्यायालय की अनुमति के विदेश न जाएं। मामले के अनुसार, प्रधानाध्यापक फरीद अहमद पर मदरसे में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या से कहीं अधिक छात्र दिखाकर मध्याह्न भोजन में अनियमिता करने के साथ-साथ अन्य अनियमिताओं के आरोप में खंड शिक्षा अधिकारी ने अभियोग पंजीकृत कराया था। वहीं, मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने एक परिवार की सुरक्षा देने संबंधी याचिका पर सुनवाई करते हुए रुड़की के मंगलौर थाना प्रभारी को प्रार्थनापत्र के आधार पर सुरक्षा देने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने विधायक भगत को चुनावी जीत पर किया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत को सम्मानित करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

अमृत विचार : कोटाबाग और हल्द्वानी की नवनिर्वाचित ब्लॉक प्रमुखों ने विधायक बंशीधर भगत के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर सीएम ने विधायक बंशीधर भगत को प्रभु श्रीराम की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया।

सीएम धामी ने कहा कि यह जीत केवल एक चुनावी सफलता नहीं बल्कि जनता के विश्वास और कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का प्रतीक है। विधायक बंशीधर भगत के नेतृत्व में कालाढूंगी क्षेत्र निरंतर प्रगति की राह पर अग्रसर है। विधायक भगत ने कहा, सीएम ने कालाढूंगी विस क्षेत्र में जनहित की तमाम योजनाओं को धरातल पर उतारा जिस वजह से में कोटाबाग एवं हल्द्वानी ब्लॉकों में भाजपा का परचम लहराया है। कोटबाग की ब्लॉक प्रमुख मनीषा जंतवाल और हल्द्वानी की ब्लॉक प्रमुख मंजू गौड़ ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं के समाधान को ज्ञापन भी सीएम को सौंपा। इस अवसर पर सीएम ने इनमें कई मांगों को मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल करने की बात की, इससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। इस दौरान प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत, विक्रम जंतवाल, पूरन गौड़, संदीप सनवाल, ज्येष्ठ प्रमुख बीरेंद्र मेहरा, कनिष्ठ प्रमुख मदन भंडारी, प्रकाश गर्जोला, विनोद बुढलाकोटी, गुंजन मेहरा, मनीष आर्या, कृपाल सिंह, वीरेंद्र रावत, कमल पडलिया रहे।

भर्ती के लिए बी फार्मा डिग्री धारक पात्र नहीं

नैनीताल: हाईकोर्ट ने एक आदेश में कहा कि प्रदेश में फार्मासिस्ट पदों पर भर्ती के लिए केवल फार्मेसी में डिप्लोमा (डी.फार्मा) को ही वैध शैक्षणिक योग्यता के रूप में मान्यता दी जाएगी। स्पष्ट किया कि बी.फार्मा डिग्री धारक उम्मीदवार वर्तमान सेवा नियमों के तहत फार्मासिस्ट पद के लिए आवेदन करने के पात्र नहीं हैं। ओम प्रकाश, विनोद कुमार, पंकज मोहन ध्यानी तथा बी. फार्मा डिग्री धारकों ने अपनी याचिकाओं में दलील दी थी कि चूंकि उनके पास उच्च योग्यता है इसलिए उन्हें फार्मासिस्ट पद के लिए आवेदन करने की अनुमति दी जानी चाहिए। न्यायमूर्ति रविंद्र मैठाणी की पीठ ने कहा कि भर्ती के लिए पात्रता मानदंड तय करना नीतिगत मामला है और जब तक सेवा नियमों में संशोधन नहीं किया जाता, तब तक राज्य फार्मेसी परिषद में पंजीकृत डी.फार्मा धारक ही फार्मासिस्ट पद पर भर्ती के लिए पात्र माने जाएंगे।

पिथौरागढ़ में हुआ 15 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण

संवाददाता, पिथौरागढ़

ये घोषणाएं की

● देवत पुरचौड़ा में भूस्खलन ट्रीटमेंट कार्य होगा ● नैनी सैनी-देवत पुरचौडा-कुम्डार से कनारी मोटर मार्ग तक सुरक्षात्मक कार्य होगा ● चंडाक में ईको पार्क एवं स्मृति वन बनेगा ● मोस्टामानू मंदिर का सौन्दर्यीकरण होगा ● घंटाकर्ण से चंडाक तक सड़क के डबल कटिंग का काम होगा ● नैनीसैनी एयरपोर्ट के पास सिटी गार्डन का निर्माण होगा

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को पिथौरागढ़ जिले में 62 करोड़ रुपये लागत की 15 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल एवं पर्यटन से जुड़ी विभिन्न विकासपरक योजनाएं भी शामिल हैं।

सीएम ने वर्चुअल माध्यम से मोस्टामानू महोत्सव का उद्घाटन करते हुए मोस्टामानू मेला हमारी आस्था, विश्वास और समृद्ध परंपरा का प्रतीक है। यह केवल एक धार्मिक या पारंपरिक आयोजन नहीं बल्कि हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है, जो कृषि और पशुपालन से जुड़े हमारे ग्रामीण जीवन की विशिष्टताओं को भी दर्शाता है। कहा कि केदारखंड की भांति मानसखंड में स्थित कुमाऊं के पौराणिक मंदिरों के भी पुनरुत्थान एवं सौंदर्यीकरण के कार्य किए जा रहे हैं। इस पवित्र स्थल के सौंदर्यीकरण के लिए करीब 1 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न कार्य कराए गए हैं। 6 करोड़ से अधिक की लागत से गंगोलीहाट में हाट कालिका मंदिर के सौंदर्यीकरण, 43 करोड़ की लागत से बजेटी शनि मंदिर, हनुमान मंदिर तथा लक्ष्मी नारायण मंदिर के समीप आधुनिक पार्किंग स्थलों का निर्माण भी किया जा रहा है। 750 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेज के भवन का निर्माण, मेडिकल कॉलेज पिथौरागढ़ में लगभग 21 करोड़ की लागत से 50 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण, 25 करोड़ की लागत से अस्कोट, गंगोलीहाट और धारचूला में नए बस स्टेशनों के निर्माण व पिथौरागढ़ में रोडवेज वर्कशॉप का निर्माण कार्य भी कराया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 327 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से क्षेत्र में विभिन्न सड़कों का निर्माण कार्य भी गतिमान है।

यौन शोषण पर आयोग ने विस्तृत रिपोर्ट तलब की

संवाददाता, देहरादून

- सात साल के बच्चे के साथ घिनौना कृत्य करने का मामला

अमृत विचार: राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने हाल ही में रुड़की के निकट झबरेड़ा क्षेत्र में एक मस्जिद के इमाम द्वारा सात वर्षीय लड़के के कथित यौन शोषण पर मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लेते हुए हरिद्वार जिला अधिकारियों को नोटिस जारी कर मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

लड़का मस्जिद में इमाम से ट्यूशन लेने गया था, जहां इमाम उसे जबरन एक कमरे में ले गया और उसके साथ घिनौना कृत्य किया। यह घटना 21 अगस्त को हुई थी। इमाम ने बच्चे को यह बात किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। हालांकि, घर पहुंचने पर बच्चे ने अपने परिवार को अपनी आपबीती सुनाई। एनएचआरसी ने हरिद्वार के डीएम और एसएसपी को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। हरिद्वार के एसपी (ग्रामीण) एससी सुयाल ने कहा कि घटना के एक दिन बाद उसके पिता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर इमाम को गिरफ्तार किया गया था।

बारिश से पेड़ टूटा दो वाहन क्षतिग्रस्त

नैनीताल: शहर के राजभवन वार्ड में शेरवुड स्कूल के समीप वर्षा के चलते बांज का सूखा हुआ पेड़ आधे से ज्यादा टूट गया। पेड़ ने पास में पार्क वाहनों को चपेट में ले लिया। दो वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। सभासद ने मौका-मुआयना कर आपदा विभाग को घटना की जानकारी दी। गुरुवार सुबह तड़के शेरवुड स्कूल के समीप सूखा बांज का पेड़ आधे से ज्यादा टूट गया। गनीमत रही कि कोई राहगीर पेड़ की चपेट में नहीं आया। अलबत्ता पेड़ ने पास में ही पार्क वाहनों को चपेट में ले लिया। क्षेत्रीय निवासी प्रदीप कुमार व भुवन जोशी का वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सभासद काजल आर्या ने मौका-मुआयना कर नुकसान का जायजा लिया।

अब उत्तराखंड में राष्ट्रीय स्तर पर फिल्म महोत्सव की तैयारी

संवाददाता, देहरादून

सीएस आनंद बर्द्धन से भेंट करते यूएफडीसी के जेसीईओ डॉ. नितिन उपाध्याय।

अमृत विचार: उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद (यूएफडीसी) के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (जेसीईओ) डॉ. नितिन उपाध्याय ने मंगलवार को मुख्य सचिव (सीएस) आनन्द बर्द्धन से शिष्टाचार भेंट में परिषद की गतिविधियों की जानकारी दी।

सीएस ने कहा कि राज्य में फिल्म निर्माण से जुड़े इको सिस्टम को प्रोत्साहित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारत सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर का फिल्म महोत्सव आयोजित करने हेतु प्रस्ताव तैयार किया जाए। दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में लो-कॉस्ट (कम लागत) सिनेमा हॉल की संभावनाओं पर विचार करने और स्थानीय युवाओं एवं कलाकारों को अधिक अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम किया जाए।

डॉ. उपाध्याय ने मुख्य सचिव को राज्य की फिल्म नीति के क्रियान्वयन के विषय में जानकारी दी। बताया कि प्रदेश में फिल्म निर्माण हेतु अनुमति प्रक्रिया को सरल व पारदर्शी बनाने को सिंगल विंडो सिस्टम पहले से संचालित है।

वाल्मीकि गैंग पर कसा शिकंजा, दो गुर्गे दबोचे

संवाददाता, हरिद्वार

- पार्किंगों पर कब्जे में सक्रिय गिरोह पर एसटीएफ का कब्जा

अमृत विचार: स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने वाल्मीकि गैंग पर शिकंजा कसते हुए गैंग के दो गुर्गों को गिरफ्तार किया है।

एसएसपी एसटीएफ नवनीत सिंह ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति के नाम से प्रार्थनापत्र एसटीएफ को मिले कि सुनील राठी गैंग का सदस्य रह चुका गैंगस्टर प्रवीण वाल्मीकि हरिद्वार में हत्या, रंगदारी जैसी घटनाएं कर चुका है और वर्तमान में कुमाऊं की सितारगंज जेल में रहकर गुर्गों के माध्यम से हरिद्वार में पार्किंग के ठेके के अलावा लोगों को डरा धमकाकर उनकी बेशकीमती जमीनों को अवैध रूप से बेच रहा है। एसटीएफ के एएसपी स्वप्न किशोर सिंह और डीएसपी आरबी चमोला की जांच में 27 अगस्त 2025 को रुड़की के थाना गंगनगर में एसटीएफ के इंस्पेक्टर एनके भट्ट की ओर से प्रवीण वाल्मीकि, उसके भतीजे मनीष बॉलर, पंकज अष्टवाल सहित छह बदमाशों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में अभियोग दर्ज कराया गया। मनीष बॉलर और पंकज अष्टवाल निवासी निवासी ग्राम सुनेहरा थाना गंगनहर, हरिद्वार को गिरफ्तार कर लिया गया।

अच्छी खबर | ईई लोनिवि और एसडीएम ने किया संयुक्त सर्वे, मार्ग बंद होने से हजारों लोग हो रहे परेशान

रेलवे क्रॉसिंग से गौलापुल तक का मार्ग आज खुलेगा

संवाददाता, हल्द्वानी

बनभूलपुरा रेलवे लाइन के पास बनाई गई सड़क। ● अमृत विचार

अमृत विचार: बनभूलपुरा रेलवे क्रासिंग से गौलापुल तक बंद किया गया मार्ग शुक्रवार की सुबह से खोल दिया जाएगा। लोनिवि के अनुसार मार्ग को ठीक कर लिया गया है लेकिन अभी विधिवत तरीके से खोले जाने की तैयारियां शेष रह गईं हैं।

भारी बारिश की वजह से इस मार्ग को चार अगस्त को बंद कर दिया गया था। बारिश के दौरान मार्ग धंस रहा था। कोई अनहोनी न हो इसलिए प्रशासन और लोनिवि ने मिलकर यह निर्णय लिया था। इधर यह मार्ग हल्द्वानी का महत्तवपूर्ण है। इस मार्ग से लोग गौलापार, चोरगलिया होते हुए सितारगंज और खटीमा आदि के लिए जाते हैं। मार्ग बंद होने से लोगों को शनिबाजार स्थल से होकर जाना पड़ रहा था। लोनिवि के ईई प्रत्यूष कुमार ने बताया कि मार्ग को ठीक कर लिया गया है। हालांकि अभी पुलिस को भी अलर्ट किया जाना बाकी है। विधिवत तौर पर शुक्रवार की सुबह से मार्ग पर संचालन शुरू हो जाएगा। कहा कि उन्होंने एसडीएम राहुल शाह के साथ मिलकर मार्ग का संयुक्त सर्वे कर लिया है।' जानकारी मिली कि इस मार्ग पर अभी दोपहिया और हल्के वाहनों को ही चलाया जाएगा। भारी वाहनों का प्रवेश यहां पर बंद रहेगा। भारी वाहन इस मार्ग से न गुजरें इसके लिए भी व्यवस्था की जाएगी।

पुराना बंद रहा, नया कट बनाया : गौलापुल से तीनपानी ओवरब्रिज वाले मार्ग पर कट को बंद कर दिया गया था। यह कट शनि बाजार वाले रेलवे क्रासिंग के पास पड़ता था। इस वजह से स्थानीय लोगों को काफी लंबा सफर करके जाना पड़ रहा था। स्थानीय लोगों ने इसका विरोध भी किया था। अब शनिबाजार रेलवे क्रासिंग से तीनपानी की तरफ 50 मीटर आगे पर एक कट बनाया गया है और लोग यहां से आ रहे हैं।

मार्गों में आ रहा मलबा, बंद हो रहा यातायात

हल्द्वानी : बारिश की वजह से मार्गों में मलबा आना जारी है। इस वजह से मार्ग बंद हो रहे हैं और यातायात प्रभावित हो रहे हैं। गर्जिया से घुघतीधार होते हुए बेतालघाट जाने वाला राज्य मार्ग किमी 14 और 19 पर मलबा आने से बंद हो गया। इसके अलावा ढोलीगांव से घेना जाने वाला मार्ग किमी पांच, सात और 11 पर बंद हो गया है। साथ ही डेल्कुना से रैकवाल मार्ग भी दो जगह, कोटाबाग से देवीपुरा मार्ग बंद हैं। कोटाबाग-देवीपुरा मार्ग चार जगहों पर बंद हैं। फतेहपुर से बेल मोटर मार्ग भी दो जगह किमी 12 और 18 पर मलबा आने से बंद है। इन मार्गों को जेसीबी की मदद से खोला जा रहा है।

स्यूड़ा में बारिश से काश्तकार का खेत खिसका

हल्द्वानी : स्यूड़ा गांव में बारिश का कहर जारी है। यहां एक ग्रामीण का खेत खिसक कर आंगन तक पहुंच गया है। सामाजिक कार्यकर्ता मंजू भट्ट ने बताया कि शिवदत्त स्यूड़ा के तोक सकलिया के रहने वाले हैं। बारिश की वजह से उनके घर लगे खेत की मेड टूटटर आंगन तक पहुंच गई है। इससे आंगन और खेत दोनों को ही नुकसान हुआ है। वहीं शिवदत्त का कहना है कि वह पहले से ही आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं इस घटना ने उनकी दिक्कतों को और भी बढ़ा दिया है।

प्रदेश के शिक्षकों को मिलेगा अंतरिम प्रमोशन का लाभ

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- बोले शिक्षा मंत्री-पदोन्नति न होने से शैक्षिक कार्यों पर पड़ रहा प्रतिकूल असर

अमृत विचार: विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने गुरुवार को कहा कि राज्य के शिक्षकों को अंतरिम प्रमोशन का लाभ दिया जाएगा।

शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में उन्होंने शिक्षकों के पदोन्नति संबंधी सभी पहलुओं पर अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि सरकार की मंशा जल्द से जल्द सभी पात्र शिक्षकों को प्रमोशन का लाभ देना है, लेकिन वरिष्ठता विवाद का प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

सरकार ने वरिष्ठता सूची निर्धारण तक पात्र शिक्षकों को अंतरिम प्रमोशन का लाभ देने का निर्णय लिया है। इसके लिए विभागीय अधिकारियों को विधि विभाग से उचित परामर्श लेकर न्यायालय में ठोस व तथ्यात्मक जवाब दाखिल करने के निर्देश दे दिए हैं। डॉ. रावत ने कहा कि शिक्षकों की पदोन्नति न होने से विद्यालयों में शिक्षण व मूल्यांकन कार्यों में प्रतिकूल असर पड़ रहा है, जिसका खामियाजा छात्र-छात्राओं को भुगतना पड़ रहा है।

मंत्री ने धारा-27 व असाध्य रोगों से ग्रसित अध्यापकों के स्थानांतरण प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को देते कहा कि इसके अंतर्गत होने वाले स्थानांतरण का प्रस्ताव शीघ्र शासन को उपलब्ध कराया जाए, ताकि समय पर शिक्षकों का स्थानांतरण हो सके। शिक्षा मंत्री ने इसके अलावा राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) तथा जिला शिक्षा एंव प्रशिक्षण संस्थानों (डायट) का प्रशासनिक ढांचे के पुनर्गठन, उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अधिसंख्या अध्यापकों का समायोजन, प्रत्येक विधानसभाओं में एक-एक विद्यालयों का उच्चीकरण, एनईपी-2020 के अनुरूप कक्षा-01 से 08वीं तक का पाठ्यक्रम तैयार करने तथा डी श्रेणी के विद्यालयों के पुनर्निर्माण/मरम्मत के प्रस्ताव शीघ्र नाबार्ड को भेजने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

सिटी ब्रीफ

समिति की बैठक आज

भीमताल : अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक मुख्य विकास अधिकारी अनामिका की अध्यक्षता में 29 अगस्त (शुक्रवार) को अपराह्न 12 बजे से विकास भवन सभागार में होगी। उन्होंने जिला स्तरीय समिति के सभी सदस्यों को बैठक में ससमय प्रतिभाग करने के लिए आमंत्रित किया हैं।

दो दिन बंद रहेगी इंडियन ऑयल रेलवे क्रासिंग

हल्द्वानी : पूर्वोत्तर रेलवे के अनुसार लालकुआं और हल्द्वानी के बीच रेलवे ट्रैक की मरम्मत की जा रही है। इस वजह से इंडियन ऑयल रेलवे क्रॉसिंग गेट 29 व 30 अगस्त को रात आठ बजे से सुबह 7 बजे तक बंद रहेगी। असुविधा से बचने के लिए लोग वैकल्पिक मार्ग के तौर पर गुमटी गेट का प्रयोग कर सकते हैं। लालकुआं के प्रभारी सेक्सन इंजीनियर ने सूचना सीओ व एसडीएम हल्द्वानी को दी है।

पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाया जन जागरुकता अभियान

हल्द्वानी : जिले में बुधवार को पुलिस ने ड्रग मुक्त उत्तराखंड अभियान के तहत अभियान चलाया। तल्लीताल, बेतालघाट, कालाढूंगी, हल्द्वानी, मुखानी और बनभूलपुरा थाना क्षेत्र में नशे के विरुद्ध जन जागरुकता अभियान चलाकर लोगों को जागरुक किया गया। साथ ही नशे से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया गया। सभी से जीवन में कभी नशा न करने तथा अपने परिजनों और मित्रों को भी नशे के संबंध में जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। सभी से अपील की गई कि अपने आस-पास किसी भी प्रकार के मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

336 वाहनों के चालान 7 वाहन सीज किए

हल्द्वानी : जिले में बुधवार को बड़े स्तर पर पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इससे वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। पुलिस के मुताबिक, वाहन चेकिंग के दौरान कुल 336 वाहनों के चालान कर 81, 250 रु जुर्माना किया गया। इस दौरान 7 वाहनों को सीज किया गया और 4 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्तीकरण की रिपोर्ट परिवहन विभाग को भेजी गई। पुलिस के अनुसार, यह अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों को नियमित रूप से पालन करने का आह्वान किया है।

ओल्ड लंदन हाउस में लगी आग पर मशक्कत के बाद पाया गया काबू, एक जीवन सकुशल बचाया, सांसद भट्ट ने घटनास्थल का किया निरीक्षण

अग्निकांड में प्रो. अजय रावत की बहन की मौत आग की भेंट चढ़ा ब्यूटी पार्लर का सामान

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल के ओल्ड लंदन हाउस में भीषण आग लगने से बुजुर्ग महिला की झुलसकर मौत हो गयी। पुलिस के अनुसार घटना में जान गंवाने वाली महिला प्रसिद्ध इतिहासकार और पर्यावरणविद डॉ. अजय रावत की बहन थीं।

शांता देवी। (फाइल फोटो)

आग बुधवार रात मल्लीताल क्षेत्र में स्थित ओल्ड लंदन हाउस नाम की इमारत में लगी। अग्निशमन विभाग समेत कई एजेंसियों की टीम कड़ी मशक्कत के बाद रात दो बजे के आसपास आग पर काबू पा सकीं। इमारत में फंसे लोगों की जान बचाने के लिए तीन विभागों के 40 से अधिक कर्मी बचाव अभियान में जुटे रहे। डॉ. रावत ने बताया कि उनकी बहन शांता बिष्ट की आग में झुलसकर मृत्यु हो गयी है। वह 82 वर्ष की थीं। इमारत के पास ही मोबाइल फोन की दुकान चलाने वाले विनोद कुमार वर्मा ने आग की सूचना अग्निशमन विभाग को सूचना दी थी। घटना के बाद अफरातफरी मच गयी, लोग इमारत से निकलकर इधर-उधर भागते दिखाई दिए। ओल्ड लंदन हाउस इमारत 1863 में बनी थी, जब नैनीताल को यूनाइटेड प्रोविंस की ग्रीष्मकालीन राजधानी के रूप में विकसित किया गया था। उस समय यहां कई शानदार इमारतें बनायी गयीं और यह भी उसी दौर में बनाई गयी थी। यह इमारत प्रोफेसर अजय रावत की बहनों कमलता रावत और शांता बिष्ट का आवास था। कमलता रावत यहां मोहन लाल शाह बालिका विद्यालय की प्रधानाचार्य के तौर पर सेवानिवृत्त हुई थीं। 2020 में उनकी मौत भी आग में झुलसकर ही हुई थी।

आग लगने के दूसरे दिन गुरुवार को कुछ इस तरह का दिखा ओल्ड लंदन हाउस।

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: ओल्ड लंदन हाउस में भीषण आग लगने के बाद गुरुवार सुबह गायत्री मेकोवर की स्वामी गायत्री खाती जब दुकान पहुंचीं तो उनका रो-रोकर बुरा हाल था। गायत्री खाती बताती हैं कि रात्रि 10 बजे आग लगने की सूचना उन्हें मिली तो वह रात भर नहीं सो पाई। उन्होंने बताया कि हाल ही में भाई से कर्जा लेकर ब्यूटी पार्लर में महंगी से महंगी नैनो प्लास्टिक की बोतलें और मेकअप से संबंधित सामान खरीद कर रखा था। एडवांस के रूप में उन्हें लगभग 90 हजार रुपये उनके पास दुकान में ही रखे थे। वह भी इस भीषण आग में जलकर राख हो गए हैं।

उधर, एसडीएम नवाजिश खलीक के साथ अफसरों ने भवन का दौरा किया। भवन के नीचे स्थित छह प्रतिष्ठानों में पानी भरने से सारा सामान खराब हो गया। प्रतिष्ठान स्वामियों के मुताबिक उन्हें एक करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है। राजस्व टीम ने 50 लाख के नुकसान का आंकलन किया है। वहीं, गुरुवार सुबह सांसद अजय भट्ट ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर पीड़ित परिवार से मुलाकात की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए घटना की जांच और पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।

जला हुआ ब्यूटी पार्लर देखती गायत्री।

एक बार फिर सुलगी आग

नैनीताल : मोहन को क्षेत्र में आग की घटना के 24 घंटे बाद गुरुवार को एक बार फिर आग सुलगने लगी। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और घर के भीतर जाकर रेस्क्यू अभियान चलाया। दमकल कर्मियों ने देखा कि आग पूरी तरह बुझने के बावजूद कुछ लकड़ियों और घरेलू सामान में धीमी सुलगन बनी हुई थी, जिससे दोबारा आग भड़कने की संभावना थी। फायर कर्मियों ने पानी डालकर आग को पूरी तरह बुझाया।

तिरंगे का अपमान, छात्रसंघ के पूर्व सचिव करन समेत 70 पर मुकदमा

एएसआई की तहरीर पर करन अरोरा समेत 4 नामजद, आरोपियों की तलाश शुरू

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: साइबर क्राइम में फंस चुके छात्र संघ के पूर्व उप सचिव करन अरोरा की मुश्किलें और बढ़ गईं हैं। उन पर भारत के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के अपमान का आरोप लगा है। उन पर राष्ट्रीय राजमार्ग जाम करने के साथ सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने का भी आरोप है। छात्र संघ चुनाव के दौरान हमेशा विवादों में रहने वाले करन अरोरा समेत पुलिस ने उसके चार साथियों के खिलाफ नामजद और करीब 70 अज्ञात साथियों पर मुकदमा दर्ज किया है।

ये घटना 15 अगस्त की है। कोतवाली पुलिस को सौंपी तहरीर में यातायात सेल के एएसआई प्रदीप सिंह राणा ने लिखा बीती 15 अगस्त को उनकी ड्यूटी सिटी चौराहे पर थे और उनके साथ सीटी सुखदेव, होमगार्ड निर्मला, एएसआई सुरेश पाठक और प्रकाश नगरकोटी ड्यूटी पर थे। उनका कहना है कि

करन अरोरा।

15 अगस्त की घटना, सरकारी कार्य में बाधा पैदा करने का भी आरोप

यातायात ड्यूटी के दौरान दोपहर करीब 3 बजे नैनीताल रोड से झंडा रैली को निकाली जा रही थी। तभी रामपुर रोड की ओर से जुलूस की शक्ल में लगभग 60-70 लोग अपनी-अपनी गाड़ियों में बोनट, छत व खिड़कियों में बैठकर शोरगुल अभद्रता और गाली-गलौज करते हुए आ रहे थे। इससे राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया। जब एएसआई प्रदीप सिंह राणा ने अपने साथियों की मदद से उक्त लोगों को रोकने का प्रयास किया तो वह लोग पत्थरबाजी करने लगे। इससे राजकार्य में बांधा पहुंची और उक्त लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज को भी रोड पर गिराकर अपमानित किया।

एएसआई के मुताबिक, जुलूस के बारे में पूछने पर पता चला कि जुलूस का संचालनकर्ता करन अरोरा, अमन गुप्ता, शुभम गोस्वामी, हर्षित जोशी सहित 60-70 अज्ञात लोग थे। कोतवाल राजेश कुमार यादव ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ राष्ट्र गौरव अपमान निवारण अधिनियम 1971 की धारा 2, बीएनएस की धारा 125, 126(2), 221, 351(2), 351(3) व 352 के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आरोपियों की धर-पकड़ के प्रयास किए जा रहे हैं।

मई में हुआ था करन समेत 12 लोगों पर मुकदमा

हल्द्वानी : बनभूलपुरा थाना में बीते मई माह में नोएडा पुलिस पहुंची थी। मामला साइबर क्राइम से जुड़ा था। इस मामले में करन अरोरा समेत 12 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। साइबर क्राइम से जुड़े इस मामले का मास्टर माइंड करन अरोरा और इसके दुबई में बैठे भाई को बताया गया। मामले में सावित्री कालोनी मंगलपड़ाव निवासी रमेश चंद्र पुत्र स्व .देवीदत्त ने मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि उसके पुराने दोस्त साजिद ने उससे कहा कि वह क्रिप्टो करेंसी में काम करता है और अगर वह भी खाता खोले तो अच्छा मुनाफा होगा। साजिद और उसके दोस्त अनस मलिक ने उद्यम विभाग में आरसी इंटर प्राइजेज के नाम से रमेश का पंजीकरण करा कर करंट एकाउंट खुलवा दिया और खाते का संचालन अपने हाथ में ले लिया। साथ ही बताया कि वह लोग करन अरोरा और उसके भाई प्रियांशु ठाकुर, मोनिस व नितिन अटवाल के साथ मिलकर क्रिप्टो करेंसी का काम करते हैं। मामले में पहली कार्रवाई नोएडा पुलिस ने की और बनभूलपुरा पहुंची। ये प्रकरण तब सामने आया जब पता लगा कि 8 से 10 दिनों के भीतर रमेश के करंट एकाउंट में एक करोड़ 20 लाख रुपए जमा हो चुके है, जो विभिन्न खातों से आए थे। इस मामले में आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4) व 61(4) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

साइबर क्रिमिनल की नई साजिश सरकार के नाम पर ठगी का षड्यंत्र

सर्वेश तिवारी, हल्द्वानी

अमृत विचार : साइबर अपराध आएदिन लोगों के लिए खतरा बनते जा रहा है। अब सरकारी संस्थाओं के नाम पर एंड्रॉइड पैकेजिंग किट (एपीके) फाइल लोगों के व्हाट्सऐप पर भेजी जा रही हैं। जिसे क्लिक करते ही यूजर के फोन का एक्सेस ठगों के पास चला जाता है। इसके बाद खाते में जमापूंजी हो या निजी डेटा, अपराधी सारी चीजें उड़ा लेते हैं।

प्रदेश में साइबर अपराधी अब एपीके फाइल से ठगी का प्रयास कर रहे हैं। ठग लोगों को उनके व्हाट्स ऐप नंबर पर सरकारी संस्थाओं जैसे ट्रैफिक चालान, सरकारी योजनाओं, बैंक खाता या एटीएम अपडेट, शादी के निमंत्रण पत्र, बिजली-पानी के बिल समेत अन्य की पीडीएफ की तरह एपीके फाइल बनाकर भेज रहे हैं। साइबर विशेषज्ञ सुमित पांडेय का कहना है कि जैसे ही इस एपीके फाइल को खोलेंगे तो मोबाइल का पूरा एक्सेस साइबर अपराधियों के पास चला जाएगा। फाइल पूरी तरह मैलवेयर, वायरस से लैस होती है। जिसके बाद फोन के स्वामी का कंट्रोल खो जाता है।

पूरे कुमाऊं में ऐसे मामले सामने आए

एपीके फाइल से ठगी की बात करें तो 20 से अधिक मामले इस साल पुलिस तक पहुंचे हैं। कुछ का खाता फ्रिज कराया तो कइयों के साथ साढ़े सात लाख रुपये तक की ठगी हुई। पुलिस ने चेताया है कि आधिकारिक संस्थाएं गंभीर अपडेट या सूचना व्हाट्स ऐप जैसे व्यक्तिगत चैनलों से नहीं भेजतीं। हाल ही में ऊधमसिंह नगर में एक व्यक्ति के मोबाइल पर ट्रैफिक चालान के नाम से भेजी गई फाइल से ठगी की बात सामने आई थी।

- **ट्रैफिक चालान, सरकारी योजनाओं, बैंक और शादी के निमंत्रण की एपीके फाइल भेज कर की जा रही ठगी**

लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है। एपीके फाइल की तरह ही तमाम हथकंडे अपराधी अपना रहे हैं। जागरूकता से ही साइबर अपराध से निपटा जा सकता है। पुलिस ने अलर्ट भी जारी किया है।
– **रिद्धिम अग्रवाल**, आईजी कुमाऊं

ठगी से बचने के लिए क्या करें

- अज्ञात स्रोत से आई फाइल को क्लिक करने से बचें।
- लिंक की विश्वसनीयता या आधिकारिक प्रमाणिकता जरूरी है।
- केवल प्ले स्टोर या आधिकारिक वेबसाइट से ही ऐप डाउनलोड करें।
- एंटीवायरस का इस्तेमाल करें और अपने फोन की सुरक्षा सेटिंग्स अपडेट रखें।

पत्नी का आया फोन तो मृतक की हुई शिनाख्त

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- **बुधवार सुबह कुछ लोग करा गए थे एसटीएच में भर्ती**
- **फोन पर बोली पत्नी- उसने कर ली है दूसरी शादी**

अमृत विचार: एक युवक को कुछ लोग डॉ.सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय में भर्ती करा गए और उसकी मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई थी। मौत के बाद उसके मोबाइल पर एक महिला का फोन आया, जिसने बताया कि वह मृतक की पत्नी थी, लेकिन अब उसने दूसरी शादी कर ली है। मेडिकल चौकी प्रभारी बीएस मेहता के मुताबिक बुधवार को कुछ लोग एक युवक को लेकर बेस अस्पताल लाए थे। उसकी हालत नाजुक थी, जिस पर चिकित्सकों ने उसे भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया। हालांकि बुधवार देर शाम की युवक की मौत हो गई। मरने वाले के पास एक मोबाइल फोन था। मौत के कुछ देर बाद उसका मोबाइल फोन बजा। फोन उठाया गया तो महिला की आवाज सुनाई दी। महिला ने बताया कि मरने वाला उसका पति था, लेकिन अब वह दूसरी शादी कर चुकी है। महिला के बताने पर ही मृतक की शिनाख्त पीलीभीत उत्तर प्रदेश निवासी प्रेम शंकर (34 वर्ष) के रूप में हुई। पुलिस ने प्रेम के परिजनों से संपर्क साधा। पुलिस ने शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

सामाजिक विज्ञान महोत्सव गतिविधि की होगी शुरुआत

हल्द्वानी: प्रदेश के राजकीय स्कूलों में विद्यालय स्तर पर 31 अगस्त तक सामाजिक विज्ञान महोत्सव गतिविधि आयोजित की जाएगी। जिसमें मॉडल प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, सामान्य ज्ञान और क्विज प्रतियोगिता आयोजित की जागएी। गतिविधियों के तहत सितंबर द्वितीय सप्ताह तक संकुल स्तर, विकासखंड स्तर पर सितंबर अंतिम सप्ताह, जनपद डायट स्तर पर अक्टूबर द्वियी सप्ताह और राज्य स्तर पर नवंबर प्रथम और द्वितीय सप्ताह तक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। एससीईआरटी के अपर निदेशक पदमेंद्र सकलानी ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं।

निजी स्कूल की बस पलटी, 12 बच्चे चोटिल हुए

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर में गुरुवार सुबह बीएलएम एकेडमी की एक निजी स्कूल बस गोरापड़ाव के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। बस में 24 से अधिक बच्चे सवार थे, इनमें से 12 बच्चे मामूली रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद बच्चों में चीख-पुकार मच गई, जिसे सुनकर आसपास के लोग तुरंत मदद को दौड़े और उन्होंने बच्चों को सुरक्षित बस से बाहर निकाला। घायलों को तत्काल मुखानी स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को खतरे से बाहर बताया गया है। बस के परिचालक का पैर फ्रैक्चर हुआ है। स्कूल प्रबंधन हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गया और बच्चों के परिजनों को सूचित किया गया। बताया जा रहा है कि बस विपरीत दिशा से आ रहे एक वाहन को बचाने के प्रयास में असंतुलित होकर पलट गई। गनीमत रही कि बड़ी जनहानि नहीं हुई, लेकिन यह घटना स्कूल बसों की सुरक्षा व्यवस्थाओं और ट्रैफिक अनुशासन पर गंभीर सवाल जरूर खड़े करती है। परिवहन विभाग की ओर से जांच की बात कही जा रही है। आरटीओ प्रवर्तन गुरदेव सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया जांच में पता चला है कि सामने से गलत दिशा में आ रहे वाहन को बचाने के प्रयास में यह हादसा हुआ है। उन्होंने बताया कि घटना की विस्तृत जांच की जाएगी।

दुर्घटनास्थल पर जांच करते एआरटीओ जितेंद्र व टीम। ● अमृत विचार

बस और वैन में भिड़ंत, चार घायल

रामनगर : रोडवेज बस और वैन की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में वैन में सवार चार लोग घायल हो गए। गुरुवार की दोपहर देहरादून से एक रोडवेज बस रामनगर आ रही थी और वहीं दूसरी ओर एक वैन रामनगर से काशीपुर की ओर जा रही थी। इसी दौरान ग्राम पीरुमदारा क्षेत्र में रोडवेज बस और वेन की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में काशीपुर निवासीगण आकाश, आशीष, नगीना जिला बिजनौर निवासी सलमान, बिजनौर निवासी नीतीश कुमार घायल हो गए हैं। घायलों को नीम करौली पीरुमदारा में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। परिवहन विभाग रामनगर के एआरएम नवीन आर्य ने बताया कि रोडवेज बस रामनगर डिपो की थी। जिसमें 15 लोग सवार थे। सवारियों को चोट नहीं लगी हैं। बस चालक ने रोडवेज बस को कच्चे में उतार दिया था। एक बड़ा हादसा होने से टल गया है। कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहम्मद यूनुस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। दोनों पक्षों की ओर से तहरीर नहीं दी गई है।

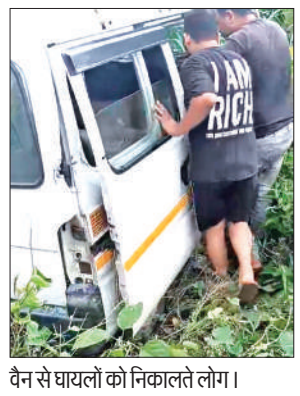

वैन से घायलों को निकालते लोग।

स्वास्थ्य पर प्रभाव | बारिश में बढ़ रहे डायरिया के मामले, दूषित पानी और खानपान से दस्त, उल्टी के बढ़े मामले

डायरिया का प्रकोप, बड़ों से लेकर बच्चे तक बीमार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: बारिश का मौसम जहां गर्मी से राहत लेकर आता है, वहीं सेहत के लिए खतरे की घंटी भी बजा रहा है। हल्द्वानी सहित आसपास के क्षेत्रों में इन दिनों पेट संबंधी बीमारियों के मामले तेजी से बढ़े हैं। दोनों बड़े सरकारी अस्पतालों में डायरिया के मामलों में बढ़ोत्तरी हुई है।

सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन लगभग 100 मरीज पहुंच रहे हैं, जिनमें से 20 से 25 मरीज पेट खराब, दस्त और उल्टी की शिकायत लेकर आ रहे हैं। बारिश के दिनों में दूषित पानी और खराब खानपान के कारण पेट की बीमारियां आम हो जाती हैं। खासकर बच्चे और बुजुर्गों में इनका खतरा ज्यादा होता है। पाचन तंत्र इस मौसम में कमजोर हो जाता है और बाहर का खाना और अस्वच्छ पानी से उल्टी और दस्त जैसी बीमारियां होने लगती हैं। बेस अस्पताल के मेडिसन विभाग के फिजिशियन डॉ. जितेंद्र भट्ट ने बताया किअधिकतर मरीज दवा से ही ठीक हो रहे हैं, लेकिन कुछ गंभीर मामलों में मरीजों को अस्पताल में भर्ती भी करना पड़ रहा है। बड़ों के साथ ही डायरिया से बच्चे भी बीमार हो रहे हैं। राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी के बाल रोग विभाग की अध्यक्ष डॉ. ऋतु रखोलिया ने बताया कि कुछ मामलों में बच्चों को भर्ती करने की भी नौबत आ रही है। ज्यादातर बच्चों को एक दिन के लिए भर्ती कर रहे हैं। डायरिया में शरीर में पानी की कमी हो जाती है। कहा कि जो भी खाना बनाएं उसे चार से पांच घंटे के अंदर बच्चों को खिला दें।

बेस अस्पताल के दवा वितरण केंद्र के बाहर लगी भीड़। ● अमृत विचार

डॉक्टरों की सलाह

- केवल उबला या फिल्टर किया हुआ पानी ही पिएं।
- सड़क किनारे के खुले खाद्य पदार्थों से बचें।
- हाथों की सफाई का विशेष ध्यान रखें।
- बच्चों और बुजुर्गों का खानपान संतुलित रखें।
- देर के रखे हुए कटे हुए फल न खाएं।

बच्चों में वायरल के भी बढ़ रहे मामले

बारिश के मौसम में बच्चों में वायरल फीवर के भी मामले बढ़ रहे हैं। इन दिनों कभी बारिश हो रही है तो कभी धूप निकल रही है। इसलिए बच्चों में सर्दी, खांसी, जुकाम, बदन दर्द और बुखार के मामले बढ़ रहे हैं। डॉ. ऋतु रखोलिया ने बताया कि वायरल से पीड़ित बच्चे सामान्य तौर पर चार से पांच दिनों में ठीक हो जाते हैं। कुछ गंभीर मामलों में बच्चों को भर्ती करना पड़ता है।

शिविरों में समस्याएं की गईं निस्तारित

हल्द्वानी: नगर निगम के वार्ड संख्या 37 व 38 में जन सुविधा शिविर लगाए गए। वार्ड 37 के लिए शिविर का आयोजन कालिका मंदिर चोफला और वार्ड 38 के शिविर लक्ष्मी गार्डन बैंक्वट हॉल में किया गया। शिविरों में अधिकारियों ने समस्याएं सुनने के साथ-साथ कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया। कुल 40 आधार कार्ड बनाए व संशोधित किए गए। स्ट्रीट लाइट से जुड़ीं 13 शिकायतें प्राप्त हुईं। राशन कार्ड संबंधित कुल 27 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें नए कार्ड बनाना, नाम जोड़ना व हटाना शामिल रहा। यूनिफॉर्म सिविल कोड के अंतर्गत 12 विवाह पंजीकरण किए गए। शिविर में सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान, सहायक नगर आयुक्त जीके भट्ट, पार्षद विद्या देवी और मनोज भट्ट रहे।

मायके के लिए निकली महिला बेटे के साथ गुम

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- **गौलापार से निकली, लेकिन मायके तक नहीं पहुंची महिला**
- **मोबाइल फोन ऑन, लापता महिला का नहीं लग रहा पता**

अमृत विचार : भाइयों को घर से राखी बांधने मायके के लिए निकली महिला बेटे के साथ लापता हो गई। चोरगलिया पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू कर दी है।

किशनपुर गौलापार निवासी सुरेश मिस्त्री ने पुलिस को बताया कि वह यहां किराये के मकान में रहते हैं। उसकी 24 वर्षीय पत्नी सागरिका मिस्त्री और आठ साल का पुत्र सोनू आठ अगस्त को सुबह अपने मायके खटीमा के लिए घर से निकले थे। रक्षाबंधन पर हर बार की तरह इस बार भी दोनों मां-बेटे बस में रवाना हुए, लेकिन देर शाम तक दोनों वापस नहीं लौटे। खोजबीन की, लेकिन दोनों का कोई सुराग नहीं मिला। 12 अगस्त को पीड़ित ने गुमशुदगी दर्ज कराने के लिए चोरगलिया थाने में शिकायती पत्र दिया। सुरेश का कहना है कि पत्नी का मोबाइल फोन स्विच ऑफ जा रहा है। पत्नी इंस्टाग्राम पर लगातार वीडियो अपलोड कर रही है। सुरेश के मुताबिक पुलिस ने उन्हें लोकेशन के आधार पर कुछ दिन पहले देहरादून में ट्रैक किया है। चोरगलिया थानाध्यक्ष राजेश जोशी ने बताया कि काफी सीसीटीवी खंगाले गए हैं।

अमृत विचार

हल्द्वानी, शुक्रवार, 29 अगस्त 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

आज होगा जनता मिलन कार्यक्रम

भीमताल : विकासखंड धारी के हिमगिरी स्टेडियम लेटीबूंगा शशबनी में आज दोपहर 2 बजे से जनता मिलन कार्यक्रम आयोजित होगा। जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी गोस्वामी ने बताया कि जनता मिलन कार्यक्रम मुख्य विकास अधिकारी अनामिका की अध्यक्षता में आयोजित किया जाएगा। इसमें विभिन्न विभागों से संबंधित जनसमस्याओं के निराकरण की कार्यवाही की जाएगी।

छात्र-छात्राओं ने किया पौधों का रोपण

नैनीताल : रोटरी क्लब नैनीताल एवं सीआरएसटी इंटर कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को टंकी बैंड के समीप पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 11 और 12 के विद्यार्थियों ने प्रधानाचार्य मनोज कुमार पांडे के नेतृत्व में टंकी बैंड की पहाड़ियों पर बाज, उतीस, देवदार एवं सुरई के पौधों का रोपण किया। क्लब पदाधिकारियों ने विद्यालय के साथ भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यों को जारी रखने का आश्वासन दिया। यहां क्लब अध्यक्ष शैलेन्द्र साह, योगेश साह, विक्रम स्याल, अमरदीप इमैनुअल, योगेश शाह, डॉ. सोबन सिंह बिष्ट, गणेश दत्त लोहनी, ललित जीना व वन विभाग से ललित मोहन पांडे आदि मौजूद रहे।

शूटिंग चैंपियनशिप में मिला तीसरा स्थान

नैनीताल : देहरादून के आरआईएसएस शूटिंग रेंज मझोन में आयोजित 23वीं उत्तराखंड स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में नैनीताल जिला राइफल एसोसिएशन की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम इवेंट में तीसरा स्थान पाया। यह प्रतियोगिता 21 से 27 अगस्त तक आयोजित हुई। टीम के खिलाड़ियों सुमित कुमार, चेतन बिष्ट और परविंदर ने बेहतरीन निशानेबाजी का प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि का श्रेय उनके कोच पंकज कालाकोटी को दिया गया।

तृतीय व पंचम सेमेस्टर में प्रवेश प्रक्रिया आज से

हल्द्वानी : एमबीपीजी कॉलेज में बीकॉम, बीए, बीएससी पंचम सेमेस्टर और यूजी-पीजी तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश प्रक्रिया आज से शुरू होगी, जोकि 7 सितंबर तक चलेगी। प्रवेश प्रभारी डॉ. नवल लोहनी ने बताया कि समस्त पात्र प्रवेशार्थी कॉलेज की वेबसाइट http://online.mbpgcollege.ac.in पर जाकर कुमाऊं विश्वविद्यालय की नामांकन संख्या दर्ज कर फीस जमा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि यदि किसी छात्र को पोर्टल पर फीस संबंधी त्रुटि दिख रही है, तो वह कॉलेज के प्रवेश कक्ष में संपर्क कर फीस प्रारूप ठीक करा सकता है। डॉ. लोहनी ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को दो मेजर विषयों का चयन करना अनिवार्य है, जिसमें से किसी एक विषय में रिसर्च प्रोजेक्ट का चयन करना होगा।

यूजी में अंतिम दिन हुए 111 नए प्रवेश

हल्द्वानी : एमबीपीजी कॉलेज में गुरुवार को यूजी में प्रवेश के लिए अंतिम मौका दिया गया था, जिसके तहत कुल 111 नए प्रवेश हुए। जिसमें बीए प्रथम सेमेस्टर में 71, बीकॉम प्रथम सेमेस्टर में 31, बीएससी (पीसीएम) में 3, बीएससी (जेडबीसी) में 6 प्रवेश हुए। जबकि यूजी में कुल 4973 प्रवेश हो चुके हैं। वहीं, पीजी में प्रवेश की अंतिम तिथि कल (शनिवार) है। प्रवेशार्थियों को दस्तावेजों का सत्यापन कल तक कॉलेज में कराना होगा, जबकि रात 11:55 बजे तक समर्थ पोर्टल पर फीस जमा करने का विकल्प खुला रहेगा। कॉलेज में अब तक पीजी में 1098 प्रवेश हो चुके हैं, जिनमें से 960 छात्रों ने फीस जमा कर दी है।

नंदा देवी महोत्सव को मिली नई पहचान: भट्ट

सात दिवसीय महोत्सव का हुआ आगाज, कदली वृक्ष लेने चोपड़ा पहुंचे लोगों का किया गया स्वागत

महोत्सव का शुभारंभ करते सांसद अजय भट्ट, विधायक सरिता आर्य व अन्य।

चोपड़ा गांव में पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: श्रीराम सेवक सभा के तत्वावधान में वैदिक मंत्रोचार और पूजा-अर्चना के बीच शनिवार से नैनीताल में सात दिवसीय नंदा देवी महोत्सव शुरू हो गया है। भक्तों का एक दल कदली वृक्ष लेने के लिए ज्योलीकोट के चोपड़ा गांव को रवाना हुआ।

मुख्य अतिथि नैनीताल सांसद अजय भट्ट और विशिष्ट अतिथि विधायक सरिता आर्या, एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा, पूर्व विधायक डॉ. नारायण सिंह जंतवाल ने कदली वृक्ष लेकर रवाना हुए दल को निशान देकर मां नंदा-सुनंदा के जयकारे के साथ रवाना किया। सांसद ने कहा कि पूरे देश में उत्तराखंड की पहचान देवभूमि के रूप में है। नैनीताल के मेले को राज्य सरकार ने राजकीय मेला घोषित किया है। इससे नैनीताल के मेले को नई पहचान मिली है।

उनका प्रयास है कि आने वाले समय में नैनीताल के मेले को विश्व स्तर तक लाया जाए इसके लिए प्रयास किया जाएगा। इससे पूर्व आचार्य भगवती प्रसाद जोशी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां की पूजा-अर्चना की। राम सेवक सभा के अध्यक्ष मनोज साह और महासचिव जगदीश बवाड़ी, मनोज जोशी, उप सचिव विमल चौधरी, कोषाध्यक्ष विमल साह, प्रबंधक राजेंद्र बजेठा, गिरीश जोशी मक्खन, पूर्व पालिकाध्यक्ष मुकेश जोशी मंटू मौजूद रहे। संचालन हेमंत बिष्ट, प्रो. ललित तिवारी व मीनाक्षी कीर्ति ने किया। उधर, ग्राम सभा चोपड़ा में मां नंदा-सुनंदा मंदिर के लिए कदली वृक्ष लेने की परंपरा धूमधाम से संपन्न हुई। श्रद्धालुओं ने पूरी रात भजन-कीर्तन कर देवी की आराधना की। कदली वृक्ष ग्राम सभा चोपड़ा निवासी चंदन सिंह जीना के घर से लिया गया। कदली वृक्ष लेने पहुंचे आयोजकों का पान सिंह खनी, महेंद्र नेगी और अरविंद पडियार के साथ ही ग्राम सभा के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने का स्वागत किया।

कदली वृक्ष के स्थान पर लगाएंगे 21 पौधे

नैनीताल: चोपड़ा गांव में जिस पवित्र भूमि से मां नंदा सुनंदा की प्रतिमा बनाने के लिए कदली वृक्ष लाया जाएगा, वहां विभिन्न प्रजातियों के 21 पौधे लगाए जाएंगे। कदली वृक्ष लेने गए दल को यह 21 पौधे नैनीताल के पर्यावरण प्रेमी यशपाल रावत ने उपलब्ध कराए। नंदा देवी महोत्सव के शुभारंभ पर राम सेवक सभा के बाल कलाकारों ने संयुक्त रूप से गणेश वंदना और नंदा स्तुति की प्रस्तुति दी। दोपहर दो बजे कदली वृक्ष ज्योलीकोट से तल्लीताल स्थित वैष्णो देवी मंदिर लाया जाएगा। दोपहर तीन बजे सूखाताल में और चार बजे नयना देवी मंदिर में कदली वृक्ष का स्वागत और पूजन होगा। इसके बाद महिलाओं द्वारा उत्तराखंडी पारंपरिक परिधानों में कदली वृक्ष का नगर भ्रमण कराया जाएगा। इस दौरान नैनीताल के तमाम स्कूलों के छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहेंगे, जोकि विभिन्न संस्कृति जुलूस निकालेंगे।

अनुशासन व परिश्रम से प्राप्त करें सफलता

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: माइंड पावर विश्वविद्यालय में नवागंतुक छात्रों के लिए आयोजित चार दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसका उद्देश्य छात्रों को विवि की शैक्षणिक परंपरा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की प्रमुख बातें व संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं से परिचित कराना था।

मुख्य अतिथि एयर वाइस मार्शल (सेवानिवृत्त) विद्याभूषण बत्रा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने नवागंतुक विद्यार्थियों को अनुशासन व परिश्रम के माध्यम से सफलता प्राप्त करने का संदेश दिया। कुलपति डॉ. श्वेता भोसले ने मुख्य अतिथि एवं छात्रों का स्वागत किया। विद्यार्थियों को प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय और विभागों से परिचित कराया गया। साथ ही रूपा मित्रा चौधरी (निर्भया दीदी एवं विधायक, पश्चिम बंगाल) ने विकसित भारत विषय पर विचार साझा किए। कनिष्का कुनियाल ने योग-प्राणायाम सत्र कराया। डॉ. उमा डैगनिनो (उपकुलपति, वॉक्सन यूनिवर्सिटी) ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में कुलाधिपति डॉ. योगेश कुमार भी मौजूद रहे। धन्यवाद ज्ञापित निदेशक (संचार) केडी सिंह ने किया। इस अवसर पर उपकुलपति प्रो.पवन कुमार दशमाना, डीन अकादमिक्स डॉ. मोहम्मद वाजिह अहमद, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. चारु खन्ना, डीन एडमिशन डॉ. सुरेश यादव आदि मौजूद रहे।

माइंड पावर विवि में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद अतिथि व अन्य। ● अमृत विचार

रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद, एक गंभीर

संवाददाता, रामनगर

● बेड़ाझाल गांव में हुई घटना, पुलिस मामले की जांच में जुटी

अमृत विचार: ग्राम बेड़ाझाल में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति पर तलवार से कई बार हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया। इस संघर्ष में दोनों पक्षों के दो लोग घायल हो गए। इन्हें उपचार के लिए रामनगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बेड़ाझाल गांव में रहने वाले दीपक ने बताया कि गुरुवार सुबह उसके पिता जीतपाल सिंह खेत से काम करके वापस आ रहे थे। आरोप है कि तभी दूसरे पक्ष के कई लोगों ने उसके पिता को घेर लिया और जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए तलवार से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। पूर्व में भी उसके पिता पर इन लोगों ने हमला किया था। उसके पिता ने जमीन को ठेके पर लिया गया था। गंभीर रूप से घायल जीतपाल की हालत गंभीर होने के बाद चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। दूसरे पक्ष के विक्रम का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद ढेला पुलिस चौकी प्रभारी जोगा सिंह पुलिस बल के साथ सरकारी अस्पताल पहुंचे और पुलिस ने दोनों पक्षों से पूछताछ शुरू कर दी है। कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहम्मद यूनुस ने बताया कि दो पक्षों में मामले की जांच की जा रही है। तहरीर मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

स्मार्टफोन की गिरफ्त में फंसे युवा: आजम

रामनगर, अमृत विचार: इंटरनेट और स्मार्ट फोन के सर्वसुलभ विस्तार ने एक ओर जहां सूचना क्षेत्र में विस्फोटक क्रांति है, वहीं इसके कारण युवा स्मार्टफोन के स्ट्रेस की गिरफ्त में आ रहे हैं। यह बात मनोविज्ञान विभाग के शोधार्थी आजम मलिक ने पत्रकार वार्ता में कही।

पीएनजी कॉलेज की डॉ. अनीता जोशी के निर्देशन में स्मार्टफोन एडिक्शन के प्रभाव पर शोध के साथ ही युवाओं की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए काउंसलिंग करने वाले आजम ने बताया कि आज का युवा वर्ग स्मार्टफोन के बिना खुद को अधूरा महसूस करता है। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक सबसे पहले और आखिरी बार जिसकी ओर नजर जाती है, वह स्मार्टफोन ही है। यह छोटा-सा डिवाइस अब डिजिटल जेल में बदल चुका है, जिसमें युवा स्वयं अपनी मर्जी से कैदी बनते जा रहे हैं।

अब तीन को मंडल मुख्यालयों में धरना-प्रदर्शन करेंगे शिक्षक

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : राजकीय शिक्षक संघ से जुड़े शिक्षकों ने जिले के सभी माध्यमिक स्कूलों में चॉकडाउन हड़ताल की। इस दौरान शिक्षण कार्य पूरी तरह ठप रहा। कल शनिवार तक समस्त स्कूलों में चॉकडाउन हड़ताल जारी रहेगा। 1 सितंबर से प्रदेश भर में मंडल मुख्यालयों में धरना-प्रदर्शन और घेराव किया जाएगा। इसके तहत 3 सितंबर को नैनीताल जिला कार्यकारिणी भी धरना प्रदर्शन व घेराव करेगी।

उल्लेखनीय है कि बीते बुधवार को राजकीय शिक्षक संघ की प्रांतीय कार्यकारिणी ने निर्णय लिया था कि गुरुवार से चॉकडाउन हड़ताल समाप्त कर विभागीय कार्य बहिष्कार किया जाएगा। जिसके तहत शिक्षक शिक्षण कार्य को छोड़ किसी भी तरह का विभागीय कार्य नहीं करेंगे, लेकिन बाद में प्रांतीय कार्यकारिणी ने शिक्षकों की मांग और आंदोलन के प्रभाव को बरकरार रखने के लिए चॉकडाउन हड़ताल बरकरार रखने का निर्णय लिया।

राजकीय इंटर कॉलेज भीड़ापानी में प्रदर्शन करते शिक्षक-शिक्षिकाएं। ● अमृत विचार

रामनगर में शिक्षकों का आंदोलन रहा जारी

रामनगर : राजकीय शिक्षक संघ उत्तराखंड के प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर हाईस्कूल व इंटर कॉलेजों में शिक्षक-शिक्षिकाएं 11वें दिन भी शिक्षण बहिष्कार पर रहे। राजकीय इंटर कालेज में प्रांतीय नेता नवेंदु मठपाल ने कहा बीते दिवस शिक्षण बहिष्कार को लेकर कुछ गलतफहमी होने से शिक्षण बहिष्कार वापसी का संदेश प्रचारित हो गया था। अंतत: प्रांतीय कार्यकारिणी ने शिक्षण बहिष्कार जारी रखने का निर्णय लिया। इस अवसर पर मनोज जोशी, हरीश कुमार, सीपी खाती, दिनेश निखुरपा, बालकृष्ण चंद, प्रदीप शर्मा, संजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

मंडी समिति ने फर्म का लाइसेंस निरस्त किया

रामनगर, अमृत विचार: कृषि उत्पादन मंडी समिति ने एक फर्म का लाइसेंस निरस्त कर दिया है। मंडी सचिव सहील अहमद ने बताया कि मंडी समिति रामनगर में कार्यरत फर्म मैसर्स शिव ट्रेडर्स का थोक व्यापारी एवं आढ़तियां (फल एवं सब्जी) का लाइसेंस निरस्त कर दिया है।

उक्त फर्म द्वारा निर्दिष्ट कृषि उत्पादों की बिक्री किए जाने पर मंडी समिति को देय मंडी शुल्क एवं विकास सेस का भुगतान न करने, छल कपट से लाइसेंस का नवीनीकरण कराने, मंडी समिति को फर्जी अभिलेख प्रस्तुत करने एवं लाईसेंस की शर्तों का स्पष्ट रूप से उल्लंघन किया गया है। उत्तराखंड कृषि उत्पादन मंडी अधिनियम 2021 और धारा 27 (ख) और उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन मंडी नियमावली 1965 के नियम 71 के अंतर्गत यह कार्रवाई की गई है।

हादसे में साइकिल सवार बुजुर्ग की मौत

कालाढूंगी, अमृत विचार : कालाढूंगी-रामनगर हाईवे में बंदरजूड़ा गुरुद्वारे के पास साइकिल सवार बुजुर्ग को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में बुजुर्ग की मौत हो गई।

गुरुवार को सुबह नौ बजे के पास दयाराम पुत्र रामस्वरूप सैनी उम्र 85 निवासी बंदरजूड़ा बैलपड़ाव चूनाखान से साइकिल में निकलकर पोतों की सब्जी की दुकान बैलपड़ाव जा रहे थे। बैलपड़ाव से 500 मीटर पहले गुरुद्वारे के पास उनकी साइकिल को पीछे से अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। परिजन उन्हें हालत गंभीर होने पर एसटीएच हल्द्वानी ले गए। जहां डाक्टरों ने गंभीर हालत होने पर निजी अस्पताल रेफर कर दिया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नेत्रदान के लिए किया विद्यार्थियों को जागरूक

नेत्रदान के लिए छात्रों को जागरुक करते नेत्र विशेषज्ञ धर्मेंद्र कुमार। ● अमृत विचार

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा के तहत गुरुवार को ज्ञान प्रकाश इंटर कॉलेज धमोला में नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। नेत्र विशेषज्ञ धर्मेंद्र कुमार मिश्र ने नेत्रदान महादान है।

इस दान से नेत्रहीनों लोगों को दुनिया देखने का मौका मिलता है। एक इंसान के नेत्रदान से दो नेत्रहीनों की दुनिया रोशन होती है। आज सामाजिक व धार्मिक परंपराओं के चलते लोग नेत्रदान से डरते हैं। प्रधानाचार्य सुमित कुमार सिंह ने भी नेत्रदान के महत्तव पर प्रकाश डाला। इस दौरान विनोद पांडे, मनमोहन बसेडा, रेनू बिष्ट, कमल, अंशुल आदि मौजूद रहे।

फायर स्टेशन खोलने का मुद्दा उठाया

भीमताल, अमृत विचार: अब भीमताल में भी फायर स्टेशन को खोलने की मांग जोर पकड़ने लगी है। भीमताल की जनता ने एक बार फिर से शासन और विभाग से भीमताल में फायर स्टेशन को खोलने की मांग की है। स्थानीय लोगों ने जानकारी दी कि लगभग एक वर्ष पूर्व भीमताल में फायर स्टेशन के लिए भूमि नहीं मिलने की जानकारी दी गई थी। बाद में भीमताल के खुटानी से मात्र सौ मीटर की दूरी पर नैनीताल विधानसभा के अंतर्गत विभाग को भूमि भी आवंटित कर दी गई है। पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोज भट्ट, पूर्व वार्ड मेंबर भानु लौशाली, भाष्कर भगवाल, शिप्रा जोशी, विनीत जोशी व मोहित पड़ियार आदि ने बताया कि इस मांग को लेकर एक शिष्टमंडल कुमाऊं आयुक्त से मिलेगा।

नशे से दूर रहने को किया जागरूक

विधिक साक्षरता शिविर में मौजूद न्यायिक मजिस्ट्रेट व छात्राएं। ● अमृत विचार

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: तहसील विधिक सेवा समिति की ओर से जागरुकता शिविर लगाया गया। इसमें नशे की रोकथाम एवं नशीली दवाइयों के दुरुपयोग विषय पर छात्राओं को जागरूक किया गया।

मुख्य अतिथि न्यायिक मजिस्ट्रेट रामनगर अंजू रहीं। अधिकार मित्र जीवन सत्यवली ने विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकलापों के बारे में जानकारी देते हुए बच्चों से नशे की रोकथाम के बारे में जागरूक रहने का आह्वान किया। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ललित तिवारी ने कहा कि नशे की रोकथाम वनशीली दवाइयां के दुरुपयोग के विषय में अपने घर परिवार व आसपास के लोगों को जरूर जागरूक करें। पुलिस विभाग के प्रतिनिधि ने भी बच्चों को अपने स्वास्थ्य के बारे में तथा घर परिवार के लोगों के स्वास्थ्य के बारे में सतर्क रहने की अपील की। न्यायिक मजिस्ट्रेट अंजू ने बच्चों को कानून के बारे में जानकारी दी। नशे की रोकथाम व नशीली दवाइयां के दुरुपयोग विषय पर उन्हें घर में जरूर बात करनी चाहिए। जीजीआईसी की प्रधानाचार्या केडी माथुर, विकास भारद्वाज, नितेश कुमार मौजूद रहे।

अंडर-17 हॉकी टूर्नामेंट में हुए रोमांचक मुकाबले

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : खेल निदेशालय व हॉकी नैनीताल संघ की ओर से अंडर-17 हॉकी टूर्नामेंट में पांच मैच हुए। इनमें नैनीवैली, हल्द्वानी स्टेडियम, वैंडी स्कूल व गौलापार स्टेडियम बालिका टीम ने जीती।

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को मिनी स्टेडियम में हॉकी टूर्नामेंट हुआ। इसका शुभारंभ दर्जामंत्री रेनू अधिकारी ने किया। पहला मैच वैंडी स्कूल व नैनीवैली के बीच खेला गया जिसमें नैनीवैनी ने 2-1 से जीत दर्ज की। दूसरा मैच हल्द्वानी स्टेडियम एवं गौलापार स्टेडियम के बीच हुआ। इसमें हल्द्वानी स्टेडियम ने 5-1 से जीत दर्ज की। तीसरा मैच हल्द्वानी स्टेडियम बालिका व वैंडी स्कूल बालिका के बीच हुआ। इसमें वैंडी ने 4-3 से जीत हासिल की। चौथा मैच वैंडी स्कूल बालिका एवं मुन्नु एकेडमी बालिका के बीच हुआ जिसमें मुन्नु एकेडमी की खिलाड़ियों ने 5-0 से शानदार जीत दर्ज की। पांचवां मैच गौलापार स्टेडियम व हल्द्वानी स्टेडियम की बालिकाओं के बीच हुआ। गौलापार स्टेडियम ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में 1-0 से जीत दर्ज की। इस दौरान खेल उपनिदेशक राशिका सिद्दीकी, हॉकी अध्यक्ष किशोर बाफिला, जिला क्रीड़ाधिकारी निर्मला पंत, उप क्रीड़ाधिकारी वरुण बेलवाल, त्रिलोक खनका आदि मौजूद थे।

पेड़ों को संरक्षित रखना आज के समय की मांग

रामनगर, अमृत विचार : जीवन के लिए पौधरोपण किया जाना नितांत आवश्यक है। पेड़ रहेंगे तभी जीवन सुरक्षित रहेगा। जीवन को सुरक्षित रखना है तो पेड़ों को भी संरक्षित किया जाना आज के समय की मांग है। यह बात हुडको के महाप्रबंधक सुभाष भार्गव एवं मनवर सिंह नेगी चेयरमैन आर्किटेक्चर चैप्टर उत्तराखंड ने कोसी बायोडाइवर्सिटी पार्क में पौधरोपण के दौरान कही।

उन्होंने कल्पतरू वृक्षमित्र समिति के अध्यक्ष अतुल मेहरोत्रा, जगजीत सिंह सेठी एवं समिति के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर आंवला, हरड़ और बहड़ पौधे रोपित किए। मनवर सिंह नेगी ने कहा कि प्रकृति के श्रृंगार में पौधारोपण किए जाने से बेहतर पुनीत कार्य और कुछ नहीं हो सकता।

जिमनास्टिक एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारी। ● अमृत विचार

डॉ. नागेंद्र अध्यक्ष व प्रमोद महासचिव निर्वाचित

हल्द्वानी, अमृत विचार : जिमनास्टिक एसोसिएशन ऑफ उत्तरांचल की वार्षिक सामान्य बैठक में कार्यकारिणी का चुनाव हुआ। इसमें डॉ. नागेंद्र शर्मा को अध्यक्ष और प्रमोद चौधरी को महासचिव चुना गया। गुरुवार को रामपुर रोड स्थित एक होटल में संपन्न हुई। इसमें वर्ष भर के कार्यक्रम आदि का विस्तृत चर्चा हुई। इसके बाद कार्यकारिणी के चुनाव हुए। चुनाव अधिकारी डीके नैनवाल व ऑब्जर्वर जीवन रॉय की देखरेख में वार्षिक चुनाव संपन्न हुए। इसमें रुद्रपुर के डॉ नागेन्द्र शर्मा अध्यक्ष, हल्द्वानी के जगदीश बोरा उपाध्यक्ष, देहरादून के प्रमोद चौधरी महासचिव, जगवीर सिंह कोषाध्यक्ष, त्रिलोक सिंह जीना उप सचिव, वरुण निर्वाण तथा पूजा आनंद भट्ट को नामित सदस्य चुना गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित महासचिव प्रमोद चौधरी ने कहा कि निरंतर खिलाड़ियों को तैयार किया जा रहा है जिसका सफल परिणाम विगत वर्षों में अतिउत्तम रहा। अध्यक्ष डॉ. शर्मा ने बताया कि प्रदेश के प्रतिभावान खिलाड़ियों के लिए विभिन्न जनपदों में जिमनास्टिक के उपकरणों तथा खेलो का विस्तार किया जाएगा। इस अवसर पर उत्तराखंड हॉकी के महासचिव नरेंद्र सिंह बाफिला, गिरीश चंद्र जोशी, जेम्स माइकल आदि मौजूद रहे।

700 करोड़ से होगा एनएच का चौड़ीकरण

नैनीताल, अमृत विचार: सांसद अजय भट्ट गुरुवार को नैनीताल दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने पत्रकार वार्ता कर जिले में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। सांसद ने बताया कि नैनीताल-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण के लिए केंद्र सरकार ने 700 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत कर दिया है।

उन्होंने कहा कि जल्द ही इस पर कार्य शुरू होगा। इससे न केवल स्थानीय जनता को सुगम आवागमन मिलेगा, बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में नैनीताल क्षेत्र में अनेक विकास कार्य तेजी से संचालित हो रहे हैं। नगर की सुरक्षा के लिए बलिया नाले में आधुनिक तकनीक से सुरक्षा कार्य कराए जा रहे हैं।

कार्रवाई न होने पर बार संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: अधिवक्ता पूरन सिंह बिष्ट के साथ थाने में हुई अभद्रता मामले में पुलिस प्रशासन की लगातार चुप्पी पर जिला बार संघ ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। संघ ने एसएसपी को भेजे पत्र में चेतावनी दी है कि यदि दोषी पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो बार संघ आंदोलन के लिए बाध्य होगा। बार संघ के सचिव दीपक रुवाली ने बताया कि अधिवक्ता बिष्ट जुलाई माह में एक शिकायती पत्र लेकर मल्लीताल थाने पहुंचे थे।

आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने उनके साथ न केवल अभद्रता की, बल्कि सार्वजनिक रूप से वकील की गरिमा को भी ठेस पहुंचाई। उस समय सीओ सिटी ने तीन दिन में कार्रवाई का आश्वासन दिया था, किंतु आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

संघ ने बताया कि अगस्त माह में भी इस संबंध में एसएसपी को ज्ञापन भेजा गया, लेकिन पुलिस प्रशासन की ओर से कोई संज्ञान नहीं लिया गया। बार संघ ने पुलिस की कार्यप्रणाली को निंदनीय, पक्षपातपूर्ण और अधिवक्ताओं के सम्मान पर कुठाराघात करार देते हुए कहा कि यदि 10 दिन के भीतर दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे।

सिटी ब्रीफ

विद्यार्थियों को कराया पाठ्यक्रमों से अवगत

हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी की ओर से एक प्रचारात्मक शैक्षणिक दौरे का आयोजन किया गया। दौरे का उद्देश्य विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा, डिजिटल दक्षता और रोजगारपरक कौशल से जोड़ना रहा। विवि की टीम ने राजकीय डिग्री कॉलेज सितारगंज, केआईटीएम ग्रुप, राजकीय पॉलीटेक्निक खटीमा, राजकीय इंटर कॉलेज और डॉ. एपीजे कॉलेज, टनकपुर का भ्रमण किया। छात्रों को स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों जैसे एमसीए, एमएससी (साइबर सिक्योरिटी), एमएससी (आईटी) के साथ ही व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की जानकारी दी गई।

महिलाओं को मोमबत्ती बनाने का दिया प्रशिक्षण

हल्द्वानी : बड़ौदा आरसेटी की ओर से गुरुवार को ज्योलीकोट के गांजा में महिलाओं को मोमबत्ती बनाने का प्रशिक्षण दिया। सहायक परियोजना निदेशक चंदा फर्त्याल ने इस 12 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि महिलाओं को स्वाबलंबी बनने के लिए ऐसे हुनर सीखना आवश्यक है। उन्होंने निर्मित मोमबत्तियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यदि ऐसी ही मोमबत्तियां बनाई जाती है, तो राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से इन उत्पादों की मार्केटिंग के प्रयास किए जाएंगे। इस दौरान शकुंतला नेगी, ट्रेनी भावना जोशी व आरसेटी फैकल्टी हेम कृष्णा सिंह थे।

बहन का प्रवेश कराने पहुंचे भाई को पीटा

हल्द्वानी : एमबीपीजी कॉलेज में छात्र नेताओं के बीच आपसी विवाद लगातार बढ़ रहा है। गुरुवार को सेल्फ-फाइनेंस भवन के पास दो गुटों के बीच फिर से विवाद हो गया। इस दौरान दोनों गुटों में हाथापाई और मारपीट हुई। बताया जाता है कि अपनी बहन का प्रवेश कराने आए एक भाई को छात्रों के एक गुट ने पुराने विवाद के चलते पीट दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को शांत कराया। विवाद करने वाले छात्र नेताओं को कॉलेज से बाहर कर दिया गया।

विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा का सीखेंगे हुनर

रामनगर : पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छात्र-छात्राएं अध्ययन के साथ ही तकनीकी हुनर भी सीख सकेंगे। प्राचार्य प्रो. एमसी पांडे ने बताया कि विद्यार्थियों के शैक्षणिक उन्नयन के साथ साथ वर्तमान में रोजगार पाने की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के लिए तकनीकी ज्ञान से सशक्त करने का प्रयास किया जा रहा है। रामनगर में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत संचालित ईएसटीसी कानिया एवं रामनगर महाविद्यालय का एमओयू हस्ताक्षरित हो गया है। महाविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर में अध्ययन करने वाले छात्र-छात्राएं विभिन्न पाठ्यक्रमों के माध्यम से रोजगारपरक तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

लक्ष्मी शिशु मंदिर में आयोजित गणेश महोत्सव में प्रस्तुति देते बच्चे।

पटेल चौक पर भजनों की प्रस्तुत देते अलीगढ़ से आए कलाकार लवीन गुप्ता। ● अमृत विचार

कृष्ण रासलीला व गणेश वंदना की प्रस्तुति से मनमोहा

वैश्य महासभा की ओर से रामलीला मैदान में आयोजित गणेश महोत्सव में कई कलाकारों ने दीं धार्मिक प्रस्तुतियां

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

रामलीला मैदान में वैश्य महसभा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति देतीं कलाकार। ● अमृत विचार

अमृत विचार : वैश्य महासभा की ओर से हो श्री गणेश महोत्सव के दूसरे दिन गुरुवार को विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने गणेश वंदना समेत कई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश कीं।

गुरुवार को रामलीला मैदान में सर्वप्रथम पुजारी विवेक शर्मा व गिरीश कांडपाल ने विघ्नहर्ता श्री गणेश की विधि विधान से पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा मोरया के उद्घोष लगाकर समूचे पंडाल को भक्तिमय कर दिया। फिर शाम को पुजारी बसंत बल्लभ त्रिपाठी ने श्री गणेश महिमा की महत्व बताया। तत्पश्चात सनातन धर्म पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई। इसमें श्रद्धालुओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

शाम को स्वरा रिद्म डांस एंड फिटनेस स्टूडियो ने कृष्ण रासलीला, कथक नृत्य केंद्र ने मां वैष्णवी की कहानी, कल्पिता संगीतम नृत्य विद्यालय ने कृष्ण लीला-कालिया दमन, कल्पना जोशी संस्कृत ग्रुप ने मां की शक्ति एवं वैष्णव तांडव, इमैनुअल पब्लिक स्कूल के बच्चों ने बाल गणेश, गणेश वंदना, स्वर साधना संगीत विद्यालय ने कृष्ण लीला, नृत्य कृति ने ओ गणराया और मल्हार जाम, मेघा डांस एकेडमी कठघरिया ने गणेश श्लोक विद तराना, स्वरांगना डांस एकेडमी ने गणेश स्तुति एवं भूमि मित्तल ने शिव तांडव तथा ओम नृत्य केंद्र ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

गुरुवार को मुख्य यजमान किशन लाल गुप्ता सपत्निक, महामंत्री तनुज गुप्ता, बद्री प्रसाद गुप्ता, राम किशोर अग्रवाल, हीरालाल साहू, अतुल जायसवाल, मुकेश लहरिया रहे। इस दौरान रामबाबू जायसवाल, राजेंद्र अग्रवाल, यश गुप्ता, वैभव गुप्ता, दिनेश गुप्ता, सुशील अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, भोलानाथ केसरवानी, अशोक वाषर्णेय, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता आदि रहे। कार्यक्रम का संचालन सुरेश केसरवानी, भुवनेश गुप्ता व निशुल अग्रवाल ने किया।

झांकियों ने श्रद्धालुओं को किया भावविभोर

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: प्राचीन श्री शिव सेवा समिति की ओर से आयोजित गणेश महोत्सव के अंतर्गत गुरुवार को भक्तिमय माहौल और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुबह पंडित विवेक शर्मा ने विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न करवाई, जिसमें श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। शाम को आयोजित कार्यक्रम में शहर की विभिन्न जानी-मानी संस्थाओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

जिनमें भक्ति गीत, नृत्य और झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। इस दौरान भगवान राधा-कृष्ण की झांकी विशेष आकर्षण रही, जिसे देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कार्यक्रम संयोजक हरिमोहन अरोड़ा व नंद किशोर जायसवाल ने बताया कि आज विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। वहीं, मीडिया प्रभारी हेमंत साहू ने बताया कि स्व. बॉबी नागर की स्मृति में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी, जिसमें बच्चों और युवाओं की भागीदारी रहेगी। संचालन रूपेंद्र नागर ने किया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र गुप्ता, पद्म पाल, सुनील गुप्ता, शिव कपूर, दिनेश अग्रवाल, दीपू, हर्षवर्धन पांडे, सन्नी कपूर, अमित, अश्वनी, हरीश नाथ गोस्वामी, विपिन साहू, धर्मेंद्र साहू, रामरूप गुप्ता, मुरली मुलानी, सूरज लंबा, राजेश साहू, राजू जायसवाल, पूरन सागर आदि मौजूद रहे।

भगवान गणेश की पूजा और आरती की

रामनगर, अमृत विचार : पायते वाली रामलीला में आयोजित श्री गणपति उत्सव पंडाल गणपति बप्पा मोरया के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। प्रवचन सुनने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी थी। गुरुवार को भगवान गणेश का पूजन और आरती की गई। दोपहर में श्री हनुमान कथा का धारा प्रवाह प्रवचन श्रीधाम अयोध्या से पधारी कथा व्यास नारायणी तिवारी ने किया। उन्होंने पवनसुत हनुमान की कई लीलाओं का का विस्तार से वर्णन किया। रात्रि में श्री कृष्ण रास लीला का आयोजन किया गया। इसमें भगवान श्री कृष्ण के जन्म की बधाई और पूतना वध की लीला का कलाकारों ने शानदार मंचन किया। उत्सव में श्री बांकेबिहारी के दिव्य स्वरूप के दर्शन की भी झांकी लगाई गई।

प्राचीन शिव मंदिर में गणेश महोत्सव शुरू

कालाढूंगी, अमृत विचार : श्री गणेश महोत्सव सेवा समिति के तत्वावधान में 16वां गणेश महोत्सव शुरू हो गया। प्राचीन बोरेश्वर मंदिर से भव्य कलश यात्रा के साथ कालाढूंगी शिव मंदिर में गणेश की मूर्ति स्थापित की गई। गुरुवार शाम को गायकों ने भजनों से भगवान श्रीगणेश की महिमा का गुणगान किया। इस दौरान शिव विवाह, गणेश वंदना व कृष्ण लीला से संबंधित झांकियां प्रस्तुत की। पूजा आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। समिति अध्यक्ष ललित कांडपाल ने बताया कि प्रतिदिन रात्रि के समय गणेश वंदना, भजन संध्या और भव्य झांकियां पेश की जाएंगी। 2 सितंबर को गणेश की मूर्ति का बौर नदी में विसर्जन होगा। महासचिव दीपक बनौला, विपुल अग्रवाल, पुष्कर खनायत, जगत जीना, हरीश मारवाड़ी, हरिओम तिवारी आदि मौजूद रहे।

हल्द्वानी ब्लॉक की 36 गांवों की सरकार का कामकाज हुआ शुरू

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: हल्द्वानी ब्लॉक की 60 में से 36 ग्राम सभाओं का कार्यकाल गुरुवार से शुरू हो गया है। प्रधानों और वार्ड मेंबरों ने 27 अगस्त को शपथ ले ली थी। गुरुवार को इन पंचायतों की प्रथम बैठक संपन्न हो गई है। अब इन ग्राम सभाओं में विकास कार्य ग्राम सभाओं के माध्यम से शुरू कर दिए जाएंगे।

अब गांवों की सरकार ने काम काज शुरू कर दिया है। कुल 36 प्रधानों और 265 वार्ड मेंबरों ने बुधवार को विकासखंड कार्यालय हल्द्वानी में शपथ ली थी। उसी समय निर्देश दिए गए थे कि पंचायतों की बैठक शुरू कर दी जाए। गुरुवार को पंचायतों ने पहली बैठक कर ली है। गांव में सड़क, पुलिया, साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट आदि विषयों पर चर्चा की गई। बीडीओ तनवीर असगर ने बताया कि पंचायतों के गठन के बाद उनका कामकाज शुरू होना सामान्य प्रक्रिया है।

मूलभूत समस्याओं को बताया प्राथमिकता

हल्द्वानी : हरिपुर तुलाराम के प्रधान गोपाल अधिकारी ने सड़क, पुलिस और लावारिस पशुओं की समस्या के समाधान को लेकर काम करेंगे। तीसरी ग्राम प्रधान बनी रुकमणी नेगी ने कहा कि जनता ने उनके ऊपर हर बार विश्वास दिखाया है। इस बार भी वह जनता के विश्वास पर खरा उतरेंगी। किसानों के खेतों की सुरक्षा प्रमुख मुद्दा रहेगा। कमलुवागांजा मेहता से प्रधान मनीष भट्ट ने कहा कि हमने जो भी वादे किए हैं, उन सबको पूरा किया जाएगा। पूरे पांच साल हम जनता के बीच में रहेंगे। गंगापुर कबडवाल से प्रधान ललित सनवाल ने कहा मैं बहुत उत्साहित हूं और नए सकंल्प के साथ अगले पांच साल में गांव को विकसित करने का प्रयास करूंगा। गुजरोड़ा प्रधान ऋतु जोशी ने कहा कि गांव में एक पुलिया उसे बनाना हमारा प्रमुख उद्देश्य है। बारिश के दिनों में काफी दिक्कत हो जाती है।

24 ग्राम सभाओं के लिए शासनादेश का इंतजार

हल्द्वानी : हल्द्वानी ब्लॉक की 24 ग्राम सभाओं का गठन होना बाकी है, जबकि इनमें चुनाव हो चुके हैं लेकिन पर्याप्त संख्या में वार्ड मेंबरों की संख्या नहीं होने की वजह से इन ग्राम सभाओं का गठन नहीं हुआ है। बीडीओ तनवीर असगर ने बताया कि वार्ड मेंबरों के रिक्त पदों को भरने के लिए शासनादेश आएगा। इसके बाद यहां चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। जिसके बाद ग्राम सभाओं का गठन होगा।

बागजाला में कल निकलेगी वाहन रैली

हल्द्वानी, अमृत विचार : बागजाला गांव में आठ सूत्रीय मांगों को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना 11वें दिन भी पूरे जोश के साथ जारी रहा। ग्रामीणों ने ऐलान किया है कि जब तक उनकी मांगों को नहीं माना जाएगा, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। कल दोपहर 1 बजे बागजाला में एकता और अधिकार की प्रतीक वाहन रैली निकाली जाएगी। धरना स्थल पर जुटे ग्रामीणों ने गुरुवार को सरकार, जिला प्रशासन और वन विभाग की चुप्पी पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि आंदोलन को लगातार 11 दिन हो चुके हैं, लेकिन अभी तक किसी भी स्तर पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। धरने की अध्यक्षता विमला देवी ने की। इस दौरान हरिदत्त सिंह, प्रेम सिंह नयाल, वेद प्रकाश, हेमा देवी, मोहन लाल, परवेज अंसारी, भगवती आर्य आदि मौजूद रहे।

लीडरशिप का सही प्रयोग करें

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: आर्यमान विक्रम बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग में गुरुवार को विद्यार्थी परिषद के लिए शपथ ग्रहण समारोह हुआ।

समारोह के मुख्य अतिथि मुख्य शिक्षा अधिकारी गोविंद राम जायसवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि, इस गरिमापूर्ण समारोह में दिए गए प्रत्येक उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए उन्हें अनुशासन, सफलता और सद्व्यवहार के आदर्श स्थापित करने हैं जिससे अन्य छात्र भी प्रेरित हों। 'आई' की जगह 'यू' का सूत्र प्रत्येक छात्र पदाधिकारी को स्मरण रखने का संदेश देते हुए जायसवाल ने कहा कि, लीडरशिप का प्रयोग दूसरों को महत्व देने में करें। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' मुहिम को भी सहयोग देने के लिए सभी को प्रेरित किया। प्रधानाचार्य प्रवेश मेहरा ने कहा कि विद्यार्थी परिषद का यह शपथ ग्रहण समारोह विद्यार्थियों के मध्य उत्तरदायित्व, नेतृत्व चरित्र निर्माण एवं सामाजिक सेवा भाव का बीजारोपण करेगा। आज राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक है कि हमारे युवा विवेकानंद से प्रेरणा लें। स्वयं को कभी कमजोर न समझें और सफलता के लिए पूरे समर्पण के साथ प्रयास करें। समारोह में विशिष्ट अतिथि सेंचुरी पल्प एंड पेपर के उपाध्यक्ष नरेश चंद्रा एवं राहुल पवार, जिला खेल समन्वयक ने भी विचार रखे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं अन्य विशेष अतिथियों के साथ प्रधानाचार्य और प्रबंधक अवसंरचना सुरेश बाजपेई ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। समारोह में पूर्व संकाय सदस्य सुनीता राणा, आरती विनायक, शोभित अग्रवाल, शशांक अग्रवाल, गगनदीप सिंह बेदी मौजूद रहे। संचालन मान्या अग्रवाल, भव्या बुधानी और अथर्व उपाध्याय ने किया। विद्यालय की वरिष्ठ अनुभाग प्रमुख अनीता भट्ट ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

बिड़ला स्कूल में मार्चपास्ट-ध्वज समारोह में विद्यार्थी परिषद के नवनियुक्त सदस्य।

तिलकनगर फेस-1 में दूर होगी पानी की किल्लत

जल संस्थान के ईई रविशंकर लोशाली का आभार जताते कॉलोनीवासी।

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : अब तिलक नगर फेस-1 कॉलोनी में पेयजल किल्लत दूर होगी। जल संस्थान की टीम ने पेयजल लाइन बिछाने के लिए स्थलीय निरीक्षण किया। साथ ही कॉलोनीवासियों को आश्वासन दिया कि इस लाइन को नलकूप से जोड़ा जाएगा ताकि पेयजल किल्लत खत्म हो।

जल संस्थान के ईई रवि शंकर लोशाली के नेतृत्व में जल संस्थान की टीम ने लालडांठ स्थित तिलक नगर फेस-वन कॉलोनी का स्थलीय निरीक्षण किया। साथ ही पेयजल लाइन बिछाने के लिए रूपरेखा तैयार की। ईई के निर्देशानुसार निकटतम नलकूप से कॉलोनी तक नापजोख की गई। उन्होंने बताया कि नई पेजयल लाइन को नलकूप से जोड़ा जाएगा जिससे यहां पानी की किल्लत खत्म हो जाएगी।

वर्तमान में इस कॉलोनी में 50 से अधिक परिवारों के लिए एक छोर से गौला तो दूसरे छोर ट्यूबवेल की सप्लाई है। पिछले एक माह से गौला की सप्लाई बाधित है तो नलकूप से आपूर्ति भी आधी कॉलोनी तक सिमट रही है। ईई ने बताया कि गौला में सिल्ट और अन्य गंदगी आने से सिंचाई विभाग की ओर से सप्लाई रोकी जा रही है। इस वजह से एक दिन छोड़कर पेयजल सप्लाई हो रही है। शरद कांडपाल, उमेश बिष्ट, जयनंदन सिंह अधिकारी, भुवन बिष्ट, सुरेश चंद्र उप्रेती, सुरेश चंद्र सुयाल, सुरेश पाठक, विजय रौतेला आदि ने जल संस्थान का आभार जताया है।

भगन्दर, बवासीर
सभी प्रकार के बार-बार ऑपरेटेड Complex Fistula (जटिल भगन्दर) पाइल्स तथा एनल फिसर एवं Anal Stenosis की क्षार सूत्र द्वारा पूर्ण सफल चिकित्सा
सुश्रुत क्लीनिक
क्षार चिकित्सा गुदा एवं वृहदांत्र रोग
[COLO-RECTAL-CENTER]
28.बी, एकता नगर
स्टेडियम रोड, बरेली
9897030475
9411221895
7060162071

डॉ. लालता प्रसाद (सर्जन)
B.Sc., B.A.M.S., D.Ay.M. सर्जरी (I.M.S), (B.H.U.) वाराणसी
गुरू /प्रोफेसर - राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ आयुष मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली
भू.पू. वरिष्ठ लेक्चरार
एस. आर. एम. स्टेट आयु कॉलेज, बरेली
Life-Member Association of Anaesthetists of Indian Medicine
45 वर्षों का कुशल अनुभव

डॉ. अभय प्रकाश (सर्जन)
B.A.M.S., M.S सर्जरी
क्षार सूत्र एवं गुदा रोग विशेषज्ञ
बाल गुदा रोग विशेषज्ञ व समस्त गुदा रोग
भगन्दर, बवासीर, ऐनल फिसर रेक्टल पालिप, पाइलोनिडल साइनस, कोलाइटिस
गुदा रोगों के लक्षण
मलद्वार से खून मवाद आना
गांठ का मल द्वार से बाहर निकलना मल द्वार के आस पास बार-बार फोड़ा बनना एवं फूटना, बार-बार मल त्याग करना, मल द्वार में दर्द एवं खुजली होना
समय
प्रातः 10:00 से 2:00 बजे तक
सायं 7:00 से 8:00 बजे तक
रविवार
प्रातः 10:00 से 2:00 बजे तक
सायंकाल अवकाश

मेयर ने वार्ड 33 में सुनी लोगों की समस्याएं

समस्याओं के शीघ्र निराकरण का दिया आश्वासन, जोनल कार्यालय के लिए संभावित भूमि का भी लिया जायजा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: महापौर विकास शर्मा ने नगर आयुक्त नरेश दुर्गापाल और पार्षद सुशील चौहान के साथ सिंह कालोनी, वार्ड नंबर 33 का भ्रमण कर समस्याओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने नगर निगम के जोनल कार्यालय के लिए संभावित भूमि का भी जायजा लिया गया। भ्रमण के दौरान पार्षद सुशील चौहान ने महापौर को वार्ड की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। वहीं महापौर ने समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया।

गुरुवार को वार्ड में भ्रमण के दौरान महापौर विकास शर्मा विभिन्न समस्याओं को मौके पर देखा और उनके निराकरण के लिए सम्बंधित अधिकारी कर्मचारियों को निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने वार्ड के लोगों के साथ संवाद भी किया। उन्होंने सिंह कालोनी में जोनल कार्यालय के लिए संभावित भूमि को भी देखा और नगर आयुक्त के साथ इस संबंध में चर्चा की। इस दौरान

भ्रमण के दौरान जानकारी लेते महापौर विकास शर्मा। ● अमृत विचार

महापौर को वार्ड के पार्षद सुशील चौहान ने विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया और जोनल कार्यालय जल्द खोलने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सिंह कॉलोनी में नगर निगम का जोनल कार्यालय जल्द खोला जाएगा। जोनल कार्यालय खुलने से निगम संबंधित सभी कार्य यहीं से हो सकेंगे। जल्द ही इस वार्ड को सुंदर बनाया जाएगा। वार्ड में बच्चों के लिए खेलने की व्यवस्था, बुजुर्गों के लिए बैठने की सुविधा और महिलाओं के लिए सुरक्षित और बेहतर माहौल बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का निराकरण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इंदौर की तर्ज पर रुद्रपुर में भी बदलाव किये जाएंगे। इसमें जनसभागिता भी तय की जाएगी। भ्रमण के दौरान नगर आयुक्त नरेश दुर्गापाल, भाजपा नेता अनिल चौहान, अंकित कुमार, हरजीत राठी, अनुज पाठक आदि मौजूद थे।

राष्ट्रपति भवन में आयोजित प्रदर्शनी में रुद्रपुर भी लेगा भाग

- फुलवारी स्वयं सहायता समूह की महिलाएं करेंगी उत्पादों का प्रदर्शन
- 2 से 7 सितंबर तक आयोजित होगी प्रदर्शनी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: रुद्रपुर नगर निगम को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन के अमृत उद्यान में आयोजित होने वाली प्रदर्शनी में शामिल होने का निमंत्रण मिला है। प्रदर्शनी 2 से 7 सितंबर 2025 तक आयोजित होगी। इसमें नगर निगम से जुड़े स्वयं सहायता समूह अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे।

महापौर विकास शर्मा ने बताया कि राष्ट्रपति भवन परिसर आमजन के लिए 16 अगस्त से 14 सितंबर तक खोला गया है। दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डेएनयूएलएम) योजना के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों के कार्यों की राष्ट्रीय प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। इसमें उत्तराखंड से तीन नगर निकायों का चयन हुआ है, जिनमें रुद्रपुर नगर निगम भी शामिल है। इसके अलावा देहरादून नगर निगम और नगर पालिका चंपावत भी शामिल है। उन्होंने बताया कि रुद्रपुर नगर निगम के फुलवारी स्वयं सहायता समूह की ओर से हैंडीक्राफ्ट, हैंडलूम, डेकोरेटिव प्रोडक्ट्स और शहद सहित कई तरह के उत्पाद प्रदर्शनी में आकर्षण का केंद्र होंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लखपति दीदी जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहे हैं। रुद्रपुर नगर निगम भी इसी सोच के साथ काम कर रहा है।

सफाई कर्मचारी संघ ने पालिकाध्यक्ष को सौंपा 21 सूत्रीय मांग पत्र

खटीमा: उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ की स्थानीय शाखा के कर्मचारियों ने पालिकाध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी को 21 सूत्रीय मांगपत्र सौंपकर सफाई कर्मचारियों की मांगों के तत्काल समाधान की मांग की। जिसमें आउटसोर्स पर्यावरण मित्रों को साप्ताहिक और अन्य अवकाश देने, मोहल्ला स्वच्छता समिति के काटे गए पीएफ को जमा करने, मोहल्ला स्वच्छता समिति कर्मचारियों को पालिका कर्मचारी घोषित करने, नियम के विरुद्ध इनकम टैक्स कटे जाने, सुरक्षा उपकरण उपकरण और वर्दी मुहैया कराने, सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों को एकमुश्त भुगतान करने, ढांचे के अनुरूप कर्मचारी तय करने, आबादी और क्षेत्रफल के अनुसार पर्यावरण मित्र की तैनाती करने जैसी मांगे शामिल हैं।

उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन करने को बाध्य होंगे। ज्ञापन देने वालों में शाखा अध्यक्ष गिरेश देवी, अनिल कुमार, राकेश कुमार, नीरज कुमार, राजीव कुमार, सूरजपाल, मदन पाल, राखी देवी, गिल्लो देवी, जीत देवी, विनीता देवी, अनीता देवी, विक्की रहे।

योगी सेना ने जिपंअ. अजय मौर्य का किया भव्य स्वागत

स्वागत समारोह में मंचासीन नव निर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य व अन्य।

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: राष्ट्रीय योगी सेवा के कार्यकर्ताओं ने टेढ़ाघाट में नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि रविन्द्र सिंह राणा, बीडीसी कमलेश थापा और ग्राम प्रधानों का स्वागत फूल मालाओं से किया। उन्होंने खटीमा से जिला पंचायत अध्यक्ष बनने पर खुशी का इजहार करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का भी आभार जताया। इस अवसर पर योगी सेना के राष्ट्रीय महामंत्री हयात सिंह बिष्ट,, ग्राम प्रधान सोमनाथ मौर्य, वीरेन्द्र राणा, गुरदेव सिंह, प्रेम पासी, इंकेश गोस्वामी, रवी पांडे, संतोष पांडे , लाल सिंह, भोपाल सिंह, विक्रम मौर्य, दीपक मौर्य, वीरेन्द्र मोहन आदि मौजूद थे।

नन्हीं उड़ान : बच्चों ने पेश किए रंगारंग कार्यक्रम

- नोज़गे पब्लिक स्कूल हुआ आयोजन राज्य स्तरीय ओलंपियाड में मेरिट में आए 32 बच्चे सम्मानित

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: नोज़गे पब्लिक स्कूल हैप्पी मैम में नन्हीं उड़ान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा के 32 होनहार बच्चों को ओलंपियाड में राज्य स्तरीय मेरिट में जगह बनाने पर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन प्रबन्ध निर्देशिका सुरेंद्र कौर, प्रधानाचार्य आरिज अल्वी सहित अभिभावकों ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष द्वीप जालकर किया। किंडरगार्टन के नन्हें मुन्ने बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। इन्डियन टैलेन्ट लिटिल चैम्प ओलंपियाड में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले द्रोणा जोशी, श्रेया नन्दन, मनस्वी गोस्वामी, नवरूप कौर, अविका थापा, तनिष्का थापा, अनन्या जोशी, काव्या, अमायरा राणा, ऋत्विक राणा, शौर्य शर्मा, काव्या पाल, अश्वित श्रीवास्तव, अवनीत कौर, मानसी, रेयांश कठायत एवं ऋषभ चन्द्रा ने स्वर्ण पदक, जेसिका राणा, कनिष्का, गौरवी राणा ने रजत और नवरूप, देवांश सिंह, दिवेश गिरि, उन्नति राणा ने कांस्य पदक हासिल किया। शौर्य शर्मा, श्रेया नन्दन और नवरूप कौर ने ओलंपियाड में शत प्रतिशत अंक अर्जित कर राज्य में प्रथम स्थान हासिल किया। विद्यार्थियो के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विद्यालय को गोल्डन स्कूल अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में किंडरगार्टन कॉर्डिनेटर मधुमिता मुखर्जी, रश्मि पहवा, मीनल भट्ट, सुमन जोशी, नीता कापड़ी, मोनिका चंद ने अहम भूमिका अदा की।

खटीमा में नोजगे पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कृत बच्चे व विद्यालय की शिक्षिकाएं। ● अमृत विचार

पैरा खिलाड़ी प्रदीप व दीपांशु का चयन

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: ग्वालियर में 29 से 31 अगस्त तक आयोजित होने वाली 14वीं जूनियर एवं सब-जूनियर राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए रुद्रपुर के दो दिव्यांग खिलाड़ियों प्रदीप चौहान और दीपांशु बिष्ट का चयन हुआ है। दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर शहर में खुशी का माहौल है।

गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय पैरा खिलाड़ी हरीश चौधरी ने बताया कि दिव्यांग खिलाड़ी प्रदीप चौहान का चयन टी-12 कैटेगरी की 1500 मीटर दौड़ के लिए, जबकि दीपांशु बिष्ट का चयन टी-47 कैटेगरी की 400 मीटर दौड़ के लिए हुआ है। उन्होंने कहा कि यह रुद्रपुर और पूरे उत्तराखंड के लिए गर्व की बात है। प्रदीप और दीपांशु ने बताया कि

खिलाड़ियों को सम्मानित करते अंतरराष्ट्रीय पैरा खिलाड़ी हरीश चौधरी व अन्य।

राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचना उनके लिए आसान नहीं था। सीमित संसाधनों, शारीरिक चुनौतियों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य को नहीं छोड़ा और सतत अभ्यास करते रहे। उन्होंने बताया कि कोचों के मार्गदर्शन और परिवार के समर्थन से वे इस मुकाम तक पहुंचे हैं। वहीं चयन की जानकारी मिलते ही खेल प्रेमियों, संगठनों और समाजसेवियों ने खिलाड़ियों का जोरदार उत्साहवर्धन किया। आयोजन स्थल पर खिलाड़ियों का भव्य स्वागत और सम्मान किया गया। अंतरराष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी शरद जोशी, मनोज पांडे, विकास कश्यप, देवेंद्र शर्मा, एनआईएस कोच सत्य प्रकाश रहे।

नवनिर्वाचित ब्लॉक प्रमुख सहित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आज

रुद्रपुर : जिले की सभी विकासखंडों में नवनिर्वाचित ब्लॉक प्रमुख सहित ग्राम पंचायत पदाधिकारियों का आज शपथ ग्रहण समारोह किया जाएगा। इसमें ब्लॉक प्रमुख सहित सभी ग्राम पंचायत पदाधिकारी शपथ लेंगे। विकासखंड रुद्रपुर में क्षेत्र पंचायत चुनावों के बाद नवनिर्वाचित ब्लॉक प्रमुख रीना गौतम, जेष्ठ प्रमुख संजय सिंह तथा कनिष्ठ प्रमुख भारती देवी सहित समस्त क्षेत्र पंचायत सदस्य शपथ लेंगे। खंड विकास अधिकारी असित आनंद ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह सुबह 11 बजे विकासखंड सभागार रुद्रपुर में आयोजित होगा। समारोह में मुख्य अतिथि दर्जा राज्यमंत्री उत्तम दत्ता एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में किच्छा के पूर्व विधायक राजेश शुक्ला उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर सभी नव निर्वाचित जनप्रतिनिधि पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे।

ब्लॉक क्षेत्र का होगा भरपूर विकास: ज्योति

- नवनिर्वाचित ब्लॉक प्रमुख ज्योति ग्रोवर आज लेंगी शपथ

संवाददाता, गदरपुर

अमृत विचार: पंचायत चुनाव परिणाम के बाद प्रतिनिधियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में आज ब्लॉक कार्यालय सभागार में भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रीत ग्रोवर की पत्नी ज्योति ग्रोवर ब्लॉक प्रमुख की शपथ लेंगी। उनके साथ ज्येष्ठ उप प्रमुख कंवलजीत कौर, कनिष्ठ उप प्रमुख रीमा पाईन सहित 37 बीडीसी सदस्य शपथ ग्रहण करेंगे।

ज्योति ग्रोवर।

शपथ ग्रहण से पूर्व नवनिर्वाचित ब्लॉक प्रमुख ज्योति ग्रोवर ने कहा कि क्षेत्र के विकास में कमी नहीं आने दी जाएगी। सभी सदस्यों के सहयोग से विकासखंड के सभी ग्रामों को विकास प्राथमिकता के साथ करवाया जाएगा। कहा कि महिलाओं की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ हल किया जायेगा। ज्योति के निर्वाचित होने पर काफी लोगों ने बधाई दी है। शपथ ग्रहण को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में भी काफी उत्साह नजर आ रहा है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद, नैनीताल
पत्रांक : 1101/X-6 नोटिस दिनांक : 25-08-2025
1. श्री रुमान पुत्र श्री मोहम्मद हाफिस निवासी अयारपाटा वार्ड, ग्लैनी कोठी मल्लीताल नैनीताल।
2. श्री मो० नईम पुत्र श्री जलील अहमद निवासी सुखाताल वार्ड मललीताल नैनीताल।
आपको नगर पालिका अधिनियम की धारा 147 की उपधारा (1), (2) व (3) के अधीन एतद् नोटिस द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद नैनीताल के भवन और भूमि सम्पत्ति मूल्यांकन एवं कर निर्धारण सूची में क्षेत्र सं० 4 भवन सं० 27 ए वैलवेडियर कम्पा०, मांजिद मंजिल मल्लीताल नैनीताल स्थित बेसमेन्ट का क्षे० 16.59 वर्गमीटर एवं ग्राउण्ड फ्लोर का क्षे० 14.19 वर्गमी० इस प्रकार कुल निर्मित क्षे० 30.78 वर्गमी० सम्पत्ति है जो कि पालिका अभिलेखों में श्री मो० नईम पुत्र श्री जलील अहमद के नाम से दर्ज चली आ रही है के सम्बन्ध में निम्नलिखित संशोधन और परिवर्तन करने का निश्चय किया गया है।
उक्त सम्पत्ति की प्रविष्टी मूल्यांकन एवं कर निर्धारण सूची में की जाये तथा इस सम्पत्ति में आपका नाम स्वामी के रुप में अंकित किया जाए तथा इस सम्पत्ति का वार्षिक मूल्यांकन एवं वार्षिक भवन कर व सफाई कर नियमानुसार निर्धारित किया जाना प्रस्तावित है।
पंजीकृत विक्रय लेख पत्र दिनांक 07.05.2025 की प्रमाणित प्रतियों के आधार पर उक्त सम्पत्ति के स्वामित्व अधिकार का अन्तरण हो जाने के कारण मूल्यांकन सूची में अंकित श्री मो० नईम पुत्र श्री जलील अहमद के स्थान पर श्री रुमान पुत्र श्री मोहम्मद हाफिस का नाम स्वामी के रुप में प्रतिस्थापित किया जाना प्रस्तावित है।
अतः उपरोक्त प्रस्तावित संशोधन और परिवर्तन या मूल्य निर्धारण के सम्बन्ध में आपको कोई आपत्ति हो जो स्पष्ट तर्क संगत तथ्यों सहित अपनी आपत्ति लिखित रुप में स्वयं या अपने अभिकर्ता द्वारा इस नोटिस की तामील के दिनांक से एक माह के अंदर अधोहस्ताक्षरी को प्रेषित करें अन्यथा निर्धारित अवधि समाप्त होने वाले दिनांक के अगले दिन या उसके बाद संशोधन और परिवर्तन या मूल्य निर्धारण जैसी भी स्थिति हो का अधिप्रमाणिकरण कर दिया जायेगा।
अधिशासी अधिकारी
नगरपालिका परिषद, नैनीताल

पुलिस ने दो वारंटी दबोचे

बाजपुर : दोराहा चौकी की पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे वार्ड-दो गांधीनगर गदरपुर निवासी धनीराम व वार्ड-तीन सकेनिया गदरपुर निवासी गोविंद राम को गिरफ्तार कर गुरुवार को कोर्ट में पेश किया। पुलिस टीम में अपर उपनिरीक्षक सुनील कुमार, कां. राजेश नाथ, दीपक ढैला रहे।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना

मैं राम सिंह जोकि पहले राम सिंह बोहरा नाम से जाना जाता था अब मैं अपना नाम परिवर्तन कर राम सिंह कर रहा हूं। अतः अब से समस्त प्रपत्रों में मेरा नाम केवल राम सिंह के नाम से पढ़ा व जाना जाए। **राम सिंह पुत्र हीरा सिंह, ग्राम अलावृद्धि, खटीमा, उधमसिंह नगर।**

परचम | भारत विकास परिषद की स्वरांजलि-2025 राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता

समूहगान में डायनेस्टी की टीम ने मारी बाजी

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: भारत विकास परिषद की ओर से आयोजित स्वरांजलि-2025 समूहगान प्रतियोगिता में डायनेस्टी मॉर्डन गुरुकुल एकेडमी छिनकी फार्म की टीम ने प्रथम स्थान हासिल करते हुए पांच अक्टूबर को होने वाली प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

लोहियाहेड रोड स्थित एक निजी सभागार में आयोजित प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, प्रांतीय महासचिव हरीश शर्मा, प्रांतीय पर्यवेक्षक हरीश जोशी, शाखा अध्यक्ष नीरज वर्मा, गीताराम बंसल ने भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र के सम्मुख दीप जलाकर किया। जिपं. अध्यक्ष मौर्य ने कहा कि परिषद के इस प्रकार के आयोजन से विद्यार्थियों में देशभक्ति

खटीमा में आयोजक और प्रबंध निदेशक के साथ प्रतियोगिता की विजेता टीम। ● अमृत विचार

की भावना को जागृत होती है। कार्यक्रम के प्रांतीय संयोजक नीरज कुमार ने कहा कि बुधवार को 12 विद्यालयों के 140 बच्चों ने प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि प्रथम स्थान हासिल करने वाली टीम पांच अक्टूबर को प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगी।

राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में डायनेस्टी माडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फार्म की टीम ने प्रथम और हिंद पब्लिक स्कूल की टीम ने द्वितीय तथा नोज़गे पब्लिक स्कूल ट्विंकल की टीम ने तृतीय स्थान हासिल किया। निर्णायक की भूमिका सरोज सरगम, मुस्कान शर्मा और दीपक चौहान ने निभाई। संचालन शाखा सचिव विवेक अग्रवाल एवं मधु शर्मा ने किया। यहां प्रांतीय संयोजक विशाल गोयल, कोषाध्यक्ष अमरनाथ गोयल, संजय कपूर, श्यामवीर सिंह, जगदीश पांडे, स्वाति गोयल, सुनील रैदानी, रितेश टंडन दलजीत सिंह खिंडा, नवनीत अरोरा, सतीश गोयल, संतोष अग्रवाल, दीप खर्कवाल, सतीश गुप्ता, विक्रम गुलाटी, चंचल अग्रवाल, सपना गुलाटी, रेनू वर्मा, बबीता अग्रवाल, ममता टंडन, गुरप्रीत अरोरा, नीता कपूर, नवनीत गुप्ता, मुकेश गुप्ता, धीरेंद्र चंद्र भट्ट, ट्विंकल दत्ता आदि रहे।

ब्रीफ न्यूज

छेड़छाड़ के नामजद आरोपी को दबोचा

बाजपुर : थाना क्षेत्र केलाखेड़ा के अंतर्गत निवासी एक महिला ने पड़ोसी महबूब पुत्र मकसूद अली के विरुद्ध थाने में तहरीर देकर छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। मामले में पुलिस टीमों का गठन कर प्राथमिकी पंजीकृत होने के मात्र 8 घंटे के अंदर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। मेडिकल परीक्षण करवाकर गुरुवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक देवेंद्र सिंह राजपूत, महिला उपनिरीक्षक पूनम रावत, अपर उपनिरीक्षक मुकेश चंद्र आदि शामिल रहे। प्रभारी निरीक्षक सोलंकी ने कहा कि थाना क्षेत्र में किसी प्रकार की अराजकता व अपराध को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पति पर मारपीट का आरोप लगाया

बाजपुर : मझरा बक्श निवासी रोजी पत्नी अरविंद ने गुरुवार को कोतवाली में तहरीर देकर पुलिस को बताया कि उसकी शादी करीब आठ वर्ष पहले अरविंद के साथ हुई थी। आरोप है कि पति आए दिन उसके साथ मारपीट करता है और इसमें उसके सास-ससुर भी पति का ही साथ देते हैं। आरोपी उसे घर से निकालने एवं दूसरी शादी करने की धमकी दे रहे हैं। इतना ही नहीं थाने में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी है।

युवक से की 98 हजार ऑनलाइन साइबर ठगी

किच्छा : अलास्का कॉलोनी, पुलिस चौकी लालपुर, थाना किच्छा निवासी मनोज कुमार पुत्र भानु प्रताप ने पुलिस को सौंपी तहरीर में बताया कि सोशल मीडिया पर स्टॉक मार्केटिंग का विज्ञापन देखने के बाद उसके मन में कम समय में अधिक पैसा कमाने का लालच आ गया। बताया कि विगत 9 अगस्त को पीड़ित ने अपने बैंक खाते से 30 हजार रुपए तथा 10 अगस्त को 67 हजार 933 रुपए की धनराशि ट्रांसफर कर दी। पीड़ित के अनुसार धनराशि ट्रांसफर होने के बाद उन्हें रिफंड देना बंद कर दिया गया। पुलिस ने अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

शिक्षिका ने शिक्षक संघ से दिया इस्तीफा

खटीमा : राजकीय शिक्षक संघ की पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष एकता रस्तोगी ने प्रदेश अध्यक्ष पर शिक्षिकाओं के हितों की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए संघ की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। प्रान्तीय अध्यक्ष को भेजे इस्तीफे में उन्होंने कहा कि शिक्षिका को महिला उपाध्यक्ष बनाने की भी घोषणा खोखली रही और शिक्षकों की मांगों को एक सप्ताह में पूरा कराने का वादा करने के बाद भी शिक्षकों के हितों में कोई कार्य नहीं हुआ। यह भी कहा कि जिससे आहत होकर वह इस्तीफा दे रहीं हैं।

प्रेमजाल में फंसा धर्म बदलने का दबाव बनाने का आरोप

संवाददाता, रुद्रपुर

- इंकार करने पर युवती को किया ब्लैकमेल, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की तफ्तीश

अमृत विचार: कोतवाली इलाके की एक युवती ने मुस्लिम युवक पर प्रेमजाल में फंसा निकाह करने और धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार भदईपुरा की रहने वाली युवती ने बताया कि चार साल पहले वह बहेड़ी के प्राइवेट अस्पताल में नौकरी करती थी। जहां उसकी मुलाकात सीनियर कासिम से हुई।

आरोप था कि प्रेम जाल में फंसाने के बाद अभियुक्त ने आश्वासन दिया था कि शादी के बाद वह धर्मांतरण का कोई दबाव नहीं बनाएगा। शारीरिक संबंध बनाने के कुछ दिनों बाद कासिम मुस्लिम रीति रिवाज से निकाह करने और धर्मांतरण का दबाव बनाने लगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में वह रुद्रपुर के प्राइवेट अस्पताल में नौकरी करती है। बताया कि बुधवार को जब वह टुकटुक में बैठकर ड्यूटी जा रही थी। तभी कासिम बाइक पर आया और बेरहमी से पीटते हुए जबरन बाइक पर बैठाने की कोशिश करने लगे। आरोप था कि युवक बार-बार मस्जिद चलकर निकाह करने और मुसलमान बनने का दबाव बना रहा था। धमकाया कि यदि उस ने निकाह नहीं किया तो वीडियो और फोटो एडिट कर वायरल कर बदनाम कर देगा। बेरहमी से पीटे जाने के कारण उसे काफी चोट भी लगी है। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को कोर्ट में पेश कर दिया है।

आरोपी के कब्जे से बरामद की हत्या में प्रयुक्त रायफल, 18 अगस्त को कर दी गई थी आलिम की हत्या

आलिम हत्याकांड का पांचवां आरोपी तौसीफ पुलिस के हत्थे चढ़ा

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: कोतवाली अंतर्गत 10 दिन पूर्व हुए आलिम हत्याकांड में फरार चल रहे पांचवें आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्याकांड में प्रयुक्त रायफल को भी आरोपी की निशानदेही पर बरामद कर लिया है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

ज्ञात हो कि विगत 18 अगस्त को चुनावी एवं पारिवारिक रंजिश के चलते दो पक्षों में विवाद हो गया था। इस दौरान गोली लगने से 22 वर्षीय आलिम खान की गोली लगने से मौत हो गई थी। ग्राम दरऊ निवासी शमी खान पुत्र अकरम अहमद की शिकायत पर पुलिस ने नामजद आरोपियों सहित अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। इसी मामले में प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी अकील खान एवं रेहान खान को तमंचे तथा कारतूस के साथ पूर्व में गिरफ्तार कर लिया था। जबकि फायरिंग की घटना में शामिल आरोपी साजिद खान एवं गुलनवाज खान पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिये गए थे। आलिम हत्याकांड में वायरल हुई वीडियो में ग्राम दरऊ निवासी तौसीफ खान पुत्र साजिद खान रायफल से फायरिंग करता नजर आ रहा था। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस टीम लगातार आरोपी तौसीफ खान की तलाश कर रही थी। प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र कुमार ने बताया कि आरोपियों को पकड़ने के लिए थाना स्तर पर अलग-अलग गठित की गई 6 टीमों ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज का अवलोकन, सर्विलेंस एवं मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर नैनीताल, ऊधमसिंह नगर, रामपुर, बरेली, मुरादाबाद, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा आदि क्षेत्रों में दबिश दी गई। उन्होंने बताया कि मुखबिर की सूचना पर ग्राम दरऊ निवासी आरोपी तौसीफ खान को बरेली मार्ग पर राजपूत ढाबे के निकट से गिरफ्तार कर लिया। बताया कि पूछताछ में तौसीफ खान ने कबूल किया कि उसके द्वारा रायफल से की गई फायरिंग में आलिम खान को गोली लग गई थी और बाद में उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी तौसीफ की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त रायफल को उसके घर से बरामद कर कब्जे में ले लिया। कोतवाल धीरेंद्र कुमार ने बताया कि फरार चल रहे अन्य आरोपियों की भी सरगर्मी से तलाश की जा रही है और घटना में शामिल सभी आरोपी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

पुलिस की गिरफ्त में रायफल के साथ आरोपी तौसीफ खान। ● अमृत विचार

हरबंस लाल ठगी के प्रकरण में पुलिस ने की आठवीं गिरफ्तारी

इनामी बदमाश है आरोपी रोहित सोनी, संगठित होकर करते थे साइबर क्राइम

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: हरबंस लाल ठगी प्रकरण का पर्दाफाश करते हुए कोतवाली पुलिस ने फरार आठवें इनामी अभियुक्त को भी गिरफ्तार कर लिया। बताया कि अभियुक्त संगठित गिरोह का सक्रिय सदस्य था और लोगों को झांसा देकर साइबर क्राइम की घटना को अंजाम देता था। प्रारंभिक तफ्तीश में ही करोड़ों की ठगी के प्रमाण भी मिले हैं। पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

गुरुवार को खुलासा करते हुए एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि शांति कॉलोनी के रहने वाले हरबंस लाल ने मुकदमा दर्ज कराया था कि 19 अप्रैल को उसके खाते से 50 हजार की धनराशि की निकासी हुई है। जब पड़ताल की तो पता चला कि उसके साथ साइबर ठगी हुई है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक पड़ताल में मामला छोटा सा प्रतीत हो रहा था। तफ्तीश में पता चला कि साइबर ठगी का यह संगठित अपराध है और साइबर ठगों ने करोड़ों की ठगी को अंजाम दिया है। प्रकरण में सात लोगों की गिरफ्तारी हुई और आठवां अभियुक्त रोहित सोनी निवासी इंद्रा नगर थाटीपुर ग्वालियर मध्य प्रदेश भी है और जब अभियुक्त पुलिस की गिरफ्त से दूर हुआ। पुलिस ने पच्चीस हजार का इनामी बदमाश घोषित कर दिया और कोर्ट ने भी अभियुक्त के खिलाफ एनबीडब्ल्यू भी जारी कर दिया था। सूचना के आधार पर पुलिस ने अभियुक्त को रुद्रपुर न्यायालय के समीप से गिरफ्तार कर न्यायालय में ही पेश कर दिया है।

ठगी के अभियुक्त के साथ खुलासा करते एसएसपी मणिकांत मिश्रा। ● अमृत विचार

अब तक हो चुकी है सात गिरफ्तारियां

रुद्रपुर : हरबंस धोखाधड़ी प्रकरण में कोतवाली पुलिस अब तक सात गिरफ्तारियां कर चुकी है। जिसमें मनोज सैनी निवासी पक्का कोट काशीपुर, अजय सैनी निवासी जसपुर खुर्द, सत्यपाल सिंह निवासी काशीराम नगर मझौली मुरादाबाद, पोरस कुमार उर्फ पुष्पेंद्र निवासी गांव लौंगी कला ठाकुरद्वारा मुरादाबाद, विशु राज मौर्या निवासी चौधरियान नूरपुर बिजनौर, रितिक सोलंकी निवासी कागारोल आगरा और शेरु सिह निवासी इंदिरा नगर थाटीपुर ग्वालियर मध्य प्रदेश शामिल है।

म्यूल खातों का किया प्रयोग

रुद्रपुर : एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि हरबंस लाल के साथ करीब पचास हजार की साइबर ठगी प्रकरण देखने में छोटा साइबर क्राइम था, लेकिन साइबर क्रिमिनल काफी शातिर है। वह ठगी करने के लिए म्यूल बैंक खातों का प्रयोग करते थे। अभियुक्तों के खिलाफ मध्य प्रदेश, हरियाणा व यूपी में कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

कई उपकरण बरामद

रुद्रपुर : कोतवाल मनोज रतूड़ी ने बताया कि हरबंस लाल ठगी प्रकरण में अब तक आठ अभियुक्तों से छह मोबाइल, बारह एटीएम, 13 चेक बुक, 21 भरे हुए चेक, चार पासबुक, दो क्यूआर स्कैनर, एक डोंगल, एक डायरी, आधार व पैन कार्ड की बरामदगी हो चुकी है।

12 लोगों का है गिरोह

रुद्रपुर : अभियुक्तों का 12 सक्रिय सदस्यों का गिरोह है। अभी कोतवाली पुलिस रोहित कुमार और बसंत कुमार की सरगर्मी से तलाश कर रही है। कई राज्यों में दबिश दे रही है। जिसके लिए एक टीम का गठन भी एसएसपी ने कर दिया है।

चार माह से फरार ठगी का आरोपी दबोचा

रुद्रपुर: विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाले एक अभियुक्त को कोतवाली पुलिस ने पकड़ लिया है। बताया कि चार माह से अभियुक्त फरार चल रहा था और पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है।

बताते चलें कि शादीनगर हजीरा स्वार बिलासपुर यूपी निवासी अनिल शर्मा ने बताया कि उसने अपने बेटे की उच्च शिक्षा के लिए वीजा बनाने को इंद्रजीत सिंह बैंस उर्फ विक बैंस से संपर्क किया था। उन्होंने बताया कि कनाडा भेजने के लिए बीस लाख का खर्च भी बताया। जिस पर तीन वर्ष पहले 17.65 लाख का भुगतान भी कर दिया। लेकिन वीजा नहीं बना। जब रकम वापस करने का दबाव बनाया तो अभियुक्त ने टालमटोल करते हुए धमकी भी दी। पुलिस ने इसी वर्ष अप्रैल माह में मुकदमा दर्ज कर लिया। तभी से अभियुक्त इंद्रजीत फरार चल रहा था। बुधवार की शाम को मिली सूचना के आधार पर आदर्श कॉलोनी चौकी प्रभारी होशियार सिंह ने अभियुक्त को पकड़ लिया और कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है। उधर कोतवाल मनोज रतूड़ी ने बताया कि पुलिस अभियुक्त से पूछताछ कर रही है। वादी पक्ष से भी धोखाधड़ी के सबूत एकत्रित कर रही है। पूछताछ के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की जान गई

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: अमाऊं में घर के पास ही ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे तत्काल नागरिक अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

श्रीकृष्ण (फाइल फोटो)।

मूलरूप से अंबरपुर, नवाबगंज जिला बरेली उत्तर प्रदेश निवासी हाल निवासी अमाऊं श्रीकृष्ण मौर्य 29 पुत्र सोहन लाल घर के पास ही रेलवे लाइन के किनारे-किनारे जा रहा था कि ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को लोगों ने तत्काल नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक पिछले 10 वर्षों से अमाऊं में रहकर मजदूरी कर जीवन यापन करता था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। युवक की मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक अपने पीछे पत्नी राखी, पुत्री डॉली (12) हेमा (8) और पुत्र हर्ष (5) को रोता बिलखता छोड़ गया है।

अलग-अलग सड़क हादसों में पांच घायल

बाजपुर : अलग-अलग सड़क हादसों में बाइक सवार पांच लोग घायल हो गए, जिन्हें पुलिस के माध्यम से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बरहैनी निवासी 65 वर्षीय सोबन पुत्र रतन सिंह बुधवार की रात करीब साढ़े सात बजे साइकिल पर चनकपुर पुल के पास से पोपलर की जलौनी लकड़ी लेने के लिए गए थे। बताया जाता है कि लकड़ी नहीं मिलने पर वह वापस लौट रहे थे कि इसी बीच विपरीत दिशा से आ रहे बाइक सवार ग्राम हजीरा निवासी 31 वर्षीय धर्मवीर पुत्र अत्ति सिंह ने साइकिल को चपेट में ले लिया, जिसमें दोनों घायल हो गए। घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग-74 पर ग्राम पमानंदपुर के निकट ट्रक व कार की टक्कर में कब्रिस्तान मोहल्ला किच्छा निवासी 50 वर्षीय सलीम पुत्र रफीक अहमद व 46 वर्षीय नबीस पुत्र नखरूस घायल हो गए, जिन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके अतिरिक्त एक अन्य सड़क हादसे में ग्राम इटव्वा निवासी 33 वर्षीय सतवीर सिंह पुत्र संता सिंह घायल हो गया।

नए थानाध्यक्ष बिष्ट ने संभाला कार्यभार

- जनप्रतिनिधियों ने किया जोरदार स्वागत, क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: दिनेशपुर के नए थानाध्यक्ष रविन्द्र बिष्ट ने गुरुवार को थाने पहुंचकर कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने कहा क्षेत्र में शांति व्यवस्था के साथ-साथ यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करना उनका प्राथमिकता होगी। उन्होंने क्षेत्र की जनता से पुलिस को सहयोग करने की अपील की। ज्ञात हो वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा द्वारा दिनेशपुर थाने में तैनात एसओ नंदन सिंह रावत का स्थानांतरण पंतनगर किया जबकि काशीपुर के एसओजी प्रभारी रविन्द्र बिष्ट को दिनेशपुर थाने की जिम्मेदारी सौपीं है ।

दिनेशपुर में नए थानाध्यक्ष रविंद्र बिष्ट के स्वागत को पहुंचे जनप्रतिनिधि व व्यापारी।

नए थानाध्यक्ष रविन्द्र बिष्ट ने कहा कि नशे के विरुद्ध अभियान चला कर इस पर अंकुश लगाया जाएगा। उन्होंने क्षेत्रीय जनता से पुलिस के सहयोग की अपील की। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि पूर्व अध्यक्ष काबल सिंह विर्क, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश नारंग, बरीराई जिपंस प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह कोरंगा उर्फ नम्मू, एसआई प्रदीप भट्ट, एसआई सोनिका जोशी, एसआई अनवर अहमद, रामलीला कमेटी अध्यक्ष अशोक कालड़ा, व्यापारी नेता विशंभर लाल मिगलानी, दीपक मक्कड़, सभासद राखाल मंडल, सत्यजीत विश्वास, संजय सरकार, नित्यानंद मंडल, गोपाल चक्रवर्ती, का. कमलेश नेगी आदि मौजूद रहे।

तमंचा व चाकू के साथ दो गिरफ्तार

रुद्रपुरः दरोगा जीवन अधिकारी ने बुधवार को रात्रि गश्त के दौरान बिना नंबर की कार के चालक को रोकने की कोशिश की तो कार मोड़कर भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर दो युवकों को दबोच लिया। पूछताछ में अभियुक्त ने अपना नाम साहिल शुक्ला निवासी चंडीपुर कालीनगर दिनेशपुर व प्रिंस सिंह निवासी अर्जुनपुर बताया। तलाशी के दौरान साहिल के कब्जे से एक तमंचा व कारतूस और प्रिंस के कब्जे से धारदार चाकू, बीस हजार रुपये व मोबाइल भी बरामद हुआ। पूछताछ में अभियुक्तों का कहना था कि वह स्मैक का नशा करते हैं और किसी से झगड़ा हो जाता है तो दोनों तमंचा व चाकू निकालकर भयभीत कर देते हैं। पुलिस ने अभियुक्तों के खिलाफ आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ओवरलोड वाहनों के विरोध में कांग्रेस भी कूदी

- इंदिरा चौक पर फिर रोके ओवरलोड वाहन
- नहीं थम रहा ओवरलोड, बोले बेबस है पुलिस

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: दर्दनाक सड़क हादसे में सुरेंद्र की मौत के मामले में आक्रोश थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। पहले जहां व्यापारी नेताओं ने हाईवे पर उतर कर आक्रोश जताया था। वहीं अब कांग्रेस नेता मोहन खेड़ा ने भी अपने समर्थकों के साथ इंदिरा चौक पर आने वाले ओवरलोड वाहनों को रोका और ओवरलोड मानकों को परखा। साथ ही आगाह किया कि यदि जल्द ही ओवरलोड वाहनों की आवाजाही नहीं रुकी तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

इंदिरा चौक पर डंपर रोकते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

बताते चलें कि मंगलवार की दोपहर इंदिरा चौराहे पर घर से लौट रहे सुपरवाइजर सुरेंद्र कुमार (40) को ओवरलोड डंपर ने रौंद दिया था। जिसमें उनकी मौत हो गई थी। दर्दनाक हादसे के बाद से लोगों में ओवरलोड वाहनों के खिलाफ काफी आक्रोश देखने को मिल रहा है। बुधवार को जहां व्यापारी नेता संजय जुनेजा व कोषाध्यक्ष संदीप राय ने सड़क पर उतर कर अपना रोष जताया। वहीं गुरुवार को कांग्रेस नेता मोहन लाल खेड़ा ने भी अपने समर्थकों के साथ इंदिरा चौक से गुजरने वाले ओवरलोड डंपर को रोका और पुलिस एवं जिम्मेदार अधिकारियों को ओवरलोड वाहनों के मानकों की पोल खोली। उन्होंने कहा कि बिना सांठगांठ और खनन माफियाओं के मिलीभगत के ओवरलोड डंपर का संचालन नहीं हो सकता है। इससे साफ है कि शासन प्रशासन ने खुलेआम हाईवे पर मौत का डंपर चलाने की अनुमति दे दी है। यदि मौतों और ओवरलोड वाहनों के संचालन का सिलसिला बंद नहीं हुआ तो कांग्रेस जन आंदोलन शुरू कर देगी।

कार्यक्रम

महिला कल्याण विभाग की ओर से चलाया गया जागरूकता अभियान

छात्र-छात्राओं को दी पॉक्सो एक्ट की जानकारी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: महिला कल्याण विभाग की ओर से आरएएन पब्लिक स्कूल में छात्र-छात्राओं के लिए जागरुकता अभियान चलाया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को पॉक्सो एक्ट, बाल श्रम, बाल विवाह, शिक्षा का अधिकार अधिनियम सहित चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 और पुलिस हेल्पलाइन 112 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी।

गुरुवार को जिला प्रोबेशन अधिकारी व्योमा जैन ने बताया कि चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के माध्यम से ऐसे बच्चों की सहायता की जाती है जो असुरक्षित वातावरण में रह रहे हैं या जिन्हें देखरेख और संरक्षण की आवश्यकता है। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने कई सवाल पूछे, जिनका जवाब जिला प्रोबेशन अधिकारी ने संतोषजनक रूप से दिया। कार्यक्रम के अंत में पॉक्सो एक्ट पर आधारित एक लघु फिल्म भी दिखायी गई, जिससे बच्चों को कानून की गंभीरता और उनके अधिकारों की वास्तविक जानकारी मिली। इस अवसर पर चाइल्ड हेल्पलाइन की केंद्र समन्वयक चांदनी रावत, केस वर्कर गोविंद सिंह पांगती, पुलिस विभाग से कांस्टेबल ममता बोहरा व गीता जोशी, आरएएन स्कूल की प्रधानाचार्य भावना भनोत एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

छात्राओं के सवालों का जवाब देतीं जिला प्रोबेशन अधिकारी व्योमा जैन। ● अमृत विचार

पटवारी की संदिग्ध मौत की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश

रुद्रपुर : विगत 27 अगस्त को राजस्व उपनिरीक्षक तहसील बाजपुर दौलत सिंह की मौत मामले में जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने संज्ञान लेते हुए घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए है। साथ ही उपजिलाधिकारी काशीपुर अभय प्रताप सिंह को जांच अधिकारी नामित किया है। जिलाधिकारी ने बताया कि 27 अगस्त को करीब 7.30 बजे राजस्व उपनिरीक्षक तहसील बाजपुर निवासी तालबपुर तहसील जसपुर दौलत सिंह की मृत्यु की सूचना मिली। पटवारी वर्तमान में प्रकाश सिटी मकान नंबर एफ 7 तहसील काशीपुर में किराये के मकान में रह रहे थे। मृत्यु की सूचना मिलते ही उनके परिजनों के साथ पुलिस टीम ने पंचनामा भरते हुए मृतक का पोस्टमार्टम कराया। उन्होंने बताया कि मृतक राजस्व उप निरीक्षक दौलत सिंह की मृत्यु के स्पष्ट कारण जानने के लिए मजिस्ट्रियल जांच आवश्यक है। उन्होंने उपजिलाधिकारी काशीपुर घटना की विस्तृत जांच कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

मानव तस्करी को लेकर किया आगाह

- एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने लोगों को किया जागरूक

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव योगेंद्र कुमार सागर के निर्देशन में ग्राम गांगी गिद्धौर में क्षेत्र पंचायत सदस्य संजीत सिंह राणा की अध्यक्षता में मानव तस्करी के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

शिविर में उपनिरीक्षक नीरज सिंगल व टीम के कांस्टेबल सुरेश गिरी, ममता मेहरा, प्रियंका कोरंगा, दिनेश राणा ने ग्रामीणों को मानव तस्करी के विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मानव तस्करी जबरन श्रम बंधुआ मजदूर, बाल श्रम निषेध, बाल विवाह, वेश्यावृत्ति, यौन शोषण करना, घरेलू गुलामी, जबरन विवाह, छोटे अपराध, बलपूर्ण प्रोनोग्राफी, भीख मंगवाना, नशीली दवाइयां की तस्करी करना जैसे अपराधों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। अधिवक्ता इलियास सिद्दीकी ने राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी दी और बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह समझौता के आधार पर मामले निस्तारण होते हैं। उन्होंने लोगों से लोक अदालत का लाभ उठाने को कहा। संचालन आरबी सिंह राणा ने किया। इस अवसर पर विमल कुमार, भगवती राणा, लाल सिंह, मीरा देवी, पिंकी राणा, ठग्गो देवी, माया देवी, कमला गोस्वामी, गीता शर्मा आदि रहे।

विधिक शिविर में मानव तस्करी के प्रति जागरूक करते एंटी ट्रैफिकिंग यूनिट के अधिकारी।

अमृत विचार

हल्द्वानी, शुक्रवार, 29 अगस्त 2025

सिटी ब्रीफ

15 लीटर कच्ची शराब के साथ एक दबोचा

किच्छा : अपर उप निरीक्षक प्रकाश चंद के नेतृत्व में पुलिसकर्मी अनिल कुमार एवं मनोज मेहरा की टीम ने बरा क्षेत्र में तलाशी के दौरान करीब 15 लीटर कच्ची शराब बरामद कर कब्जे में ले ली। पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम पता सिरसा नहर, ग्राम बरा, थाना पुलभट्टा निवासी दरबारा सिंह पुत्र आला सिंह बताया। फिलहाल पुलिस ने आबकारी अधिनियम की धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आरोपी को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

कच्ची शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

काशीपुर : कुंडा थाना पुलिस ने 10 पाउच कच्ची शराब के साथ दो आरोपित को गिरफ्तार कर उसकी बाइक भी कब्जे में ली है। बीती शाम उपनिरीक्षक नवीन जोशी टीम के साथ गढ़ीनेगी दुर्गापुर क्षेत्र में गश्त पर थे। इस दौरान पुरानी सरिया फैक्ट्री से लगभग 70 मीटर आगे एक मोटरसाइकिल में दो व्यक्तियों को रोककर तलाशी ली तासे उनके पास से एक थैले में 10 पाउच कच्ची शराब बरामद की गई। नाम पूछने पर उसने अपना नाम भजन सिंह पुत्र स्व. राम प्रसाद सिंह और सतनाम सिंह पुत्र चरण सिंह निवासीगण ग्राम बाबरखेड़ा बताया। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर उनकी बाइक भी कब्जे में लेली। थाने लाकर पुलिस ने दोनों आरोपितों का चालान कर दिया है।

पूर्व सैनिकों की समस्याएं सुनेगें कमांडेंट ब्रिगेडियर

काशीपुर : बुधवार को पूर्व सेनानी एकता समिति की कार्यकारिणी की बैठक गढ़वाल सभा स्थित एक रिसार्ट में हुई। वरिष्ठ सलाहकार नायब सूबेदार (सेनि) जगदीश चंद्र बौड़ाई ने बताया गढ़वाल राइफल रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद नेगी कुमाऊं रेजीमेंट सेंटर रानीखेत में दो सितंबर को कमांडर्स कांफ्रेंस में शामिल होने जाएंगे। इस दौरान वह कुछ देर काशीपुर में रुककर पूर्व सैनिकों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुनेंगे। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ सलाहकार कैप्टन (सेनि) महिपाल सिंह नेगी ने की। यहां समिति अध्यक्ष सूबेदार मेजर (सेनि) चंद्र सिंह रावत, उपाध्यक्ष भूपेंद्र शाह, कैप्टन(सेनि) मनवीर सिंह, कैप्टन (सेनि) रणवीर सिंह, सूबेदार मेजर (सेनि) सुभाष भारद्वाज, सूबेदार मेजर (सेनि) अरविंद सिंह, हवलदार(सेनि) मोहन सिंह रहे।

2.12 ग्राम स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

खटीमा : पुलिस ने एकलव्य स्कूल को जा रहे रास्ते पर एक संदिग्ध बाइक सवार को पकड़ा। बाजार चौकी प्रभारी पंकज सिंह महर द्वारा की गई पूछताछ में उसने स्वयं को वार्ड नंबर 9 हुसैनी मस्जिद के पास खटीमा निवासी शिबू पुत्र रफीक अहमद बताया। पुलिस ने तलाशी में उसके कब्जे से 2.12 ग्राम स्मैक बरामद की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश कर दिया।

48 ग्राम सभाओं में हुई पहली बैठक

बाजपुर : विकासखंड क्षेत्र बाजपुर के अंतर्गत 48 ग्राम सभाओं में नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों की अध्यक्षता में नवगठित ग्राम पंचायत बोर्ड की प्रथम बैठकें हुईं, जिनमें आपसी परिचय के साथ ही संगठित होकर ग्रामीण विकास के लिए कार्य करने की बात कही गई। गुरुवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत ग्राम बैंतखेड़ी, इटव्वा, कनौरा, कनौरी, चनकपुर, खंबारी, गजरौला, रजपुरा नंबर-2, दियोहरी, नमूना, गुमसानी, मुड़िया कलां, पहाड़पुर, विक्रमपुर, महोली जंगल, नंदपुर नरकाटोपा, चकरपुर, भव्वानगला, चंदनपुरा, बरवाला, टांडा आजम, बाजपुर गांव, जगन्नाथपुर, जोगीपुरा आदि में बैठक हुई जिसमें ग्राम विकास अधिकारी एवं विकासखंड से जुड़े कर्मचारियों की भी उपस्थिति रही।

दुर्घटना पीड़ित की मदद व फर्स्ट एड के दिए टिप्स

श्री राम इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी में कार्यक्रम का आयोजन

- एआरटीओ विमल पांडे ने ट्रैफिक नियमों की जानकारी भी दी

संवाददाता, काशीपुर

कार्यक्रम के दौरान छात्रों को जानकारी देते एआरटीओ विमल पांडे। ● अमृत विचार

अमृत विचार : सड़क दुर्घटनाओं से होने वाले नुकसान को कम करने और घायलों को तुरंत मदद पहुंचाने के लिए 'फर्स्ट रिस्पान्डर्स प्रोग्राम' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और आम जनता को आपात स्थिति में प्राथमिक चिकित्सा देने के लिए जागरूक करना था।

गुरुवार को केलामोड़ के पास श्री राम इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें इंस्टीट्यूट के 250 छात्र-छात्राओं और 100 अन्य लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं का ट्रेनिंग दी गई, जिसके बाद सभी प्रतिभागियों को फर्स्ट एड किट और ट्रेनिंग में भाग लेने का प्रमाणपत्र दिया गया। एआरटीओ विमल पांडे ने युवाओं से ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की और बताया कि ड्राइविंग करते समय इन चीजों का ध्यान रखे सीट बेल्ड, ओवर स्पीड, फोन व अन्य जानकारियां देते हुए गुड कानून की जानकारी दी साथ ही बताया कि अगर आप सड़क दुर्घटना पीड़ित के मदद करते हो तो ऐसे में पुलिस प्रशासन व हॉस्पिटल आपका उत्पीड़न नहीं करेगा। बल्कि राहवीर योजना के अंतर्गत 25 हजार रुपये तक पुरस्कार प्रदान किया जा सकता है। उसी के साथ यह बताया कि दुर्घटना पीड़ित की मदद कैसे की जाए कैसे उसे फर्स्ट टेड प्रदान किया जाए और उसको हॉस्पिटल कैसे पहुचाया जाए और कैसे पुलिस को सूचना दीजाए। इस मौके पर एआरटीओ काशीपुर पूजा नयाल, रामनगर रिषु तिवारी, एनडीआरएफ से अमित कुमार और विचित्र शर्मा, एलडी भट्ट उपजिला अस्पताल से डॉ. हिमांशु चौधरी, इंस्टीट्यूट के वाइस प्रेसिडेंट अभिनव अग्रवाल और निदेशक योगराज आदि मौजूद रहे।

फर्जी शपथ पत्र देकर चुनाव लड़ने का लगाया आरोप

शक्तिफार्म : शिकायतकर्ता राहुल सिंह बोरा ने क्षेत्र के ही एक नव निर्वाचित ग्राम प्रधान पर कई आरोप लगाते हुए, उच्च अधिकारियों को शिकायत दर्ज कराया। शिकायत में कहा कि वह सरकारी भूमि पर निवासरत है। चुनाव लड़ने के लिए उन्होंने आधार कार्ड में अपना नाम और पता बदलवा लिया। जबकि वर्ष 2008 में वह किसी अन्य नाम से बीडीसी चुनी गई थी। फिर, 2014 में इनके पति प्रधान बनें। वर्ष 2019 में महिला सीट आरक्षित होने व न्यूनतम शिक्षा अनिवार्यता के चलते, नाम बदल कर चुनाव लड़ी और जीती। 2025 में दोबारा उसी नाम से प्रधान चुनी गई। जबकि इनका विभिन्न बैंकों में दूसरे नाम से खाता है। आरोप है कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 में दाखिल शपथ पत्र में, इन्होंने विभिन्न बैंक खाते के विवरण, लोन व कृषि भूमि के विवरण सहित कई अन्य जानकारी को छिपाया। मामले में बीडीओ सीआर आर्य ने कहा कि शिकायतकर्ता ने उच्च अधिकारियों से पत्राचार कर शिकायत की है। उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार कार्यवाही की जाएगी।

सीटें बढ़ाने समेत अन्य मांगों को लेकर छात्रों का अनशन

काशीपुर में डिग्री कालेज में अनशन पर बैठे छात्र। ● अमृत विचार

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : राधे हरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्नातक व स्नातकोत्तर कक्षाओं में सीटें बढ़ाने सहित अन्य मांगों को लेकर एबीवीपी के छात्रसंघ अध्यक्ष पद के संभावित दावेदार रिंकू बिष्ट का अनशन गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी रहा।

कॉलेज प्रशासन ने छात्रों की एक मांग मानते हुए समर्थ पोर्टल पुनः शुरू करने की घोषणा की, लेकिन छात्र नेता शेष मांगों को लेकर अड़े रहे। इनमें स्नातक व परास्नातक कक्षाओं में सीटें बढ़ाना, कॉलेज के सभी विभागों में शौचालय और पानी की समुचित व्यवस्था करना शामिल है। अनशन के दौरान कॉलेज परिसर में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। इसी बीच तहसीलदार पंकज चंदोला पुलिस बल और स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ मौके पर पहुंचे और अनशनकारी रिंकू बिष्ट का स्वास्थ्य परीक्षण कराया। छात्र नेता ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने उन्हें जबरन अनशन से उठाने का प्रयास किया तो वह पानी भी त्याग देंगे। अनशन स्थल पर छात्र-छात्राओं में किरन सरकार, प्राची सारस्वत, पायल थापा, साक्षी, युक्ता त्रिपाठी, देव गुप्ता, दक्ष शर्मा, सुखचैन संजोता, प्रिंस सागर, ऋतुराज, श्रद्धा, गगनदीप, निखिल समेत अन्य छात्र मौजूद रहे।

मझोला-भिकारीपुर मार्ग पर जलभराव से बढ़ी परेशानी

खटीमा : यूपी उत्तराखंड सीमा पर स्थित मझोला में खस्ताहाल भिकारीपुर मार्ग पर जल भराव होने के कारण राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि यह मार्ग उत्तर प्रदेश पीडब्ल्यूडी के अंतर्गत आता है तथा रोड की हालत बेहद खराब है। जहां पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा रोड के चौड़ीकरण के लिए दोनों तरफ से मिट्टी खोदकर रोड के किनारे डाली गई है जिसकी वजह से रोड और नीचा हो गया है और रोड पर बरसाती पानी के वजह से जल भराव बना हुआ है। वहीं मझोला गांव की नालियां चौक होने से घरों का गंदा व दूषित पानी भी रोड पर आ गया है और जल भराव की स्थिति बनी हुई है। जिसकी वजह से आने जाने वाले राहगीरों के साथ ही स्कूली बच्चों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राहगीरों सहित अनेकों स्कूली बच्चे जलभराव वाले मार्ग पर गिरकर चोटिल हो चुके हैं। डॉ. दबीर हुसैन, शाहिद हुसैन, आकिब, शोहेल, शमशाद, मदार हुसैन आदि ने रोड पर हुए जलभराव की निकासी व खस्ता हाल रोड के निर्माण की मांग यूपी पीडब्ल्यूडी विभाग से की है।

बाइक की टक्कर से अधेड़ की रीढ़ की हड्डी टूटी

किच्छा : बहेड़ी, जिला बरेली, यूपी निवासी मोहम्मद आमिर पुत्र रईस अहमद ने कोतवाली पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 7 अगस्त की दोपहर उसके पिता रईस अहमद अपनी बाइक से किच्छा आए थे। रुद्रपुर मार्ग पर इंटरार्क फैक्ट्री के सामने एक अज्ञात बाइक चालक ने लापरवाही से बाइक चलाते हुए पिता रईस अहमद की बाइक को साइड मार दी। घटना में घायल पिता रईस अहमद को गंभीर अवस्था में रुद्रपुर, हल्द्वानी के बाद बरेली के निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। हादसे में उनकी रीढ़ की हड्डी टूट गई है। बताया कि पूरी घटना इंटरार्क फैक्ट्री पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अभियोग पंजीकृत कर जांच प्रारंभ कर दी है।

हादसे में घायल युवक के पैर की उंगली काटनी पड़ी

- पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा किया दर्ज

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार : कोतवाली अंतर्गत क्षेत्र में बिना रजिस्ट्रेशन नंबर के ई रिक्शा के नाबालिग चालक ने लापरवाही एवं तेजी से चलाते हुए बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक के पैर की उंगली में इंफेक्शन होने के चलते डॉक्टर को उंगली काटनी पड़ी। पीड़ित ने आरोपी रिक्शा स्वामी तथा रिक्शा चालक के खिलाफ से तहरीर सौंप कानूनी कार्रवाई किए जाने की गुहार लगाई है।

कोतवाली पुलिस को दी शिकायत में वार्ड नंबर 18, सिरौली कला, कोतवाली किच्छा निवासी रामचंद्र पुत्र नत्थू लाल ने बताया कि 13 अगस्त की सुबह वह अपने रिश्तेदार अमरनाथ के साथ बाइक पर किच्छा आ रहा था। इसी दौरान हरियाणा फॉर्म के सामने गैस सिलेंडर से भरे ई-रिक्शा को चला रहे सिरौली कला निवासी नाबालिग ने लापरवाही एवं तेजी से चलाते हुए बाइक में जोरदार टक्कर मार दी तथा घटना के बाद ई रिक्शा चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घटना में घायल रामचंद्र को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने पीड़ित की दाहिनी टांग तथा पैर में लगी गंभीर चोट पर प्राथमिक उपचार कर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

112 ग्राम चरस के साथ एक गिरफ्तार

खटीमा : चकरपुर पुलिस चौकी प्रभारी विकास कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। महत गांव, चकरपुर बाजार से होते हुए जब टीम वनखंडी मंदिर के पास पहुंची तो एक युवक वाहन की रोशनी में सड़क किनारे खड़ा दिखाई दिया। पुलिस टीम को देख युवक भागने का प्रयास करने लगा।

पुलिस कर्मियों ने घेराबंदी कर युवक को पकड़ लिया। युवक की तलाशी लेने पर उसके पास से 112.35 ग्राम चरस और 750 रूपये बरामद हुआ। पूछताछ में युवक ने स्वयं को चारूबेटा निवासी सोहेल मंसूरी बताया। आरोपी ने यह भी बताया कि वह चरस नेपाल के किसी व्यक्ति से लेकर आया हूं। जिसका नाम और पता नहीं जानता। चौकी प्रभारी विकास कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है।

फुटबॉल प्रतियोगिता में टनकपुर ने पंतनगर को 8-0 से दी शिकस्त

संवाददाता, शक्तिफार्म

टैगोर नगर में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में गोल के लिए जूझते खिलाड़ी।

अमृत विचार : टैगोर नगर में आयोजित टैगोर ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता के चौथे लीग मैच में, टनकपुर ने पंतनगर को 8-0 से करारी शिकस्त दी। हैट्रिक गोल दागने वाले गौरव को प्लेयर ऑफ दी मैच की ट्रॉफी दी गई।

टनकपुर की टीम पंतनगर पर मैच के शुरुआती दौर से ही हावी रही। खेल के पहले हाफ में टनकपुर के गौरव ने 10 वें और 14वें मिनट में, लगातार दो गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। मैच के हाफ टाइम से कुछ मिनट पहले अमन ने गोल कर टनकपुर को तीन गोल की बढ़त दिला दी। मैच के दूसरे हाफ के छठे मिनट में गौरव ने अपना तीसरा गोल कर हैट्रिक पूरा किया। इसके बाद टनकपुर के अजय ने आक्रामक खेल दिखाते हुए लगातार तीन गोल दागे। मैच के अंतिम क्षणों में मन्नत ने गोल कर टीम का स्कोर 8-0 पर पहुंचा दिया। उद्योगपति राजा विश्वास एवं व्यापार मंडल अध्यक्ष रविन्द्र अग्रवाल ने मैच का उद्घाटन किया। मैच में अखिलेश मंडल निर्णायक, प्रशांत एवं धीरज सहायक निर्णायक, पंकज राय, जयंत मंडल, सव्यसाची हालदार एवं सुनील सरकार उद्घोषक, दीपेन सेन एवं सुजीत विश्वास स्कोरर, उत्तम मल्लिक और नारायण विश्वास गोल जज रहे। इस मौके पर सुमित मंडल, सुनील विश्वास, संजय बाछड़, अशोक मंडल, रविंद्र विश्वास, सुबीर सरकार आदि मौजूद थे।

जुलूसे मुहम्मदी को लेकर मदरसा गौसिया में बैठक

- जुलूस में डीजे, ढोल, आतिशबाजी धूम्रपान न करने की हिदायत

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार : मदरसा गौसिया में जुलूसे मोहम्मदी को लेकर उलमा-ए-अहले सुन्नत संगठन की बैठक हुई। बैठक में जुलूस मोहम्मदी के अनुशासन और प्रबंधन पर लंबी चर्चा हुई ताकि जुलूस में किसी भी प्रकार का व्यवधान पैदा न हो।

सहमति व्यक्त की गई कि जुलूस मोहम्मदी इस्लाम और पैगंबर मुहम्मद की महानता, महिमा, प्रेम और स्नेह को व्यक्त करने का एक माध्यम है, इसलिए इसकी पवित्रता और शुद्धता को हर तरह से बनाए रखना आवश्यक है। यह भी बताया गया कि जुलूसे मोहम्मदी में डीजे, ढोल, आतिशबाजी, खेल, हंसी-मज़ाक, गाली-गलौच आदि सख्त मना है। वहीं जुलूस के दौरान धूम्रपान, गुटखा, पान व अन्य नशीले पदार्थों से परहेज़ करना ज़रूरी है। मिठाइयां और पवित्र उपहार बांटते समय विनम्रता और सम्मान बनाए रखें ताकि किसी का अपमान न हो। तय हुआ कि 5 सितंबर को सभी मस्जिदों में जुम्मे की नमाज 2 बजे होगी। मौलाना इरफान-उल-हक कादरी, मुफ्ती फरयाद आलम, मुफ्ती सईद अनवर इरशादी साहब, हाफिज इरशाद तहसीनी, मोहफिज रजा मिस्बाही, मुफ्ती मो मुकीम साहब, हाफिज शराफत हुसैन अजहरी, हाफिज अब्दुल बासित, हाफिज जफरुद्दीन, हाफिज इरशाद मुशाहिदी, मौलाना अदील फैयाजी, मौलाना जावेद अहमद, मौलाना अमान-उल-हक कादरी रहे।

विद्यार्थियों को विधिक अधिकार व मौलिक कर्तव्यों की दी जानकारी

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में विधिक सेवा शिविर में मौजूद विद्यार्थी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : समर स्टडी हाल विद्यालय में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में एक शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को विधिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों तथा न्याय तक सरल पहुंच के संबंध में जागरूक करना था।

गुरुवार को कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य अनुज भाटिया द्वारा मुख्य अतिथि आयशा फरहीन, सिविल जज जूनियर डिवीजन काशीपुर के स्वागत के साथ किया गया। शिविर में विशेषज्ञ वक्ताओं ने विद्यार्थियों को बाल अधिकारों, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, निशुल्क विधिक सहायता एवं सामाजिक न्याय से जुड़े विषयों पर जानकारी प्रदान की। शिविर में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा अधिकारियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

जज आयशा फरहीन ने बच्चों को दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ आगे बढ़ने तथा नशा किस प्रकार समाज के लिए अभिशाप बना हुआ है के विषय में जागरूक किया। इसके साथ ही सीओ दीपक सिंह ने विद्यार्थियों को उनकी सुरक्षा के विषय में जानकारी प्रदान की तथा विपरीत परिस्थितियों में वे किस प्रकार हेल्पलाइन नंबर का प्रयोग कर सकते हैं के विषय में बताया। वहां प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह, पैनल एडवोकेट अशोक कुमार शर्मा, गोमती चौहान, सोनम सिंघल, पीएलबी रणधीर सिंह, कुसुम लता, डा. शिवानी सिंघल आदि मौजूद रहे।

पुरानी रंजिश में चाचा और भतीजे ने युवक को पीटा

- पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर शुरू की जांच

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार : पुलिस क्षेत्राधिकारी भूपेंद्र सिंह धोनी को दी शिकायत में वार्ड नंबर 12, किच्छा निवासी सोहेल कुरैशी पुत्र साबिर कुरैशी ने बताया कि करीब चार वर्ष पूर्व नगर के स्लॉटर हाउस के निकट निवासी तहसीम पुत्र यासीन के साथ किसी बात को लेकर उसका विवाद हो गया था। घटना के बाद कुछ गणमान्य लोगों द्वारा पंचायत के माध्यम से दोनों पक्षों में समझौता करा दिया गया था।

पीड़ित के अनुसार समझौता होने के बावजूद आरोपी तहसीम ने रंजिश रखी। आरोप है कि षड्यंत्र के तहत विगत 16 अगस्त की शाम करीब 7 बजे आरोपी तहसीम अपने किच्छा निवासी चाचा फिरदौस पुत्र हबीब के साथ स्कूटी से पीड़ित के पास पहुंचा और काम का बहाना बनाकर दोनों पीड़ित को अपने साथ कोतवाली अंतर्गत लालपुर स्थित महिंद्रा फैक्ट्री के पीछे सुनसान जगह पर ले गए। जहां उसके साथ मारपीट की गई और बेहोशी की हालत में झाड़ियों में फेंककर मौके से फरार हो गए। कुछ देर बाद मौके पर पहुंचे राहगीरों ने फोन के माध्यम से पीड़ित के परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने गंभीर अवस्था में पीड़ित सोहेल को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल भर्ती कराया। सीओ भूपेंद्र सिंह धोनी के निर्देश पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

जोरआजमाइश पुलिस लाइन में विश्व चैंपियन दलजीत सिंह गौराया की देखरेख में हुआ आर्म रेसलिंग का ट्रायल

आर्म रेसलिंग में प्रतिभागियों ने दिखाया दमखम

संवाददाता, बाजपुर

आर्म रेसलिंग का ट्रायल करवाते विश्व चैंपियन बाजपुर के दलजीत सिंह गौराया।

अमृत विचार : आर्म रेसलिंग में विश्व चैंपियन एवं बाजपुर उपजिला चिकित्सालय के मुख्य फार्मेसी अधिकारी दलजीत सिंह गौराया ने पुलिस लाइन रुद्रपुर मे आर्म रेसलिंग का ट्रायल कराया।

गुरुवार को यह जानकारी देते हुए गौराया ने बताया कि 24वीं प्रादेशिक अंतरजनपदीय/वाहिनी पुलिस कुश्ती कलस्टर (कुश्ती, बाक्सिंग, बाडी बिल्डिंग, आर्म रेसलिंग) ट्रायल 26 एवं 27 अगस्त को पुलिस लाइन रुद्रपुर में करवाया गया, जिसमें 13 जनपदों एवं 7 पीएसी, आईआरबी, एसडीआरएफ, जीआरपी आदि की कुल 20 टीमों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि चयनित खिलाड़ी अगले माह 20 से 24 सितंबर को मधुबन हरियाणा में प्रस्तावित 74वीं आल इंडिया रेसलिंग कलस्टर में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में पहली बार आर्म रेसलिंग को उत्तराखंड पुलिस गेम्स मे शामिल किया गया था और तब से लगातार चार वर्षों से उनकी अगुवाई में उत्तराखंड पुलिस आर्म रेसलिंग गेम्स करवाए जा रहे हैं।

मुकेश पाल (चीफ कोच आल इंडिया पुलिस) के अथक प्रयासों से ही आर्म रेसलिंग गेम्स पुलिस गेम्स में शामिल हुआ था। उत्तराखंड पुलिस आर्म रेसलिंग गेम्स की जिम्मेदारी को बेहतर तरीके से निर्वहन करने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, एसपी क्राइम रुद्रपुर निहारिका तोमर, एसपी सिटी रुद्रपुर उत्तम सिंह नेगी, सीओ रुद्रपुर डीआर वर्मा, प्रतिसार निरीक्षक इंचार्ज पुलिस लाइन रुद्रपुर यशवंत पाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. केके अग्रवाल, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. महेंद्र जायसवाल, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक बाजपुर डॉ. पीडी गुप्ता, रेडियोलाजिस्ट डॉ. विनय यादव, सीनियर नर्सिंग आफिसर रीना सिंह, फार्मेसी अधिकारी मुकेश कुमार एवं मनु राही सहित नागरिकों और खेल प्रेमियों ने बधाई दी है।

पालिकाध्यक्ष गित्ते ने की खाली प्लाटों का सर्वे कराने की मांग

बाजपुर : नगरपालिका अध्यक्ष गुरजीत सिंह गित्ते ने तहसीलदार को पत्र प्रेषित कर नगर पालिका क्षेत्रांतर्गत खाली प्लाटों का स्थलीय सर्वे कराने की मांग की है। राजस्व व पालिका की संयुक्त टीम से सर्वे करवाकर खाली पड़े प्लाटों के स्वामियों की सूची पालिका को उपलब्ध करवाई जाए, ताकि प्लाट स्वामियों को सफाई वास्ते नोटिस जारी किए जा सकें। वहीं नगरीय क्षेत्र में बंदरों के बढ़ते आतंक को गंभीरता से लेते हुए चेयरमैन गित्ते ने अधिशासी अधिकारी को काशीपुर स्थित एनजीओ के माध्यम से बंदरों को पकड़ने के लिए निर्देशित किया है।

गुरजीत सिंह गित्ते।

विकास कार्यों को गति देने के लिए मेयर बाली ने सीएम से की मुलाकात

संवाददाता, काशीपुर

देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात करते मेयर दीपक बाली।

अमृत विचार : काशीपुर नगर निगम क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से मेयर दीपक बाली ने बुधवार को देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट की।

इस दौरान दोनों के बीच काशीपुर के समग्र विकास, अधोसंरचना और नगर की मूलभूत आवश्यकताओं से जुड़े विषयों पर सार्थक और विस्तृत चर्चा हुई। मेयर बाली ने मुख्यमंत्री के समक्ष काशीपुर शहर की प्रमुख आवश्यकताओं और समस्याओं को रखा। बताया कि नगर में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, सड़क, पेयजल, सीवरेज, स्वच्छता और ट्रैफिक प्रबंधन जैसे मुद्दों पर ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि काशीपुर को आधुनिक और स्मार्ट सिटी की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए विशेष योजनाओं को प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि काशीपुर की आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं को जल्द धरातल पर उतारने की कार्यवाही की जाए, ताकि जनता को शीघ्र ही विकास के परिणाम दिखाई दें। बैठक के बाद मेयर बाली ने कहा कि मुख्यमंत्री से हुई इस मुलाकात से काशीपुर के लिए नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे।

ब्रीफ न्यूज

वार्षिक बैठक में लक्ष्य वृद्धि पर जोर

बैरती (अल्मोड़ा) : ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना द्वारा वित्त पोषित माँ दूनागिरी स्वायत्त सहकारिता समूह नौगांव-अखोडिया की 9 वीं वार्षिक बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष में व्यावसायिक लक्ष्य की वृद्धि पर विशेष जोर दिया गया। क्षेत्र के महाकालेश्वर कार्यालय में आयोजित इस वार्षिक बैठक में सहकारिता समन्वयक पूरन सिंह भंडारी द्वारा शेयर धारकों की उपस्थिति में वर्ष 2024-25 की प्रगति एवं आय-व्यय रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। लाभांश के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 में उद्यमिता विकास पर विशेष बल देते हुए लक्ष्य वृद्धि को केन्द्रित किया गया।

एसएसबी ने रानीखेत में निकाली साइकिल रैली

रानीखेत : सशस्त्र सीमा बल सीमांत मुख्यालय रानीखेत में गुरुवार को स्कूली बच्चों एवं आम नागरिकों को राष्ट्रीय खेल दिवस के प्रति जागरुक करने हेतु साइकिल रैली का आयोजन किया गया। भारत सरकार, गृह मंत्रालय के तत्वावधान में श्री अमित कुमार, महानिरीक्षक सीमान्त मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल रानीखेत (उत्तराखंड) के निर्देशन में "मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस" के अवसर पर सीमांत मुख्यालय रानीखेत में दिनांक 29 अगस्त से 31 अगस्त तक राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की जागरूकता के लिए निकाली गई साईकिल रैली का शुभारंभ दुर्गा बहादुर सोनार (उप महानिरीक्षक) सीमांत मुख्यालय रानीखेत के द्वारा किया गया।

राहुल रावत का मेडिकल कॉलेज में चयन

बागेश्वर : गरुड़ विकास खण्ड के कुलाऊ निवासी एवं सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रूद्रपुर मे जन्तु विज्ञान विभाग में प्रयोगशाला सहायक के पद पर तैनात मदन रावत के सुपुत्र राहुल रावत का चयन नीट परीक्षा पास कर एमबीबीएस हेतु हुआ है। राहुल को उत्तराखण्ड कैडर में प्रथम वरीयता सूची में 262 क्रम पर सामान्य श्रेणी से राजकीय मेडिकल कालेज, अल्मोड़ा में एम.बी.बी.एस. हेतु दाखिला मिला है। मूल रूप से बागेश्वर जिले के कुलाऊं गांव निवासी राहुल बचपन से ही प्रतिभावान एवं मेधावी रहे हैं।

एडवोकेट कार्की इमर्जिंग अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित

चम्पावत : शिक्षा और समाज के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने पर चम्पावत निवासी डॉ. (एडवोकेट) श्याम सिंह कार्की को इमर्जिंग अचीवर्स अवार्ड 2025 से सम्मानित किया है। बुधवार को देश नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें सम्मानित किया गया। कार्की उत्तराखंड राज्य से चम्पावत जिले के एक मात्र व्यक्ति थे जिन्हें इस वर्ष इस पुरस्कार के लिए चुना गया था। उन्हें यह सम्मान पूर्व केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री विजय सांपला ने प्रदान किया। एडवोकेट कार्की लंबे समय से शिक्षा के साथ सामाजिक कार्यों में हमेशा आगे रहें हैं।

गोविंद बने विधायक प्रतिनिधि

लालकुआं : विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट ने भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता गोविंद सिंह राणा को लालकुआं नगर में अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। गोविंद सिंह राणा को विधायक प्रतिनिधि मनोनीत करने पर भाजपा मंडल अध्यक्ष अरुण जोशी, सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मण खाती, प्रेमनाथ पंडित, सभासद धन सिंह बिष्ट, पूर्व चेयरमैन लालचंद्र सिंह, पवन चौहान, हेमंत नरूला, बिंदुखत्ता मंडल अध्यक्ष नवीन पपोला, व्यापार मंडल अध्यक्ष दीवान सिंह बिष्ट, सभासद नेहा आर्य आदि ने उन्हें बधाई दी है।

सांस्कृतिक जुलूस में बिखरे लोक संस्कृति के रंग

अल्मोड़ा में सात दिवसीय मां नंदादेवी मेले का हुआ शुभारंभ, बच्चों ने नगर में निकाली भव्य शोभा यात्रा

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : मां नंदा-सुनंदा के आह्वान और गणेश पूजन के साथ ही नगर में सात दिवसीय नंदादेवी मेला शुरू हो गया है। गुरुवार के प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल माध्यम से मेले का शुभारंभ किया। मेला परिसर में दुकानें सजने के बाद चहल-पहल शुरू हो गई है।

बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंच शीश नवाया। गुरुवार को सांस्कृतिक नगरी में नंदादेवी मेले के शुभारंभ मौके पर छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक जुलूस निकाला। जुलूस में बच्चों ने लोक संस्कृति की छटा बिखेरी। जुलूस के बाद बच्चों ने नंदादेवी मंदिर परिसर में कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सांस्कृतिक जुलूस का उद्घाटन मुख्य अतिथि मेयर अजय वर्मा ने किया। इसके बाद ड्योड़िपोखर से नगर के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने मालरोड से मुख्य बाजार होते हुए नंदादेवी मंदिर तक भव्य सांस्कृतिक जुलूस निकाला। जुलूस में बच्चे नंदा-सुनंदा की झांकी समेत विभिन्न झांकियों को लेकर चल रहे थे। छात्राएं छोलिया नृत्य करते हुए आकर्षण का केंद्र बने। वहीं, नंदादेवी मंदिर परिसर में देर शाम संस्कार सांस्कृतिक एवं पर्यावरण संस्था के कलाकारों ने कुमाऊनी-गढ़वाली गीतों में शानदार नृत्य की प्रस्तुति देकर महोत्सव में रंग जमा दिया।

नंदादेवी मेले में सांस्कृतिक जुलूस निकालते विभिन्न विद्यालयों के बच्चे।

रानीखेत में मां नंदा सुनंदा की मूर्ति के निर्माण के लिए कदली वृक्ष लाते भक्तजन।

ड्योड़ीपोखर में नंदा जागर शुरू

नंदादेवी मेले को लेकर जगरिये भी पहुंच गये हैं। कार्यक्रम देखने लोगों का तांता लगा हुआ है। पांच सदस्यीय जगरियों की टीम ने शाम के समय ड्योड़ीपोखर मंदिर में नंदा जागर लगाई। जागर के दौरान लोगों को आशीर्वाद दिया।

केंद्रीय मंत्री अजय टम्टा ने धर्मशाला का किया लोकार्पण

अल्मोड़ा में गुरुवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा ने नवनिर्मित धर्मशाला का लोकार्पण किया। इधर, धर्मशाला को 70 लाख रुपये से अधिक लागत से इसे पहाड़ी शैली में तैयार किया गया है। नए धर्मशाला भवन में 9 कमरे और 24 बिस्तरों वाली डोरमैट्री होगी। बेहद कम शुल्क में मुसाफिरों को बेहतर विश्राम सुविधा मिलेगी।

यात्रा के साथ मां नंदा-सुनंदा महोत्सव का शुभारंभ

रानीखेत : कदली वृक्ष शोभा यात्रा के साथ पर्यटन नगरी में 135वें मां नंदा-सुनंदा महोत्सव की शुरूआत हो गई है। कदली वृक्षों से मां नंदा-सुनंदा की मूर्तियों का निर्माण कार्य शुरू होगा जिनकी 31 अगस्त को ब्रह्म मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा होगी। गुरुवार की सुबह मंदिर से पूर्व में आमंत्रित किए गए कदली वृक्षों को लाने के लिए यात्रा शुरू हुई। पारम्परिक नगाड़ों निशानों और छोलिया नृत्य के साथ मां नंदा-सुनंदा का जय घोष करते हुए श्रद्धालुओं ने वृक्षों की भव्य शोभा यात्रा निकाली। कदली शोभा यात्रा में मां नंदा सुनंदा महोत्सव समिति अध्यक्ष अंशुल साह, संरक्षक हरीश लाल साह, भुवन साह, हीरा सिंह रावत, विमल सती, दिनेश तिवारी, गिरीश भगत, भुवन साह आदि मौजूद रहे।

जगह-जगह कराया गया जलपान

नंदादेवी के शुभारंभ मौके पर झांकी में शामिल छात्र-छात्राओं व अन्य को देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल अल्मोड़ा, धर्म जागरण समन्वय अल्मोड़ा व विक्टोरिया क्लब की ओर से जलपान कराया गया। यहां जिलाध्यक्ष मनोज सिंह पवार, संजय साह, हिमांशु साह, वंदना वर्मा, दीप चंद्र जोशी, मनु गुप्ता, नीरज थापा, कमल बिष्ट, अरविंद चंद्र जोशी, शंकर जोशी, सूरज वाणी समेत कई लोगों ने सहयोग किया।

पिथौरागढ़ के मोस्टमानू मेले में देव डोला को कंधा देने के लिए होड़ मची रही।

पिथौरागढ़ में मोस्टमानू मेले में उठा देव डोला

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार : देवभूमि उत्तराखंड की सांस्कृतिक धरोहरों में मेलों का विशेष स्थान रहा है। आधुनिकता की तेज रफ्तार के बावजूद पहाड़ में मेलों का महत्व आज भी उतना ही गहरा है। ऐसा ही आस्था और परंपरा से जुड़ा आयोजन है, पिथौरागढ़ के सोरघाटी क्षेत्र में लगने वाला मोस्टमानू मेला।

गुरुवार को मोस्टमानू मेले में देव डोला उठने के साथ ही हजारों लोगों ने आशीर्वाद लिया। सदियों से मनाए जा रहे इस मेले में लोग मोस्टा देवता, जिन्हें बारिश के देवता वरुण देव का रूप माना जाता है, की पूजा करते हैं। मान्यता है कि अकाल के समय यहां मोस्टा देवता की आराधना करने पर झमाझम वर्षा हुई और तभी से हर साल भादों माह की ऋषि पंचमी पर यह मेला आयोजित किया जाने लगा। मेले का मुख्य आकर्षण मोस्टा देवता का डोला है, जिसे कंधा देने के लिए श्रद्धालुओं की होड़ लगी रहती है। विश्वास है कि इस डोले को कंधा देने वालों पर देवता की विशेष कृपा होती है। इस वर्ष मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल माध्यम से श्रद्धालुओं को संबोधित कर क्षेत्र के लिए अनेक घोषणाएं भी कीं। दूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालुओं का कहना है कि यह मेला उन्हें आस्था और ऊर्जा के साथ-साथ आपसी भाईचारे और एकता का संदेश भी देता है।

एनआई एक्ट में आरोपी को तीन माह की सजा

- 1.92 लाख रुपये के अर्थदंड से भी किया दंडित
- सिविल जज सीनीयर डिवीजन की अदालत ने सुनाया फैसला

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : एनआई एक्ट के एक मामले में न्यायालय सिविल जज सीडि की अदालत ने फैसला सुनाया है। मामले में आरोपी को दोषी मानते हुए तीन माह का कारावास व 1 लाख 92 हजार रुपये का जुर्माने से दंडित किया है।

अधिवक्ता मौ ईमरोज खान ने बताया कि अप्रैल 2024 में परिवादी आनंद सिंह, निवासी तुलेड़ी जलना लमगड़ा ने न्यायालय में एक वाद दायर किया। कहा कि आरोपी दीपक सिंह सतवाल, निवासी सत्यू लमगड़ा के साथ उनके पारिवारिक संबंध रहे हैं। इसके चलते उन्होंने ऋण दिया। कहा कि छोटे-मोटे ऋण खत्म कर वह बड़ा कर्ज लेना चाह रहा है। समय बीतने के बाद भी आरोपी ने रुपये वापस नहीं किए। बाद में अभियुक्त ने उन्हें एक के बाद एक दो चैक पकड़ा दिए, जो बैंक में बाउंस हो गए। पत्रावली में मौजूद साक्ष्य व गवाहों का परिसीलन कर न्यायालय में आरोपी को दोषी मामते हुए तीन माह का कारावास व 1 लाख 92 हजार रुपये का जुर्माने से दंडित किया है।

बच्ची से छेड़छाड़ का आरोपी दबोचा

अल्मोड़ा : सोमेश्वर क्षेत्र में एक नाबालिग बच्ची से छेड़छाड़ का मामला प्रकाश में आया है। मामले में शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार परिजनों ने अपनी आठ साल की बच्ची को सामान लेने के लिए एक दुकान में भेजा था। इस दौरान बच्ची के पड़ोस में ही रहने वाला आरोपी युवक उसे को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। आरोपी है कि युवक बच्ची को अपने घर ले गया और उसके साथ छेड़छाड़ की। परिजनों के पूछने बच्ची ने पूरी बात बताई। इस पर परिजन सोमश्वर कोतवाली पहुंचे और आरोपी के खिलाफ तहरीर दी।

छात्रों ने कुलसचिव का किया घेराव

- समाधान नहीं होने पर उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः एसएसजे परिसर में वाणिज्य व विधि संकाय में कक्षों की खस्ताहालत को लेकर छात्रों में रोष बना हुआ है। आर्यन छात्र संगठन से जुड़े छात्रों ने कुलसचिव का घेराव किया। जल्द समस्याओं का समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

गुरुवार को आक्रोशित छात्र कुलसचिव कार्यालय पहुंचे। मौके पर छात्रों ने कहा कि वाणिज्य व विधि संकाय में कक्षा कक्षों की हालत बेहद खराब है। दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें आई हुई हैं। छत से पानी टपक रहा है। इस कारण छात्रों के लिए बारिश के समय कक्षा में बैठना तक मुश्किल हो रहा है। हालत यह है कि छत कभी भी गिर सकती है।

एसएसजे में कुलसचिव का घेराव करते छात्र। ● अमृत विचार

छात्रों ने विवि प्रशासन पर कोरे आश्वासन देने का भी आरोप लगाया। कहा कि लंबे समय से कक्षाओं के सुधार का आश्वासन ही दिया जा रहा है, लेकिन आज भी हालत जस की तस बनी हुई है। छात्रों ने कुलसचिव से जल्द समस्या के समाधान की मांग की। कहा कि तीन दिन के भीतर निदान नहीं होने पर वह उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे। यहां पूर्व छात्रसंघ महासचिव गौरव भंडारी, योगेश जोशी, गोविंद प्रसाद, निशांत पांडे, विशाल सिंह बिष्ट, हिमांशु, पंकज सिंह कनवाल, हर्षित जीना, वैभव शाह, हिमांशु ढौडियाल, अविरल आदि रहे।

नई टेंडर नीति का विरोध जमकर की नारेबाजी

चम्पावत : लोक निर्माण विभाग चम्पावत परिसर में स्थानीय ठेकेदारों की बैठक में नई टेंडर नीति का विरोध करने का निर्णय लिया गया। जब तक ठेकेदारों के हित में निर्णय नहीं लिया जाता तब तक कोई भी ठेकेदार टेंड प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बनेगा और न ही निर्माण कार्य करवाएगा। ठेकेदारों ने नई नीति वापस लेने की मांग करते हुए नारेबाजी भी की। ठेकेदारों ने कहा कि पहले कार्य का अनुभव 25 प्रतिशत मांगा जाता था, जिसे अब 80 प्रतिशत कर दिया गया है। जबकि टर्नओवर 25 प्रतिशत से बढ़कर 200 प्रतिशत किया गया है। इस मौके पर अनिल बोहरा, प्रकाश चंद्र भट्ट, हरीश चंद्र जोशी, मनीष पांडेय, रितेश, जगदीश आदि थे।

शादी का झांसा दे किया चार वर्षों तक शारीरिक शोषण

शक्तिफार्म : गांव निवासी युवती ने एक युवक पर शादी का झांसा देकर 4 वर्षों तक शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया। पीड़ित युवती की शिकायत पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया। शक्तिफार्म निवासी युवती ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि गदरपुर निवासी प्रभाष बाईन पुत्र बाबू बाईन उसे शादी का झांसा देकर पिछले चार वर्षों से उसका शारीरिक शोषण करता आया। जब उन्होंने युवक से शादी के लिए कहा तो युवक टाल-मटोल करने लगा। मामले की शिकायत जब युवती ने युवक के परिजनों से की तो उसके परिजनों ने उसे प्रभास से शादी न कराने की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने प्रभाश बाईन, भाई कृष्णा बाईन एवं बहन काजल बाईन पर केस दर्ज कर लिया है।

डॉ. प्रमोद अग्रवाल को इंडिया स्टार अवार्ड

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : लायंस क्लब ग्रीन सिटी के अध्यक्ष डॉ. प्रमोद अग्रवाल गोल्डी को इंडिया स्टार इंडिपेंडेंस अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। उक्त सम्मान एडिटर इंडिया स्टार वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर से जारी किया गया।

डॉ. गोल्डी को यह अवार्ड उनके अद्भुत नोटों, सिक्कों, ऑटोग्राफ, फोटोग्राफ के अद्भुत संग्रह एवं 38 बार रक्तदान सहित समाज सेवा के क्षेत्र में विभिन्न उपलब्धियां के प्रतिफल में प्रदान किया गया है। डॉ. गोल्डी अब तक लिम्का बुक, इंडिया बुक, यूके बुक, यूपी बुक, इंडिया स्टार एवं गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कर चुके हैं। उनकी उपलब्धि पर व्यापार मंडल के डॉ. धर्म प्रकाश यादव, नवीन चंद्र वर्मा, राजीव अग्रवाल, गोल्डी मसाले के निदेशक सुरेंद्र गुप्ता, सोम गोयनका, लायंस क्लब के निशुल अग्रवाल, डॉ. अनुज अग्रवाल, अनुजकांत अग्रवाल, मुकेश गुप्ता सहित लायंस क्लब और व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

अवार्ड के साथ डॉ. प्रमोद अग्रवाल।

राज्य आंदोलन से जुड़े पूर्व सैनिकों में आक्रोश

खटीमा : उत्तराखंड राज्य आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाले पूर्व सैनिकों में पेंशन न मिलने से भारी आक्रोश है। उत्तराखंड राज्य आंदोलन से जुड़े पूर्व सैनिकों की बैठक में पृथक राज्य की मांग को लेकर चलाए गए आंदोलन में पूर्व सैनिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया था।

उन्होंने कहा कि एक सितंबर 1994 के राज्य आंदोलन में कई पूर्व सैनिक शहीद, घायल हुए। राज्य गठन के बाद पूर्व सरकार द्वारा जिन घायल सैनिकों को पेंशन दी जा रही थी। वह मौजूदा सरकार ने बंद कर दी है। राज्य आंदोलनकारी संगठन ने एक सितंबर से पूर्व उचित कार्यवाही की मांग कर रहे हैं। बैठक में कै. वीर बहादुर चंद, नारायण दत्त तिवारी, मुरलीधर फुलेरा, पुरन चंद, जवाहर सिंह सामंत, बीरबल चंद, राम सिंह, भीम चंद, जवाहर सिंह, जवाहर सिंह पोखरिया आदि मौजूद थे।

जागेश्वर धाम के सौंदर्यीकरण को 146 करोड़ की स्वीकृति

- 50 बेड का क्रिटिकल केयर ब्लॉक और महिला चिकित्सालय का अपग्रेडेशन

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मां नंदा देवी मेले के शुभारंभ अवसर पर वर्चुअल संबोधन दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम मानसखंड पर्वत माला मिशन के अंतर्गत हमारे कुमाऊं क्षेत्र के पौराणिक मंदिरों के पुनरुत्थान एवं सौंदर्यीकरण हेतु प्रयास कर रहे हैं। इस परियोजना के अंतर्गत जागेश्वर में मंदिर परिसर के मूल स्वरुप को संरक्षित रखते हुए मास्टर प्लान के अनुसार सौंदर्यीकरण हेतु विभिन्न कार्य गतिमान हैं। इसके लिए जहां एक ओर प्रथम चरण में हमारी सरकार द्वारा 146 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की जा चुकी है। वहीं दूसरे चरण के विकास कार्यों की भी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार द्वारा जहां एक ओर बेस अस्पताल के नए भवन का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, वहीं सोमेश्वर में 100 बेड के उपजिला चिकित्सालय में प्रथम चरण में 50 बेड के अस्पताल का निर्माण भी किया जा रहा है। इसके साथ ही, गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों के इलाज हेतु 50 बेड के अत्याधुनिक क्रिटिकल केयर ब्लॉक की स्थापना भी की जा रही है।

करीब 5 करोड़ रुपये की लागत से अल्मोड़ा महिला चिकित्सालय का अपग्रेडेशन भी किया जा रहा है। कहा कि हमने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत पिछले 3 वर्षों में अल्मोड़ा जनपद में 248 किमी सड़कों का निर्माण करने के साथ ही लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत भी करोड़ों की लागत से विभिन्न मोटरमार्गों का निर्माण एवं नवीनीकरण कार्य किया है। इसी क्रम में जहां लगभग 400 करोड़ की लागत से अल्मोड़ा-पौड़ी गढ़वाल-रुद्रप्रयाग को जोड़ने वाली सड़क का निर्माण करवाया गया। वहीं 922 करोड़ की लागत से अल्मोड़ा-बागेश्वर सड़क के चौड़ीकरण को भी मंजूरी प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम पहाड़ों से हो रहे पलायन को रोकने तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी कई महत्वपूर्ण परियोजनों पर कार्य कर रहे हैं।

उठाई मांग

मांग को लेकर शिक्षा मंत्री रावत से की मुलाकात, निदेशक को समायोजन के दिए निर्देश

समायोजन की प्रतीक्षा में 127 अस्थायी प्राध्यापक

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग के 127 नितांत अस्थायी प्राध्यापक बीते एक वर्ष से अपने कार्यस्थलों से बाहर हैं। वर्षों तक छात्रों को शिक्षित करने और शिक्षा व्यवस्था को मजबूती देने वाले ये प्राध्यापक आज बेरोजगारी और आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। कई प्राध्यापक अपने परिवार के भरण-पोषण, बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने में भी असमर्थ हो गए हैं।

इन प्राध्यापकों ने बीते 27 अगस्त को उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत और निदेशक प्रो. विश्वनाथ खाली से संयुक्त रूप से मुलाकात की। जिस दौरान मंत्री डॉ. रावत ने निदेशक को निर्देशित किया कि जहां पद रिक्त हैं, वहां शीघ्र समायोजन किया जाए और जिन विषयों में पद उपलब्ध नहीं हैं, वहां शेष प्रकरण शासन को भेजे जाएं ताकि समाधान निकल सके। प्रभावित प्राध्यापकों का कहना है कि उन्होंने 8 से 10 वर्षों तक लगातार पढ़ाया, परीक्षा ड्यूटी निभाई, कॉलेजों के शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों में योगदान दिया, लेकिन अब उन्हें व्यवस्था से बाहर कर दिया गया है। वे कहते हैं कि हम शिक्षा की रीढ़ हैं, लेकिन आज खुद असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। कहा कि सरकार को शीघ्र निर्णय लेकर उन्हें वापस कॉलेजों में भेजना चाहिए। कहा कि लंबे समय तक सेवा देने के बाद अब उन्हें एक तरह से बेरोजगार बना दिया गया है, जिससे उनका जीवन पटरी से उतर गया है। सरकार यदि शीघ्र निर्णय नहीं लेती है तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। समस्त नितांत अस्थायी प्रभावित प्राध्यापकों ने शासन से मानवीय दृष्टिकोण अपनाने और समायोजन प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने की मांग की है, ताकि वे पुनः शिक्षा व्यवस्था में योगदान दे सकें और उनके परिवारों को राहत मिल सके।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत से मुलाकात के दौरान मौजूद सेवा से बाहर किए गए अस्थायी प्राध्यापक।

लोहाघाट में 188 और चम्पावत में 166 मतदेय स्थल हुए प्रस्तावित

- भौतिक सत्यापन के बाद प्रस्तावित किए गए नए मतदेय स्थल

संवाददाता, टनकपुर/चम्पावत

अमृत विचार : भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में जनपद के चम्पावत और लोहाघाट विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के अंतर्गत स्थापित मतदेय स्थलों का शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन पूर्ण कर लिया गया है। निर्वाचक एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (उपजिलाधिकारी/तहसीलदार) से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर मतदेय स्थलों के परिवर्तन, परिवर्धन एवं संशोधन का प्रकाशन कर दिया गया है।

गुरुवार को जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में बताया गया कि 54 विधान सभा क्षेत्र लोहाघाट में वर्तमान में 185 मतदेय स्थल हैं। भौतिक सत्यापन के बाद दो किमी से अधिक पैदल दूरी के कारण राजकीय प्राथमिक विद्यालय लधौन एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालय वारसी को नए मतदेय स्थल के रूप में तथा 1150 से अधिक मतदाता संख्या होने के कारण राजकीय प्राथमिक विद्यालय डेंसली को नया मतदेय स्थल बनाने का प्रस्ताव है। इस प्रकार लोहाघाट क्षेत्र में मतदेय स्थलों की संख्या बढ़कर 188 हो जाएगी। एक नाम परिवर्तन एवं जीर्ण-क्षीण भवनों के स्थान पर अन्य शासकीय भवनों में दो भवन परिवर्तन प्रस्ताव भी प्राप्त हुए हैं। 55 विधान सभा क्षेत्र चम्पावत में वर्तमान में 159 मतदेय स्थल हैं। भौतिक सत्यापन के बाद दो किमी से अधिक पैदल दूरी के कारण राजकीय प्राथमिक विद्यालय बड़पास, नन्दोला, भनार, गुरखोली एवं राजकीय पालीटेक्निक चम्पावत को नए मतदेय स्थल के रूप में प्रस्तावित किया गया यहै। 1150 से अधिक मतदाता संख्या होने के कारण राजकीय प्राथमिक विद्यालय चंदनी कक्ष नंबर दो एवं राजकीय पालीटेक्निक टनकपुर कक्ष नंबर दो को नए मतदेय स्थल बनाने का प्रस्ताव है। अब चम्पावत क्षेत्र में मतदेय स्थलों की संख्या बढ़कर 166 हो जाएगी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी जयवर्धन शर्मा, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नीतू डांगर व अनुराग आर्या आदि मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में विजन पब्लिक स्कूल बना विजेता

टनकपुर : भारत विकास परिषद द्वारा राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता का आयोजन मिलन वाटिका में किया गया। मुख्य अतिथि पुलिस क्षेत्राधिकारी वंदना वर्मा, विशिष्ट अतिथि विधायक प्रतिनिधि दीपक रजवार ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान विजन पब्लिक स्कूल, द्वितीय स्थान ब्लू माउंटेन स्कूल तथा तृतीय स्थान पैरामाउंट पब्लिक स्कूल को मिला। सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह एवं सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को सान्त्वना पुरस्कार एवं सर्टिफिकेट दिए। प्रथम स्थान प्राप्त टीम प्रांत में प्रतिभाग करेगी। कार्यक्रम संयोजक अंकुर टंडन, नवल किशोर तिवारी, डॉ. मनुश्रवा आर्य, अध्यक्ष भुवन जोशी, सचिव सत्यप्रकाश गुप्ता आदि मौजूद थे।

अमृत विचार

शुक्रवार, 29 अगस्त 2025

विनम्र बनो! यह उस तरह का अभिमान है, जो सबसे कम ठेस पहुंचाता है।
–**जूल्स रेनार्ड**, फ्रांसीसी लेखक

विकास का बहुआयामी होना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समृद्धशाली सूबे के 'बीमारू राज्य' में बदलने की जिन वजहों को गिनाया और हाल के वर्षों में इस छवि से बाहर निकालकर 'उत्तम प्रदेश' की नई पहचान बनाने के जो कारण बताए, वे तथ्यपरक और सटीक हैं। निःसंदेह, भेदभाव और बंदरबांट की राजनीति, अकुशल प्रशासन तथा अदूरदर्शी नीतियों के चलते प्रदेश का हाल बेहाल हुआ था। पर 'बीती ताहि बिसारि दे' ही बेहतर है। उचित है कि वर्तमान के प्रगतिगामी कार्यों के आलोक में सूबे की तस्वीर देखें और जहां रंग फीके हैं, वहां नए रंग भरें। देखना होगा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, अवसंरचना, उद्योग-उद्यम के विकास तथा परिवहन, पानी, बिजली और स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता और बेहतर कैसे बनें। विकास का प्रभाव प्रायः बहुआयामी होता है। जैसे- कुपोषण कम हुआ तो बौनापन, वजन की कमी, सूखा रोग, शिशु मृत्यु-दर के साथ-साथ महिलाओं में एनीमिया और मातृ मृत्यु-दर भी घटी। इसी प्रकार, निवेश और उद्योग-उद्यम बढ़े तो निर्माण और रोजगार के अवसर बढ़े, उससे खरीद क्षमता और खपत बढ़ी, बाजार और कर-संग्रह दोनों में वृद्धि हुई। मुख्यमंत्री इस तथ्य को भली-भांति समझते हैं, इसलिए उनके विकास का लक्ष्य एकांगी नहीं, बहुआयामी है। उनकी नीतियां और योजनाएं सर्वांगीण विकास का दृष्टिकोण रखती हैं।

पिछले कुछ वर्षों में राज्य ने शिक्षा, रोजगार, वित्त और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किए, साथ ही उद्योग, निर्माण, कृषि और कानून-व्यवस्था में भी प्रगति के स्पष्ट संकेत दिखे। यह परिवर्तन आंकड़ों की बाजीगरी नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर अनुभवजन्य सच्चाई है। बेसिक मेटल, मोटर वाहन, केमिकल उत्पाद, फूड प्रोडक्ट्स और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश ने नई पहचान बनाई है। डिफेंस कॉरिडोर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, टेक्सटाइल और फूड प्रोसेसिंग में बड़े निवेश के चलते यह सूबा देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों की पंक्ति में खड़ा हो चुका है। रोजगार और फैक्ट्री इकाइयों की संख्या के लिहाज से भी उत्तर प्रदेश शीर्ष पांच राज्यों में शामिल है। सुखद तथ्य यह है कि यह राज्य इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट निर्माण का प्रमुख हब बनकर उभर रहा है।

विकास के विभिन्न सूचकांकों में तेजी से ऊपर आता उत्तर प्रदेश अब उन राज्यों से प्रतिस्पर्धा कर रहा है, जो भौगोलिक स्थिति, छोटे आकार या अन्य विशेषताओं के चलते लंबे समय से शीर्ष पर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीतियां और उनकी कार्यान्वयन क्षमता इस परिवर्तन की धुरी हैं। यदि यही गति बरकरार रही तो उत्तर प्रदेश न केवल 'बीमारू राज्य' की छवि से मुक्त होगा, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाला प्रमुख इंजन भी बनेगा। फिलहाल आवश्यकता इस बात की है कि सरकार विभिन्न क्षेत्रों की नियमित समीक्षा कर यह पहचाने कि किन क्षेत्रों में अभी गहन कार्य अपेक्षित है। वहां प्राथमिकता के आधार पर नई योजनाएं बनाई जाएं और जिन योजनाओं ने पहले ही सफलता के संकेत दिए हैं, उन्हें और विस्तारित किया जाए। 25 करोड़ से अधिक आबादी वाला यह राज्य जिस दिन अपनी पूर्ण क्षमता के साथ खड़ा होगा, उस दिन भारत की प्रगति का एक नया अध्याय लिखा जाएगा।

तेजस्वी-पप्पू के मिलन का बिहार चुनाव पर असर

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

राहुल गांधी की बिहार में वोट अधिकार यात्रा का फायदा आसन्न विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अथवा इंडिया गठबंधन को कितना हो पाता है, यह अभी भविष्य के गर्भ में है, लेकिन इस यात्रा से एक बात यह सामने आई है कि राहुल गांधी के पिछले बिहार यात्राओं के बनिस्बत इस बार की यात्रा में जनता का समर्थन भरपूर है, साथ ही उनके भाषणों को जनता खूब सुन रही है। जाहिर है राहुल की इस यात्रा में भीड़ कहीं न कहीं से जुटाई ही जा रही होगी, लेकिन उसे कोई प्रलोभन दिया जा रहा हो, ऐसा नहीं है। बिहार में फिलहाल अभी तक राहुल जहां-जहां गए वहां की सच्चाई यही है। लोगों का कहना है कि राहुल गांधी का वोट चोरी का मुद्दा जमीनी है, जिसे जनता खूब पसंद कर रही है।

राहुल गांधी के बिहार में वोट अधिकार यात्रा को लेकर संशय था कि इसमें पप्पू यादव कहां हैं? दरअसल यात्रा में राहुल और तेजस्वी यादव ही दिखते थे। यह अलग बात है कि यदा-कदा गठबंधन के कुछ और सहयोगी भी दिख जाते थे। पूर्णिया में राहुल और तेजस्वी के नेतृत्व वाली वोट अधिकार यात्रा में पप्पू यादव ने इस सवाल पर विराम लगा दिया।

पप्पू यादव के लालू यादव परिवार से मतभेद जगजाहिर हैं। पूर्णिया से पप्पू यादव के निर्दल चुनाव लड़ने के पीछे लालू यादव ही थे, जिन्होंने उन्हें कांग्रेस से टिकट नहीं लेने दिया, जबकि राहुल गांधी टिकट देना चाहते थे। बहरहाल, पूर्णिया में वोट अधिकार यात्रा में पप्पू यादव ने अपनी ताकत का एहसास कराया ही, तेजस्वी यादव को बिहार का जननायक बताते हुए उनका शानदार खैरमकदम भी किया। इसे लालू और पप्पू यादव के बीच सब कुछ ठीक-ठाक हो जाने की दृष्टि से देखा जा रहा है। लोगों का मानना है कि पप्पू यादव और लालू यादव परिवार की कटुता पर विराम लगने से बिहार में कांग्रेस और आरजेडी गठबंधन को फायदा मिल सकता है।

बिहार की राजनीति में पप्पू यादव एक मजबूत स्तंभ हैं। सबसे कम उम्र में उन्हें विधायक होने का भी तमगा हासिल है और सर्वाधिक बार निर्दलीय सांसद होने का भी खिताब इन्हीं के हिस्से है। बिहार की राजनीति मुख्यतः लालू यादव की पार्टी आरजेडी और नीतीश कुमार की जदयू के इर्द-गिर्द ही सिमटती दिखती है। इनके साथ गठबंधन में चाहे जो हो, उनको यदि फायदा मिलता है तो इन्हीं के बदौलत। हां, जदयू गठबंधन की मुख्य सहयोगी भाजपा इस बार कुछ अलग करने की कोशिश में जरूर है।

पप्पू यादव कभी लालू यादव के खासमखास थे। 2004 में वे राजद उम्मीदवार के रूप में ही मधेपुरा से लोकसभा का उपचुनाव जीते थे। सपा से भी एक बार सांसद चुने गए थे। 2015 में उन्होंने अपनी राजनीतिक पार्टी बनाई थी 'जन अधिकार पार्टी'। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में यह पार्टी भारी ताम-झाम के साथ चुनाव मैदान में उतरी थी, लेकिन एक भी सीट पर कामयाबी नहीं मिली। कोरोना हो या बाढ़, हर वक्त लोगों के बीच मौजूद रहने वाले पप्पू यादव को झटका लगा, जब वे 2020 के विधानसभा चुनाव में खुद ही हार गए।

यह अचरज की बात है कि विधानसभा चुनाव में खराब रिकॉर्ड वाले पप्पू यादव लोकसभा का चार चुनाव निर्दल जीतने में कामयाब होते रहे। 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले उन्होंने अपनी पार्टी का विलय कांग्रेस में कर लिया था। उनकी इच्छा पूर्णिया से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने की थी। आरजेडी ने इस पर पानी फेर दिया था, लिहाजा उन्हें निर्दल लड़ना पड़ा। वे जीते भी।

पूर्णिया में राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा के दौरान पप्पू यादव और तेजस्वी यादव के बीच कटुता समाप्त होने के संकेत मिले हैं। कांग्रेस खासकर राहुल गांधी स्वयं चाहते थे कि बिहार की राजनीति में ताकतवर दोनों यादव परिवार एक हों। पूर्णिया में पप्पू यादव और तेजस्वी के बीच मेल-मिलाप देख दोनों दलों के नेताओं को खुशी हुई है। लोगों का आकलन है कि विधानसभा चुनाव में बिहार के सीमांचल में इसका फायदा कांग्रेस गठबंधन को मिलना चाहिए।

आरजेडी के साथ कांग्रेस का गठबंधन भले ही है, या ये दोनों लंबे समय तक साथ रहना चाहते हों, लेकिन कांग्रेस बिहार में अपनी मजबूती के लिए लगातार संघर्षरत है। कुछ दिन पहले बिहार में कांग्रेस ने एक और आंदोलन किया था 'रोजगार दो या गद्दी छोड़ो'। इस आंदोलन की रूपरेखा बिहार के युवा प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने तैयार की थी। बिहार के सभी 38 जिला मुख्यालयों पर आयोजित यह कार्यक्रम काफी कामयाब रहा। इसके पहले कन्हैया कुमार ने युवाओं के रोजगार और पलायन के मुद्दे पर बिहार भर की पद यात्रा की थी।

चुनाव के ठीक पहले बिहार में कांग्रेस अथवा इंडिया गठबंधन को वोट अधिकार यात्रा का मौका बैठे-बिठाए चुनाव आयोग ने दे दिया। विधानसभा चुनाव के कुछ महीने पहले चुनाव आयोग का यह फैसला चौंकाने वाला था। ऐन विधानसभा चुनाव के वक्त चुनाव आयोग को एसआईआर की जरूरत क्यों पड़ी? क्या इस बार जदयू-भाजपा गठबंधन का सत्ता से हटने का डर था? यह लंबी बहस का विषय है। हां यह जरूर है कि भाजपा को जिस-जिस प्रदेश में सत्ता से दूर होने का खतरा हुआ, भाजपा वहां हर हाल जीतने को पूरी ताकत झोंक देती है। महाराष्ट्र और हरियाणा इसका उदाहरण है। बिहार में भी ऐसा न हो इसकी कोई गारंटी नहीं है।

पप्पू यादव और तेजस्वी यादव में कटुता समाप्त होने के संकेत हैं। सियासत में अलगाव व मिलाप नई बात नहीं, महत्वपूर्ण यह है कि इस मिलन से राजनीतिक लाभ कितना होगा?

सोशल फोरम

फोर्ड ने कहा- बशर्ते कि मेरी पत्नी मेरे साथ हो!

हिस्ट्री ऑवर
फेसबुक

19वीं सदी के अंत में, अमेरिका के डेट्रॉइट शहर में, एक युवा मैकेनिक एक बिजली कंपनी में दिन में दस घंटे काम करके हफ्ते में केवल ग्यारह डॉलर कमाता था। यह उसका रोज का काम था।

हर शाम काम से लौट कर वह अपने घर के पीछे बने एक छोटे से शेड में जाता था। आराम करने के लिए नहीं, बल्कि कुछ ऐसा बनाने के लिए, जिसे लोग असंभव मानते थे। उसके पिता इसे समय की बर्बादी कहते थे। पड़ोसी उसका मजाक उड़ाते थे। 'बिना घोड़े की गाड़ी' का विचार लोगों को पागलपन जैसा लगता था।

उस व्यक्ति को यकीन था कि वह इसे कर सकता है। उसकी पत्नी हर रात घंटों तक उसके साथ खड़ी रहती थी, मिट्टी के तेल का लैंप लेकर, ताकि अंधेरे में वो काम कर सके, सर्दी में ठिठुरते हुए उंगलियां सुन्न पड़ जाती थीं। सर्दी-जुकाम के बावजूद वह किसी रात बिना काम किए नहीं सोता था।

उसकी पत्नी उसकी क्षमताओं पर यकीन करती थी। एक समय ऐसा भी आया जब वह खुद पर शक करने लगा था कि क्या वह इसे बना पाएगा या नहीं, लेकिन उसकी पत्नी ने उसका हौसला और यकीन बनाए रखा।

एक दिन लोगों ने शेड से एक अजीब सी आवाज सुनी। उत्सुक पड़ोसियों ने बाहर झांका और 'पागल आदमी' और उसकी पत्नी को बिना घोड़ों की गाड़ी में सड़क पर चलते हुए देखा।

उस 'पागल आदमी' का नाम हेनरी फोर्ड था।

कई साल बाद एक पत्रकार ने उनसे पूछा, "अगर आप अपनी जिंदगी दोबारा जीना चाहें, तो आप कौन होंगे?"

फोर्ड ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "कोई भी बशर्ते मेरी पत्नी मेरे साथ हो।"

प्रसंगवश

मेजर ध्यानचंद ने जब ठुकरा दिया हिटलर का प्रस्ताव

नेशनल स्पोर्ट्स डे है आज। राष्ट्रीय खेल दिवस हॉकी के लीजेंड मेजर ध्यानचंद जी को समर्पित है। उनका जन्म 29 अगस्त 1905 को उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में हुआ था। इनके पिता परमेश्वर सिंह, ब्रिटिश आर्मी में सैनिक थे। 1922 ईस्वी में ध्यानचंद भी फौज में भर्ती हो गए। बचपन से ही हॉकी के प्रति उनके मन में जुनून था। सूबेदार वाली तिवारी ने उन्हें खेल की बारीकियां सिखाईं और निरंतर अभ्यास से ध्यनचंद ने हॉकी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

दीप चंद भारद्वाज
लेखक

1922 से 1926 तक ध्यानचंद ने आर्मी के होने वाले टूर्नामेंट में भाग लिया। न्यूजीलैंड में होने वाले आर्मी टूर्नामेंट में अपनी टीम का नेतृत्व करके 21 में से 18 मैचों में विजय प्राप्त की।

मेजर ध्यानचंद ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल के बल पर भारत को हॉकी में तीन बार लगातार स्वर्ण पदक दिलवाया। सर्वप्रथम 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक में उन्होंने अपना अभूतपूर्व योगदान दिया। इस टूर्नामेंट में उन्होंने चौदह गोल दागे। इस ओलंपिक में फाइनल मैच के दौरान ध्यानचंद जी का स्वास्थ्य ठीक नहीं था, परंतु मन में मैच खेलने का जुनून और दृढ संकल्प था। 1928 के ओलंपिक में मेजर ध्यानचंद ने अपनी टीम के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहली बार भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। यहीं से पहली बार उनके नाम के साथ जादूगर जोड़ा गया।

विदेशी अखबारों ने हॉकी खेलने की इनकी कला को देखकर ध्यानचंद को जादू की छड़ी, हॉकी का जादूगर, हॉकी विजार्ड का टाइटल दिया। जब पहला ओलंपिक गोल्ड लेकर हॉकी टीम मुंबई के डॉकयार्ड पर पहुंची तो वहां पर इनको देखने के लिए इतनी भीड़ थी कि 24 घंटे के लिए विमानों की आवाजाही बंद करनी पड़ी। 1932 में लॉस एंजेल्स ओलंपिक में भी इंडियन हॉकी ने अपना परचम फहराते हुए दूसरा गोल्ड प्राप्त किया।

बर्लिन में 1936 में हुआ ओलंपिक सदैव स्मरणीय रहेगा। भारत और जर्मनी के बीच फाइनल हॉकी मैच देखने के लिए स्वयं एडोल्फ हिटलर स्टेडियम में मौजूद था। तब चारों तरफ मेजर ध्यानचंद के नाम का डंका बजता था। जर्मनी की टीम हर हाल में यह मैच जीतना चाहती थी। इसके लिए जर्मन के खिलाड़ी बदतमीजी और धक्का-मुक्की पर उतर आए। जर्मन गोल कीपर टीटो वार्नहाल्ज से टकराने के कारण मेजर ध्यानचंद के दांत टूट गए, लेकिन वह जल्द ही मैदान पर आए और जर्मनी को 8-1 से बुरी तरह हराया।

इस मैच में मेजर ध्यानचंद ने चार गोल दागे थे। ध्यानचंद के खेल से प्रभावित होकर हिटलर ने उन्हें जर्मन नागरिकता देने का प्रस्ताव दिया। साथ ही वहां की सेना में कर्नल बनाने के साथ धन-दौलत का भी लालच दिया। मेजर ध्यानचंद ने अपनी देशभक्ति का परिचय देते हुए यह कहकर इसे ठुकरा दिया कि मैं केवल भारतीय हूं और भारत के लिए ही खेलूंगा।

मेजर ध्यानचंद को अपनी गेंद नियंत्रण की कला में महारत हासिल थी। हॉकी के लिए उनमें अद्वितीय क्षमताएं थी। उनकी हॉकी स्टिक में एक ऐसा जादू था कि जैसे ही गेंद उसके संपर्क में आती थी तो सीधे गोल की तरफ ही जाती थी। एक बार यह अफवाह फैल गई कि उनकी हॉकी में कुछ इस तरह की चीज है, जिससे गेंद चिपक जाती है। एक बार मैच के दौरान यही जांचने के लिए उनकी हॉकी को तोड़ा गया था कि कहीं उसके अंदर कोई चुंबक तो नहीं।

आमने

मानव जीवन के लिए सुरक्षा महत्वपूर्ण विषय है। जहां-जहां सुरक्षा के एहसास का अभाव होता है, वहां से व्यक्ति पलायन कर जाता है। संभल में जिस तरह से बार-बार दंगे हुए, उससे बड़ी संख्या में हिंदुओं को पलायन करना पड़ा।
–**राकेश त्रिपाठी**
भाजपा के प्रवक्ता

सामने

संभल में पिछले नौ साल से जो हिंदू पलायन किए हैं, इसके लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। नौ साल से यूपी में भाजपा की सरकार है और लगातार पूरे प्रदेश में तनाव, हिंसा और नफरत फैलाने की दोषी और जिम्मेदार है।
–**रविदास मेहरोत्रा**
सपा के सांसद

तुम तरस नहीं खाते हो बेटियां जलाने में!

तारकेश्वर मिश्र
स्वतंत्र पत्रकार

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जो काफी ज्यादा सुर्खियों में है। यहां निक्की नाम की एक विवाहिता की दर्दनाक मौत हो गई। सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि निक्की आग से जलती हुई सीढ़ियों से नीचे उतर रही है और अपनी जान बचाने के लिए खुद जंग लड़ रही है। यह दहेज-हत्या ही है।

भारत में दहेज प्रथा की शुरुआत मूल रूप से शादी के बाद बेटियों को आर्थिक मदद देने के एक तरीके के रूप में की गई थी। सदियों से चली आ रही यह प्रथा धीरे-धीरे डिमांड के रूप में बदल गई, जिसने परिवारों पर भारी दबाव डाला और शोषण को जन्म दिया।

हम बार-बार हैरान होते हैं कि जिसे अपना जीवन-साथी बनाया हो, अग्नि को साक्षी मानकर फेरे लिए और सात कसमें खाई हों, उसे ही आग की लपटों के हवाले करने की बर्बरता कैसे की होगी? कोई राक्षस ही ऐसा पाश्विक अपराध कर सकता है। यह मामला सामने आने के बाद एक बार फिर से यह सवाल उठ रहा है कि क्या हमारा कानून और समाज सच में महिलाओं को सुरक्षा देने में अब तक सक्षम हैं? अपने देश भारत में दहेज के लालच ने दशकों से महिलाओं को मौत की आग में झोंका है।

एक बेटी मां-बाप का घर परित्याग कर एक अपरिचित घर में जाती है। उस घर का चिराग बनकर, उस घर का चिराग प्रज्वलित करने जाती है। उसी का उत्पीड़न किया जाता है और अंततः उसे ही जला कर मार दिया जाता है। दहेज का लालच 'दानव' बन जाता है। यह कैसी नियति है, प्रभु? बेटी बाबुल के घर को अलविदा कहती है, लेकिन यह कैसी सामाजिक और सड़ियल व्यवस्था है, जो बेटी को ही जलने, कटने और अंततः मरने को छोड़ देती है?

ग्रेटर नोएडा की बेटी निक्की अपने साथ खूब धन-धान्य लेकर ससुराल आई थी। इसे 'दहेज' भी कह सकते हैं, लेकिन पति, सास आदि की 35 लाख रुपये की ललचाई मानसिकता ने, अंततः बेटी को मौत तक पहुंचा दिया। हमें एक पत्रकार-मित्र की बेटी के रिश्ते का मामला याद आता है, जब प्रस्तावित वर के मामा ने पहला सवाल किया था कि आपका बजट कितना है, तो बेटी के पापा ने पलटकर जवाब दिया था- 'क्या शादी बजट से की जानी है? हम औसत घर-परिवार वाले हैं। शादी वर-वधु के बीच होनी है। क्या गरीबों की बेटियों की शादी नहीं होती?' मामाजी खामोश, निरुत्तर हो गए।

निक्की के माता-पिता ने भी कड़ा रुख अख्तियार किया होता, तो शायद बेटी का रिश्ता किसी और परिवार में होता, लेकिन बेटी जिंदा और सुरक्षित रहती! राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक, दहेज-हत्याओं के क्रूर सच उत्तर प्रदेश के अलावा, बिहार और हरियाणा के कई पॉकेट्स में भी हैं। वहां दहेज एक सामान्य चलन और परंपरा है।

निक्की जैसी बेटियों की पहुंच किसी कानून, सरकारी या गैर-सरकारी संरक्षण तक नहीं है। बस बेटियों की शादी कर दी जाती है और उन्हें प्रताड़ना, हिंसा और मौत के लिए छोड़ दिया जाता है। कानून तो है, लेकिन ऐसा नहीं है, जो बेटियों को पूरी सुरक्षा दे सके। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो यानी एनसीआरबी के अनुसार, 2022 में दहेज हत्या के कुल 6450 मामले दर्ज हुए थे।

इस आंकड़े के अनुसार बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान और हरियाणा में अकेले 80 प्रतिशत मामले सामने आए हैं। हर तीन दिन में लगभग 54 महिलाएं दहेज प्रताड़ना और हत्या का शिकार होती रही हैं। यह सिर्फ संख्या या आंकड़े नहीं हैं, ये एक दर्दनाक सच्चाई है। 2022 में दहेज-हत्या ट्रायल में सजा की दर 33 फीसदी थी, लेकिन दहेज से जुड़े सभी मामलों में, उस साल लंबित मामले 60,577 थे, सजा की दर मात्र दो फीसदी रही।

दहेज हत्या या दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ना के मामले सामने तो आते हैं, लेकिन हर साल हजारों महिलाओं का जीवन इसकी भेंट चढ़ रहा है। जांच, मुकदमेबाजी और सजा की धीमी प्रक्रिया आरोपियों को बचाने वाली बन चुकी है। आखिर दहेज के कारण बेटियां कब तक मारी जाती रहेंगी?

दहेज-हत्या के मामलों में साक्ष्य मिटा दिए जाते हैं, फोरेंसिक तोड़-मरोड़ दिए जाते हैं, ऐसी जांच अप्रशिक्षित सफाई कर्मचारी ही करते हैं, क्योंकि ऐसी शव-परीक्षा करने और चीर-फाड़ करने से डॉक्टर इंकार कर देते हैं। अंततः दहेज निषेध अधिनियम के तहत दुरुपयोग के जो आरोप लगाए जाते हैं, वे अंततः थकने लगते हैं और अपराधियों की स्थिति को पुख्ता करते हैं।

दहेज के खिलाफ दहेज निषेध अधिनियम 1961, आईपीसी की धारा 304बी और 498ए और प्रोटेक्शन ऑफ वुमेन फ्रॉम डोमेस्टिक वायलेंस एक्ट 2005 जैसे कानून मौजूद हैं। फिर भी न्याय की राह में मुख्य तीन बाधाएं बनी हुई हैः पहला देर से जांच और सुनवाई। दूसरा लॉ फर्मेस की अनुपस्थिति अंतिम और तीसरा सामाजिक जागरूकता का अभाव। नतीजतन दहेज-हत्या की शिकार बेटी को इंसाफ या तो मिलता नहीं अथवा बहुत देर से मिलता है।

जरा सोचिए, निक्की वाले मामले में जो प्राथमिकी दर्ज की गई है, उसमें दहेज निषेध कानून की धारा 80 बीएनएस को लागू ही नहीं किया गया है। अन्याय की शुरुआत बुनियाद से ही होती है। क्या हमारी व्यवस्था ही नारी जाति से द्वेष करती है? अथवा पुलिस की मिलीभगत होती है? ईमानदारी से कम कोई और रास्ता नहीं है। ऐसे मामलों में कड़ी जांच की जाए और डॉक्टरों को जांच के लिए बाध्य किया जाए और यथाशीघ्र सजा सुनाई जाए।

21वीं सदी का चौथाई हिस्सा बीत जाने को है। आधुनिकता के नारों के बीच भी अगर बेटियां जलाई जा रही हैं तो यह शर्म और चिंतन का विषय है।

सामयिकी

जीवन देने वाले पेड़ ही जब बन जाएं जानलेवा

जश्ने आजादी की पूर्व संध्या पर जब तगड़ी बरसात हो रही थी, दक्षिण दिल्ली के कालकाजी में 50 साल का एक व्यक्ति नीम के पेड़ की छांव में इस इरादे से आया कि वह भीगने से बच पाएगा, लेकिन 20 साल से अधिक पुराना पेड़ जड़ से उखड़ गया और उस व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसकी बेटी अस्पताल में जीवन के लिए संघर्ष कर रही है। स्थानीय लोग बताते हैं कि लगातार हो रही बारिश के कारण पेड़ के आसपास की मिट्टी बह गई थी, इस वजह से पेड़ गिर गया।

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

हर बार की तरह दिल्ली नगर निगम ने कमजोर पेड़ों की पहचान, छंटाई की बात दोहरा दी है, लेकिन कभी इस पर कोई विधिवत अध्ययन नहीं हुआ कि दिल्ली व उससे सटे इलाकों में थोड़ी सी बरसात के बाद डिवायडर या फुटपाथ पर लगे पेड़ जमीन क्यों चूमने लगते हैं? जबकि हर बार बरसात या थोड़ी आंधी में ऐसे गिरे हुए पेड़ भले ही जन हानि न करें, लेकिन घंटों जाम का कारण बनते हैं। अब तो केंद्रीय दिल्ली भी सुरक्षित नहीं हैं।

याद दिलवाना होगा कि दिल्ली हाईकोर्ट ने 14 फरवरी 2022 को एक आदेश जारी किया था। उस आदेश में सभी नगर निगमों और सरकारी एजेंसियों को कहा गया था कि वे पेड़ों के लिए एंबुलेंस बनाएं। कोर्ट ने इस योजना में डीडीए और पीडब्ल्यूडी जैसी एजेंसियों को भी शामिल किया था। कोर्ट ने कहा था कि पेड़ों को बचाने के लिए विशेषज्ञों का रखा जाए। ऐसा कहा गया कि एक साल पहले ऐसी कुछ एम्बुलेंस सड़कों पर आईं भी, लेकिन कालकाजी और उससे पहले दिल्ली के अलग-अलग स्थानों पर जर्जर जमीनी पकड़ के कारण जिस तरह पेड़ गिरे, उससे स्पष्ट है कि यह अभियान पोस्टर-प्रचार से आगे कहीं बढ़ ही नहीं पाया।

दिल्ली को हरियाली के मामले में बहुत भाग्यशाली माना जाता है। जब दिल्ली को राजधानी बनाया गया तो ब्रिटिश आर्किटेक्ट सर एडविन लुटियंस ने हर सड़क पर खास तरह से पेड़ लगाए, जिनमें जामुन, इमली, नीम जैसे बड़े और लंबे समय तक जीवित रहने वाले पेड़ थे, जो छाया और हरियाली के साथ-साथ उस समय कम शिक्षित समाज को सड़क की पहचान भी करवाते थे। जैसे- जामुन के पेड़ वाली सड़क, अर्थात अशोक रोड। समझना होगा कि अधिकांश पेड़ 1910-1930 के बीच लगाए गए थे, अर्थात उनकी उम्र 100 से 125 साल है।

हालांकि इन पेड़ों की इतनी उम्र कोई ज्यादा नहीं, लेकिन उनकी जड़ों को फैलने के लिए माकूल विस्तार न मिलना और उसके आसपास सीमेंट पोतने से मिटटी पर जड़ की पकड ढीली होना, ऐसे सामान्य कारण हैं जो पेड़ों को हलकी बरसात या आंधी में हिला देते हैं। शहरी इलाकों में गिरने वाला ज़्यादातर पानी जमीन में रिसता नहीं, बल्कि नालियों में बह जाता है और बाहर निकल जाता है। शहरों में ज़्यादातर सतहों पर सीमेंट, कंक्रीट, टाइल्स, पत्थर, प्लास्टिक, कोलतार और धातु होने के कारण जड़ें पेड़ों को स्थिर रखने का अपना काम नहीं कर पातीं।

महानगरों के पेड़ सिर्फ हरे-भरे दृश्य नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व का आधार हैं। यदि हम उन्हें सही देखभाल, खुली सांस लेने की जगह और वैज्ञानिक रख-रखाव देंगे, तो न केवल वे पीढ़ियों तक खड़े रहेंगे, बल्कि शहर की हवा, तापमान और जीवन गुणवत्ता को भी बचाए रखेंगे। शहर का विकास पेड़ों की कीमत पर नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके साथ सामंजस्य में होना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

यूरेका

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का दिमाग है

सेमीकंडक्टर

जैसे ही आप अपने स्मार्टफोन, लैपटॉप या कंप्यूटर को कोई कमांड देते हैं तो पलक झपकते ही रिजल्ट सामने होता है। ये कमाल एक छोटी सी चिप से होता है, जिसे सेमीकंडक्टर कहते हैं। यह एक महीन सिलिकॉन बेस्ड डिवाइस होती है। इस चिप का साइज काफी छोटा होता है, लेकिन काम काफी बड़े-बड़े अंजाम देती है। हर चिप में लाखों-करोड़ों नैनो स्विच होते हैं, जिन्हें ट्रांजिस्टर कहा जाता है। इनकी मदद से यह चिप इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में दिमाग का काम करती है। बिना इसके कोई भी डिवाइस किसी काम की नहीं है। जिस तरह हमारे दिमाग तक कोशिकाओं के जरिए सिग्नल पहुंचते हैं और वो काम करता है, ठीक उसी तरह ये चिप भी डिवाइस तक जानकारी पहुंचाने का काम करती है।

डिजिटलीकरण और ऑटोमेशन ने आर्थिक सुरक्षा-स्वतंत्रता से जोड़ा

- दुनिया जैसे-जैसे डिजिटलीकरण और ऑटोमेशन की ओर बढ़ रही है, सेमीकंडक्टर आर्थिक सुरक्षा और रणनीतिक स्वतंत्रता का अभिन्न अंग बनते जा रहे हैं। हर कहीं तेज, अधिक कुशल और कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की मांग बढ़ रही है। डिजिटल प्लेटफार्म, स्मार्ट उपकरणों और कनेक्टेड इंफ्रास्ट्रक्चर से उत्पन्न विशाल मात्रा में डेटा को संसाधित और संग्रहीत करने के लिए उन्नत सेमीकंडक्टर-आधारित प्रणालियों पर निर्भरता बढ़ रही है। इससे उच्च प्रदर्शन, ऊर्जा कुशल चिप की आवश्यकता बढ़ रही है, जो वास्तविक समय में जटिल कंप्यूटिंग कार्यों को संभाल सकें।

देश को आयात करने पर खर्च करने पड़ते करोड़ों रुपये

- तेजी से बदलती और आगे बढ़ती दुनिया में सेमीकंडक्टर काफी बेशकीमती हो गया है। आधुनिक तकनीक और हर उद्योग में इसकी जरूरत से मांग लगातार बढ़ रही है। मोबाइल और स्मार्ट उपकरणों, कंप्यूटरों, आटोमोबाइल, 5-6 जी नेटवर्क, एआई के क्रियान्वयन और डिजिटल प्रौद्योगिकी की बढ़ती खपत ने भारत में भी सेमीकंडक्टरों की मांग को काफी बढ़ा दिया है। अभी भारत सेमीकंडक्टर चिप दूसरे देशों से आयात करता है। इसके लिए देश को डॉलर में करोड़ों रुपये खर्च करने पड़ते हैं।

सेटेलाइट, मिसाइल से लेकर हर स्मार्ट डिवाइस, मोबाइल, कार, ट्रेन और एटीएम कार्ड तक में इस्तेमाल

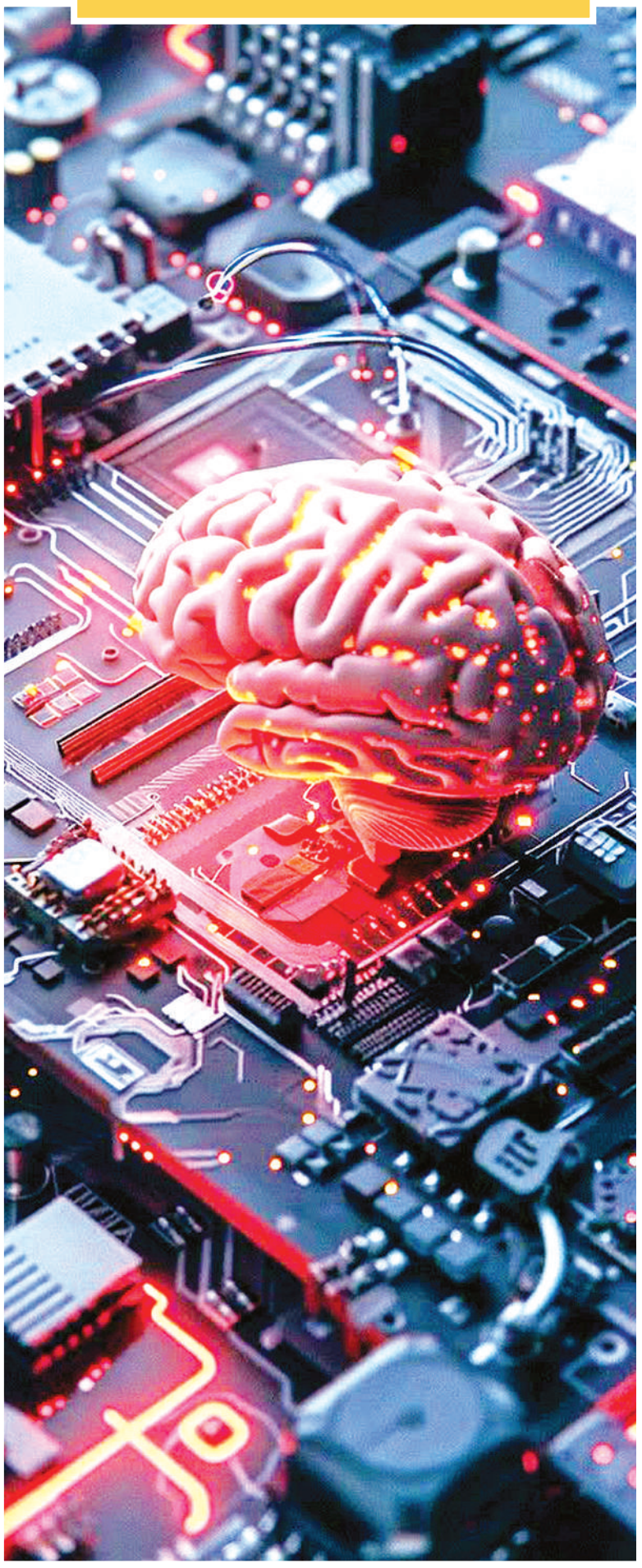

नाखून जितनी सिलिकॉन निर्मित डिवाइस में होते करोड़ों ट्रांजिस्टर

सेमीकंडक्टर चिप, जिसे माइक्रोचिप या इंटीग्रेटेड सर्किट (आईसी) भी कहा जाता है, एक अत्यंत सूक्ष्म लगभग नाखून जितनी सिलिकॉन निर्मित इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस होती है। इसमें 30 से ज्यादा पर्त होती हैं। इसमें कंडक्टर तांबे जैसा और इंसुलेटर रबर या कांच की तरह होते हैं। छोटे से आकार की यह चिप लाखों-करोड़ों ट्रांजिस्टर समेटे होती है, जो स्विच के रूप में इलेक्ट्रिक करंट को कंट्रोल करते हैं। इससे यह चिप डेटा प्रोसेसिंग, स्टोरेज, सिग्नल कन्वर्जन और सिस्टम कंट्रोल जैसे काम करती है। इसका उपयोग सेटेलाइट के डेटा को एकत्र करने और दुनिया भर में तमाम सिग्नल भेजने के लिए किया जाता है। मिसाइल, स्मार्टफोन, कंप्यूटर, टेलीविजन, ऑटोमोबाइल, मेडिकल डिवाइसेज में भी इस चिप का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। स्मार्टफोन में यह चिप कॉलिंग से लेकर कैमरा और इंटरनेट तक की हर गतिविधि नियंत्रित करती है। स्मार्ट डिवाइसेस, घरेलू उपकरणों, इलेक्ट्रिक वाहनों, ट्रेन, एटीएम कार्ड के अलावा संचार और रक्षा उपकरणों में भी इन चिप का जमकर इस्तेमाल होता है।

पहली स्वदेशी सेमीकंडक्टर चिप इस साल के अंत तक

वर्तमान में, ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमरीका जैसे देश सेमीकंडक्टर उद्योग पर हावी हैं। ताइवान दुनिया के 60 फीसदी से अधिक सेमीकंडक्टर का उत्पादन करता है, जिसमें लगभग 90 फीसदी सबसे उन्नत सेमीकंडक्टर शामिल हैं। भारतीय सेमीकंडक्टर बाजार का आकार 2024-2025 में 45 से 50 अरब डॉलर था, जो 2030 तक 100 से 110 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। भारत को सेमीकंडक्टर नवाचार और विनिर्माण के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए सरकार ने 76,000 करोड़ रुपये के निवेश से सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम शुरू किया है। इसे इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है। भारत की पहली स्वदेशी सेमीकंडक्टर चिप इस वर्ष उत्पादन के लिए तैयार हो जाएगी। फिलहाल, पांच उत्पादन इकाइयां निर्माणाधीन हैं, जो घरेलू क्षमता के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होंगी।

नई कारों और स्मार्ट फोन के फीचर्स के लिए जरूरी

- मोबाइल फोन और कारों में तेजी से हाईटेक फीचर्स को शामिल किया जा रहा है। इन फीचर्स को चलाने के लिए सेमीकंडक्टर की जरूरत पड़ती है। कारों में सेमीकंडक्टर का इस्तेमाल हेड्स अप डिस्प्ले, सेंसर्स, सेलफोन और कम्युनिकेशन इंटीग्रेशन के साथ उच्च दक्षता वाले इंजन के एलिमेंट्स में होता है। इसके अलावा ड्राइवर असिस्टेंस, पार्किंग रियर कैमरा, ब्लाइंड स्पॉट डिटेक्शन, एयरबैग और इमरजेंसी ब्रेकिंग में भी सेमीकंडक्टर की जरूरत होती है। सेमीकंडक्टर चिप के बिना मौजूदा कारों की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। कुछ यही हाल स्मार्ट फोन में भी इस चिप का है।

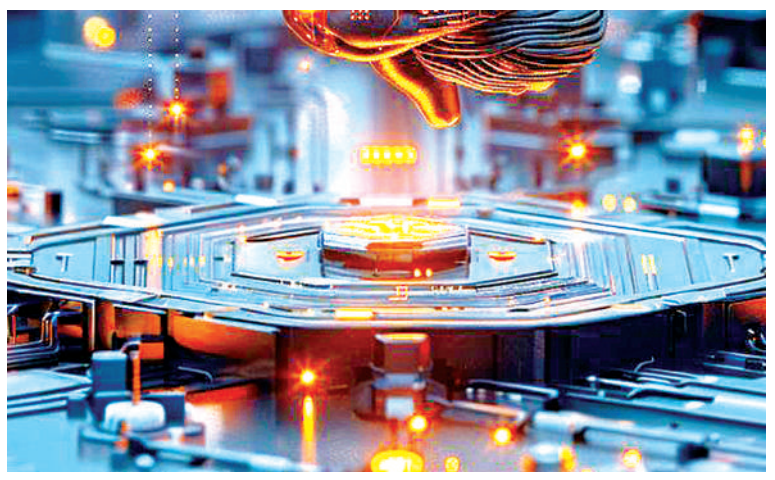

आधुनिक तकनीक के केंद्र में हैं सेमीकंडक्टर चिप्स

सेमीकंडक्टर आधुनिक तकनीक के केंद्र में हैं। यह चिप स्वास्थ्य सेवा, परिवहन, संचार, रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र की आवश्यक प्रणालियों का आधार बन चुकी है। देश के चंद्रयान 3 मिशन में, विक्रम लैंडर ने अनेक जटिल निर्णय लेते हुए स्वयं ही सुरक्षित लैंडिंग स्थल खोजने के लिए भारतीय तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) का उपयोग किया। इस प्रकार, मस्तिष्क की तरह काम करते हुए, सेमीकंडक्टर चिप्स, भारी डेटा को संसाधित कर मशीनों को निर्णय लेने में मदद करती हैं।

लेखक
अमित नारायन
सीएमडी, नारायना मेडिकल कॉलेज, कानपुर

नए उत्पाद गैजेट

रंग जमा देगा 150 वॉट साउंड से पार्टी में यह स्पीकर

- इंडियन टेक ब्रांड Portronics ने नया पार्टी स्पीकर Nebula X लॉन्च किया है। इसमें 150W का पावरफुल आउटपुट, बेस-बूस्ट टेक्नोलॉजी, RGB LED लाइटिंग और वायरलेस Karaoke Mic जैसी खूबियां हैं। इसमें TWS (ट्रू वायरलेस स्टीरियो) मोड में दो स्पीकर पेयर करने के ऑप्शन से साउंड एक्सपीरियंस डबल हो जाता है। हैंडल, टच-सेंसिटिव कंट्रोल्स और कनेक्टिविटी के लिए USB In, AUX In और Type-C चार्जिंग का सपोर्ट है। 150W आउटपुट के साथ यह स्पीकर क्रिस्टल-क्लियर साउंड और डीप रूम-फिलिंग बेस देने का दावा करता है। Karaoke Mic का फीचर इसे पार्टी-रेडी गैजेट बना देता है, जिससे यूजर्स गाना गा सकते हैं, होस्ट कर सकते हैं या अनाउंसमेंट कर सकते हैं। इसमें लगे हैंडल से कैरी करना आसान है। साइड पैनल पर टच कंट्रोल्स से प्लेबैक और कनेक्टिविटी को मैनेज किया जा सकता है। रीचार्जेबल बैटरी एक बार चार्ज करने पर करीब 6 घंटे का प्ले टाइम देने का दावा करती है। कनेक्टिविटी के लिए इसमें USB In, AUX In, और Type-C चार्जिंग पोर्ट शामिल हैं। बड़े लेवल पर पार्टी साउंड के लिए दो Nebula X स्पीकर्स को TWS मोड में कनेक्ट कर सकते हैं। इस Party Speaker की कीमत 9,499 रुपये रखी गई है। इसे Portronics की ऑफिशियल वेबसाइट, Amazon, Flipkart के अलावा ऑनलाइन तथाऑफलाइन रिटेल स्टोर्स से खरीदा जा सकता है।

ओप्पो Find X9 csx में 7025mah बैटरी, 50 मेगापिक्सल कैमरा

- चाइनीज स्मार्टफोन Oppo का Find X9 जल्द लॉन्च किया जा सकता है। यह पिछले वर्ष पेश किए गए कंपनी के Find X8 की जगह लेगा। कंपनी ने अभी इस स्मार्टफोन की जानकारी नहीं दी है। लेकिन जानकारी के मुताबिक इसमें 6.59 इंच OLED डिस्प्ले और 7,025 mAh की बैटरी दी जा सकती है। प्रोसेसर के तौर पर MediaTek Dimensity 9500 हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक Oppo Find X9 में 6.59 इंच फ्लैट LTPO OLED डिस्प्ले 1.5K रिजॉल्यूशन और 120 Hz के रिफ्रेश रेट के साथ हो सकता है। इसमें सिक्योरिटी के लिए अल्ट्रासॉनिक इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर दिया जा सकता है। Android 16 पर बेस्ड ColorOS 16 ऑपरेटिंग सिस्टम हो सकता है। 7,025 mAh की बैटरी दी जा सकती है। ब्रांडेड रियर कैमरा यूनिट कंपनी की Lumo Imaging टेक्नोलॉजी के साथ होगी। ऑप्टिकल इमेज स्टैबलाइजेशन (OIS) सपोर्ट के साथ 50 मेगापिक्सल का Sony LYT-808 प्राइमरी कैमरा, 50 मेगापिक्सल का Samsung JN5 अल्ट्रा-वाइड कैमरा और 50 मेगापिक्सल का Samsung JN9 पेरिस्कोप टेलीफोटो कैमरा 3x ऑप्टिकल जूम और OIS के साथ हो सकता है। डुअल स्टीरियो स्पीकर्स मिल सकते हैं।

स्मार्ट वॉच के साथ बिना डिस्प्ले वाला हेल्थ फिटनेस ट्रैकर

- Amazfit ने देश में अपने नए वियरेबल्स Amazfit Balance 2 और Amazfit Helio Strap को लॉन्च कर दिया है। Amazfit Balance 2 में 1.5-इंच AMOLED डिस्प्ले, 2,000 nits पीक ब्राइटनेस, ब्लूटूथ कॉलिंग और Zepp Coach जैसी AI-पावर्ड फिटनेस गाइडेंस है। इसमें 170 से ज्यादा स्पोर्ट्स मोड, 5ATM वाटर रेजिस्टेंस और डुअल-बैंड GPS का सपोर्ट दिया गया है। Amazfit Helio Strap एक स्क्रीनलेस फिटनेस बैंड है जिसमें BioTracker 6.0 PPG सेंसर, 24x7 हार्ट रेट मॉनिटरिंग, स्ट्रेस लेवल ट्रैकिंग और 27 वर्कआउट मोड शामिल हैं। दोनों डिवाइस Zepp ऐप से कनेक्ट होकर हेल्थ और फिटनेस डेटा मैनेज करने की सुविधा देते हैं। Amazfit Balance 2 की कीमत भारत में 24,999 रुपये रखी गई है, जबकि Amazfit Helio Strap 8,999 रुपये में मिलेगा।

खेत को कब कितनी खाद, पानी और दवा, सब बताएगा एआई

किसानों को खेतों में कब कितनी खाद देनी है, किस समय फसल में पानी लगाना है और कब दवा का छिड़काव किया जाना है, इसकी पूरी जानकारी एआई ऐप से मिलेगी। आईआईटी कानपुर के स्टार्टअप सृजन ने किसानों के लिए वरदान सरीखा यह एआई ऐप विकसित किया है, जिसे किसानों की फसल उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मददगार माना जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटिलेंस के जरिए ऐप किसानों को खेत में खाद, पानी और दवा की जानकारी के साथ खेत की मिट्टी में किन स्थानों पर पोषक तत्वों की कमी है, इसके बारे में भी जानकारी मिल सकेगी। यही नहीं, फसल में किस जगह पर रोग या कीट लग रहा है, इसकी भी पहचान हो सकेगी।

एआई और जियो स्पेशल डेटा पर आधारित है ऐप

- सृजन एआई के डिजिटल प्लेटफॉर्म की मदद से किसान खेतों और फसलों की लगातार निगरानी कर सकेंगे। एआई और जियो स्पेशल डेटा के आधार पर यह ऐप काम करेगा। इसकी मदद से समय के आधार पर फसलों के नियमित विकास का आकलन हो सकेगा। सृजन एआई के सह संस्थापक अमित श्रीवास्तव का कहना है कि यह प्लेटफॉर्म जियो डेटा के आधार पर एआई की मदद से विश्लेषण करके परिणाम देता है। मिट्टी की जांच करने के साथ ही फसलों का भी बारीकी से टेस्ट करता है।

300 रुपये प्रति एकड़ खर्च में पूरे सीजन मिट्टी-फसल की जांच

- ऐप द्वारा खेत की मिट्टी के काफी छोटे हिस्से का परीक्षण करने से किसानों को यह जानकारी मिल सकती है कि मिट्टी के कितने भाग में पोषक तत्व कम हैं। किस भाग में फसल को कीटनाशकों की जरूरत है। सृजन एआई के डिजिटल प्लेटफार्म का कई स्थानों पर ट्रायल किया गया है। परिणाम अच्छे मिले हैं। ऐप से मिट्टी की जांच कराने में करीब एक हजार रुपये खर्च आता है।
- अभी किसान एक सीजन में एक बार ही मिट्टी की जांच कराते हैं। किसानों को खाद या पेस्टीसाइड डालने के बाद मिट्टी में होने वाले परिवर्तन की जानकारी नहीं होती है। लेकिन सृजन ऐप डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए किसान सिर्फ 300 रुपये प्रति एकड़ खर्च कर पूरे सीजन में मिट्टी और फसल की पूरी जानकारी ले सकेंगे।

एक्वा सिंथेसिस से मिट्टी के बिना पानी से खेती

- वह दिन दूर नहीं, जब केसर की खुशबू कश्मीर से बाहर देश के हर कोने में महकेगी। यह होगा मिट्टी में फसल की खेती के नए तरीके से, जिसके जरिए घर की छत, बॉलकनी और यहां तक कि कमरे में भी खेती की जा सकेगी। आईआईटी कानपुर के स्टार्टअप 'एक्वा सिंथेसिस' ने इस तकनीक को विकसित किया है, जिसकी मदद से केसर, स्ट्रॉबेरी और ब्लैकबेरी को बिना मिट्टी के पानी के इस्तेमाल से उगाया जा सकेगा। हाइड्रोपोनिक तकनीक के जरिए यह सिस्टम तैयार किया गया है। इसमें मिट्टी के स्थान पर पोषक तत्वों से भरपूर पानी और अत्याधुनिक सेंसर का इस्तेमाल किया जाता है।
- तकनीक के जरिए फसल की जड़ तक पोषक तत्व पानी के माध्यम से पहुंचाए जाते हैं। इससे पौधे मिट्टी में उगाई गई फसलों जैसे स्वस्थ और समृद्ध विकसित होते हैं। इस तकनीक में न सिर्फ मिट्टी की आवश्यकता खत्म हो जाती है, बल्कि पानी की भी भारी बचत होती है। इस तकनीक में रोशनी, तापमान और नमी को नियंत्रित करने के लिए एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, सेंसर और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल किया गया है। स्मार्ट सेंसर रियल-टाइम में तापमान और नमी को मॉनिटर कर पौधों के लिए अनुकूल वातावरण बनाते हैं। यह तकनीक घर की छत, कमरे या किसी भी छोटी जगह पर अपनाई जा सकती है। इसका पेटेंट भी कराया जा चुका है।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2630, राज श्री 1820, फ़ॉर्चून कि. 2210, रविन्द्रा 2570, फॉर्चुन 13kg 1935, जय जवान 1945, सचिन 2010, सूरज 1945, अवसर 1870, उजाला 1920, गृहणी 13 kg 1865, क्लासिक (kg) 2080, मोर 2135, चक्र टिन 2375, ब्लू 2095, आशीर्वाद मस्टर्ड 2500, स्वास्तिक 2570

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400-600, मखाना 900-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 केजी,5 केजी) 10300, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4350

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7500 मलका दाल 7600-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9000-10900, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 6950, दाल चना 7500, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7400, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 6900, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9200, मोटा हीरा 11200, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4420, पीलीभीत 4340, सितारगंज 4300, धामपुर 4420

हल्द्वानी मंडी

चावल : चावल : शरबती- 5200 मसूरी- 4400, बासमती- 9200, परमल- 3400,
दाल दलहन : काला चना- 7700 साबुत चना दाल- 7100, मूंग साबुत- 9000, राजमा- 12500-14000 दाल उड़द- 9200, साबुत मसूर दाल- 7200, मसूर दाल- 7000, उड़द साबुत- 8100, काबुली चना- 10400, अरहर दाल- 11200, लोबिया/करमानी- 9100

अमेरिकी शुल्क के दबाव में टूटा बाजार

सेंसेक्स 706 अंक और निफ्टी में 211 अंकों की गिरावट

मुंबई, एजेंसी

अमेरिका में भारतीय उत्पादों के आयात पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लागू हो जाने के अगले दिन बृहस्पतिवार को स्थानीय शेयर बाजारों में तगड़ी गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 706 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी में 211 अंकों की गिरावट रही। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिकी शुल्क वृद्धि के अलावा विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित करने का काम किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाया गया अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क बुधवार को लागू हो गया। इसके साथ ही भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका में कुल शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 705.97 अंक यानी 0.87 प्रतिशत गिरकर 80,080.57 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 773.52 अंक गिरकर 80,013.02 पर आ गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 211.15 अंक यानी 0.85 प्रतिशत गिरकर 24,500.90 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से एचसीएल टेक, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। हालांकि टाइटन, लार्सन एंड टुब्रो, मारुति और एक्सिस बैंक के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, भारतीय वस्तुओं पर शुल्क लागू होने के बाद फैली निराशा के बीच घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। कपास आयात शुल्क में छूट ने शुल्क प्रभावों का मुकाबला करने के लिए नीतिगत समर्थन की उम्मीदों को कुछ समय के लिए बढ़ा दिया लेकिन निवेशकों की मनोदशा नाजुक ही बनी रही। सरकार ने 50 प्रतिशत शुल्क का सामना कर रहे कपड़ा निर्यातकों की मदद के लिए कपास के शुल्क-मुक्त आयात को तीन महीने और बढ़ाकर 31 दिसंबर तक कर दिया है। लेमन मार्केट्स डेस्क के विश्लेषक गौरव गर्ग ने कहा, भारतीय शेयर बाजारों में लगातार दूसरे सत्र में बड़ी गिरावट देखने को मिली। चौतरफा बिकवाली के दबाव में मानक सूचकांक गिरकर बंद हुए। इसकी मुख्य वजह अमेरिकी शुल्कों से भारतीय निर्यात पर पड़ने वाले असर की आशंका रही। इसके अलावा विदेशी पूंजी की निकासी जारी रहने से भी बाजार दबाव में रहा। मझोली कंपनियों का बीएसई मिडकैप सूचकांक 1.09 प्रतिशत गिर गया जबकि छोटी कंपनियों का स्मालकैप सूचकांक 0.96 प्रतिशत की गिरावट में रहा। क्षेत्रवार सूचकांकों में सेवा खंड में सर्वाधिक 2.27 प्रतिशत की गिरावट रही जबकि दूरसंचार खंड में 1.73 प्रतिशत, सूचना प्रौद्योगिकी खंड में 1.68 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कंपोजिट सकारात्मक दायरे में बंद हुए जबकि हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट में रहा। यूरोपीय बाजारों में मिला-जुला रुख रहा।

दो दिन की गिरावट से निवेशकों को 9.69 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। शेयर बाजार में पिछले दो कारोबारी सत्रों की गिरावट से निवेशकों को कुल 9.69 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। इन दो दिनों में ही सेंसेक्स 1,555 अंक टूट चुका है। अमेरिका द्वारा भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क बुधवार से लागू हो गया। इससे कुल मिलाकर भारत पर अमेरिकी शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो चुका है। साथ ही, विदेशी कोषों की लगातार पूंजी निकासी ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 705.97 अंक यानी 0.87 प्रतिशत गिरकर 80,080.57 पर बंद हुआ। इसके पहले मंगलवार को भी सेंसेक्स में बड़ी गिरावट रही थी।

औद्योगिक उत्पादन चार महीनों के उच्चतम स्तर 3.5 प्रतिशत पर

नई दिल्ली, एजेंसी

विनिर्माण क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन के कारण इस साल जुलाई में देश के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर चार महीने के उच्चतम स्तर 3.5 प्रतिशत पर पहुंच गई। गुरुवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। देश के औद्योगिक उत्पादन ने इससे पहले मार्च 2025 में 3.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा जाने वाला औद्योगिक उत्पादन जुलाई, 2024 में पांच प्रतिशत बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने जून के अपने संशोधित आंकड़ों में औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर को पिछले महीने के अस्थायी अनुमानों की तरह 1.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा। नवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि दर जुलाई 2025 में बढ़कर 5.4 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 4.7 प्रतिशत थी। खनन उत्पादन में 7.2 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसमें 3.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। पिछले महीने बिजली उत्पादन में मामूली 0.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 7.9 प्रतिशत थी। वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जुलाई अवधि में देश का कुल औद्योगिक उत्पादन 2.3 प्रतिशत बढ़ा, जबकि एक साल पहले यह 5.4 प्रतिशत था।

हीरा पॉलिश उद्योग के राजस्व में 30% गिरावट की आशंका

मुंबई। अमेरिका के भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत का भारी शुल्क लगाए जाने के कारण देश के प्राकृतिक हीरा पॉलिश उद्योग का चालू वित्त वर्ष में राजस्व 28 से 30 प्रतिशत कम होकर 12.50 अरब डॉलर तक आने का अनुमान है। अमेरिका के राष्ट्रपति का रूसी तेल की खरीद के लिए भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क बुधवार से प्रभावी हो गया। क्रिसिल रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान भारत में प्राकृतिक हीरा पॉलिश उद्योग का राजस्व लगभग 16 अरब डॉलर था। पिछले तीन वित्त वर्षों में प्राकृतिक हीरों की कीमतों और बिक्री की मात्रा में 40 प्रतिशत की गिरावट के बाद यह झटका आया है, क्योंकि अमेरिका और चीन में मांग कम हो गई है और प्रयोगशाला में विकसित हीरों से प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। क्रिसिल रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया कि इस हफ्ते से लागू हुए 50 प्रतिशत शुल्क की वजह से अमेरिका को निर्यात करना मुश्किल हो गया है।

अमेरिका से व्यापार समझौते पर बातचीत जल्द बहाल होने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

● सरकार के वरिष्ठ अधिकारी ने दी जानकारी

भारत को उम्मीद है कि अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत का सिलसिला जल्द ही बहाल होगा लेकिन भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में लगाए गए उच्च शुल्क का मसला हल करना इस दिशा में प्रगति के लिए जरूरी होगा। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने कहा कि फिलहाल अगले दौर की व्यापार वार्ता की तारीखें तय नहीं हुई हैं, लेकिन बातचीत बहाल होने की संभावना है। उन्होंने कहा, हम जल्द ही फिर से बातचीत की मेज पर लौटने की उम्मीद कर रहे हैं, जब भी समझौता होगा, उस समय दोनों पक्षों को शुल्क के मुद्दों का समाधान करना होगा। भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर मार्च 2025 से अब तक पांच दौर की वार्ताएं हो चुकी हैं। छठे दौर की बातचीत के लिए अमेरिका का वार्ताकार दल 25 अगस्त से भारत दौरे पर आने वाला था, लेकिन उन्होंने यह बैठक फिलहाल टाल दी है। बातचीत में गतिरोध की एक प्रमुख वजह अमेरिका की ओर से कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में भारत से अधिक बाजार पहुंच की मांग है।

भारत और कतर के बीच द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कतर के विदेश व्यापार मामलों के राज्य मंत्री अहमद बिन मोहम्मद अल-सईद से गुरुवार को मुलाकात की। दोंनो ने द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा की। सीतारमण ने चर्चा के दौरान पिछले दशक में विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए भारत द्वारा उठाए गए परिवर्तनकारी कदमों का उल्लेख किया।

वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, दोनों मंत्रियों ने भारत और कतर के बीच रणनीतिक साझेदारी के तहत द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश संबंधों को बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। कतर के प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि और प्रौद्योगिकी विकास को देखते हुए वे भारत में निवेश के अच्छे अवसर देखते हैं। इसके अलावा, वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कतर के विदेश व्यापार राज्य मंत्री अहमद बिन मोहम्मद अल-सईद और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

अमेरिकी धौंस के खिलाफ डटे रहने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

● मारुति के चेयरमैन आरसी भार्गव ने कहा- राष्ट्र को एकजुट होना होगा

मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आरसी भार्गव ने गुरुवार को कहा कि देश को शुल्क के मामले में अमेरिका की धौंस के आगे झुकना नहीं चाहिए। देश को अपनी गरिमा बनाए रखनी चाहिए और एकजुट होना चाहिए। कंपनी की 44वीं वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए भार्गव ने अमेरिकी शुल्क के कारण हाल के महीनों में वैश्विक अनिश्चितता के बारे में बात की।

भार्गव ने कहा, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई मायनों में देशों को अपनी पारंपरिक नीतियों एवं संबंधों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया है। कूटनीति में शुल्क का व्यक्तिगत इस्तेमाल पहली बार देखने को मिल रहा है। भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका का 50 प्रतिशत शुल्क 27 अगस्त से प्रभावी हो गया। इससे झींगा, परिधान, हीरे, चमड़ा एवं जूते चप्पल तथा रत्न व आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में निर्यात तथा रोजगार सृजन पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि भारतीय होने के नाते यह हमारा कर्तव्य है कि हम अपनी गरिमा एवं सम्मान को बनाए रखने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें और इस मामले में किसी भी प्रकार की धौंस-धमकी के आगे न झुकें... राष्ट्र को इस समय एकजुट होना होगा। भार्गव ने साथ ही माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के पुनर्गठन की घोषणा को एक बड़ा आर्थिक सुधार करार दिया। उन्होंने कहा, हम सभी को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा रखे गए प्रस्ताव के परिणामस्वरूप छोटी कारों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) घटकर 18 प्रतिशत हो जाएगा लेकिन हमें आधिकारिक घोषणा होने तक इंतजार करना होगा।

भाजपा अध्यक्ष के चयन में आरएसएस की भूमिका नहीं

संघ प्रमुख बोले- हम फैसला नहीं करते, अगर करते तो क्या इतना समय लगता

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने इस आम धारणा को पूरी तरह गलत बताते हुए खारिज कर दिया कि उनका संगठन भाजपा के लिए सब कुछ तय करता है। उन्होंने कहा कि सुझाव पार्टी को दिए जाते हैं, लेकिन फैसले पार्टी लेती है। भागवत ने यह भी कहा कि भाजपा के नए प्रमुख के चयन में आरएसएस की कोई भूमिका नहीं है।

विज्ञान भवन में आयोजित तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के अंतिम दिन सवालों के जवाब में भागवत ने कहा कि आरएसएस और भाजपा नीत सरकार के बीच कोई मतभेद नहीं है, चाहे वह केंद्र में हो या पार्टी द्वारा शासित राज्यों में। क्या संघ भाजपा के लिए हर चीज तय करता है, यहां तक कि अध्यक्ष का चयन भी, इस सवाल पर आरएसएस प्रमुख ने कहा, यह पूरी तरह से गलत है। जेपी नड्डा वर्तमान में भाजपा के अध्यक्ष हैं। वह केंद्रीय मंत्री भी हैं। भागवत ने कहा, हम फैसला नहीं करते। अगर हम फैसला कर रहे होते, तो क्या इसमें इतना समय लगता? हम फैसला नहीं करते। हमें फैसला करने की ज़रूरत नहीं है। अपना समय लीजिए। हमें इस बारे में कुछ कहने की जरूरत नहीं है। भागवत ने कहा कि आरएसएस के लिए भाजपा के संबंध में निर्णय लेना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास अपने मामलों को संभालने के लिए अपनी विशेषज्ञता है, जैसे आरएसएस के पास अपनी शाखाएं चलाने के लिए है। भागवत ने कहा, मैं पिछले 50 सालों से शाखाएं संचालित कर रहा हूं।

अगर कोई मुझे शाखा संचालित करने की सलाह देता है, तो मैं उसका विशेषज्ञ हूं। वे कई वर्षों से सरकार चला रहे हैं। इसलिए वे सरकार मामलों के विशेषज्ञ हैं। हम एक-दूसरे की विशेषज्ञता जानते हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि सुझाव दिए जा सकते हैं लेकिन निर्णय उन्हें ही लेना होगा क्योंकि यह उनका क्षेत्र है।

मैंने कभी नहीं कहा कि 75 साल में पद छोड़ दूंगा या किसी और को संन्यास ले लेना चाहिए

नई दिल्ली। रआरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं कहा कि वह 75 साल की उम्र में पद छोड़ देंगे या किसी को इस आयु में संन्यास ले लेना चाहिए। भागवत की इस टिप्पणी ने नेताओं के संन्यास लेने संबंधी उनकी हालिया टिप्पणी पर चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया है, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदर्भ में देखा जा रहा था। मोदी और भागवत, दोनों अगले महीने 75 वर्ष के हो जाएंगे। आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के दौरान प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा, हम जीवन में किसी भी समय पद छोड़ने को तैयार हैं और जब तक संघ चाहे, तब तक कार्य करने को तैयार हैं। 75 साल की उम्र में सेवानिवृत्ति या संन्यास के मुद्दे पर भागवत ने कहा कि उन्होंने हाल में नागपुर में दिवंगत आरएसएस नेता मोरोपंत पिंगले की विनोदप्रियता पर प्रकाश डालते हुए उनका उद्धरण दिया था।

हिंदू दर्शन यह नहीं कहता कि इस्लाम नहीं रहेगा

नई दिल्ली। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि संघ धार्मिक आधार पर किसी पर हमला करने में विश्वास नहीं रखता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिंदू दर्शन यह नहीं कहता कि इस्लाम नहीं रहेगा। आरएसएस के शताब्दी समारोह के दौरान एक सवाल के जवाब में, भागवत ने कहा कि धर्म व्यक्तिगत पसंद का मामला है और इसमें किसी तरह का प्रलोभन या जोर-जबरदस्ती शामिल नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, हिंदू आत्मविश्वास की कमी के कारण असुरक्षित हैं। कोई भी हिंदू यह नहीं सोचता कि इस्लाम नहीं रहेगा। हम पहले एक राष्ट्र हैं... आरएसएस किसी पर भी हमला करने में विश्वास नहीं रखता, धार्मिक आधार पर भी। भागवत ने यह भी कहा कि सड़कों और जगहों का नाम 'आक्रांताओं' के नाम पर नहीं रखा जाना चाहिए।

बचाव अभियान

पटना में गंगा के जलस्तर में एक बार फिर बढ़ोतरी होने से लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। बाढ़ क्षेत्र में फंसे लोगों को नाव के जरिये सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा रहा है। एजेंसी

पालघर में इमारत ढहने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 17 हुई

पालघर। महाराष्ट्र में पालघर जिले के विरार में एक इमारत ढहने की घटना में दो और शव बरामद होने के साथ मृतकों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। पुलिस ने बताया कि वसई विरार नगर निगम (वीवीएमसी) द्वारा शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद चार मंजिला इमारत रमाबाई अपार्टमेंट के बिल्डर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पालघर जिले के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने कहा, मलबे में दबे दो और शव मिले हैं। एनडीआरएफ और अन्य बचाव दल बचाव कार्य में जुटे हैं। उन्होंने बताया कि मुंबई से सटे पालघर के विरार इलाके के विजय नगर में लगभग 50 फ्लैट वाली यह इमारत मंगलवार रात 12 बजकर पांच मिनट पर पास के एक खाली पड़े मकान पर गिर गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चौथी मंजिल पर एक साल की बच्ची का जन्मदिन मनाया जा रहा था, तभी इमारत के एक हिस्से में 12 फ्लैट ढह गए, जिससे फ्लैट में रहने वाले लोग और मेहमान मलबे में दब गए।

मोदी डरे हुए हैं क्योंकि उनकी वोट चोरी पकड़ी गई: राहुल

सीतामढ़ी/मोतिहारी, एजेंसी

● कहा-भाजपा दलितों, पिछड़ों व अति पिछड़ों के अधिकार छीनना चाहती

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' के 12वें दिन गुरुवार को भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोला और दावा किया कि वह डरे हुए हैं क्योंकि उनकी 'वोट चोरी' पकड़ी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार की मतदाता सूचियों से गरीब और वंचित वर्ग के करीब 65 लाख लोगों के नाम हटा दिए गए हैं, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दलितों, पिछड़ों और अति पिछड़ों के अधिकार छीनना चाहती है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' के 12वें दिन की शुरुआत से पहले सीतामढ़ी के प्रसिद्ध जानकी मंदिर में पूजा-अर्चना की। यात्रा सुबह सीतामढ़ी से आरंभ हुई और फिर पूर्वी चंपारण पहुंची। मोतिहारी में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू भी इस यात्रा में शामिल हुए। राहुल गांधी और महागठबंधन के अन्य नेताओं ने मोतिहारी में 'संविधान सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित किया। कांग्रेस नेता ने दावा किया, अगर मैं प्रधानमंत्री पर 'वोट चोर' होने का आरोप लगा रहा हूं, तो वह चुप क्यों है? क्योंकि प्रधानमंत्री जानते हैं कि वह 'वोट चोर' हैं और हमने उन्हें पकड़ लिया है। उन्होंने दावा किया, मोदी जी डरे हुए हैं क्योंकि उन्हें यह बात समझ आ गई है कि उनकी चोरी पकड़ी गई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि कॉरपोरेट, बॉलीवुड और देश के कई अन्य क्षेत्रों में दलित, पिछड़े और अति पिछड़ों की भागीदारी नहीं है। उनका कहना था, सबसे पहले राष्ट्रीय स्तर पर जाति जनगणना होगी इसके बाद आरक्षण की 50% की दीवार चूर-चूर कर दी जाएगी।

हरियाणा में लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 2,100 की मासिक सहायता

चंडीगढ़, एजेंसी

● मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी महिलाओं के लिए की घोषणा

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को राज्य में 25 सितंबर से 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' लागू करने की घोषणा की, जिसके तहत पात्र महिलाओं को 2,100 रुपये की मासिक सहायता दी जाएगी। 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' लागू करना हरियाणा में भाजपा के चुनावी वादों में शामिल था।

सैनी ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद इस फैसले की घोषणा की। सैनी ने बताया कि मंत्रिमंडल ने दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना को लागू करने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि यह योजना दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के दिन यानी 25 सितंबर से लागू होगी। सैनी के मुताबिक, इस योजना के तहत सभी पात्र महिला लाभार्थियों को हर महीने 2,100 रुपये की वित्तीय सहायता मुहैया कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 सितंबर से 23 साल और उससे अधिक उम्र की महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि चाहे विवाहित हों या अविवाहित, दोनों श्रेणियों की महिलाओं को इस योजना का फायदा हासिल होगा।

सैनी के अनुसार, दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के पहले चरण में हमने उन परिवारों को शामिल करने का फैसला लिया है, जिनकी वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम है। उन्होंने कहा, हमारा अनुमान है कि पहले चरण में लगभग 19-20 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा।

राहुल की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री की मां के लिए अपशब्द कहने पर भाजपा ने दर्ज कराई प्राथमिकी

● प्रदेश भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने दरभंगा शहर थाने में दी शिकायत

नई दिल्ली/पटना, एजेंसी

बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत माताजी के लिए अभद्र भाषा इस्तेमाल किए जाने का आरोप लगाते हुए भाजपा ने गुरुवार को कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नीत 'इंडिया' गठबंधन को जनता द्वारा दंडित किया जाएगा।

प्रदेश भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने दरभंगा शहर में बुधवार की घटना के संबंध में गुरुवार को यहां कोतवाली पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो कथित तौर पर दरभंगा जिले का है, जहां से बुधवार सुबह यात्रा शुरू हुई थी, जब राहुल गांधी, उनकी बहन और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और राजद नेता तेजस्वी यादव मोटरसाइकिल पर मुजफ्फरपुर के लिए रवाना हुए थे। इस प्रकरण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, उपमुख्यमंत्री एवं भाजपा की बिहार इकाई के पूर्व अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा, भीड़ का व्यवहार राजद की गुंडागर्दी जैसा था। और कांग्रेस सत्ता की अंधी चाहत में उपद्रवी व्यवहार को बर्दाश्त कर लेती है।

वीडियो क्लिप एक छोटे से मंच की है, जिस पर कोई प्रमुख नेता मौजूद नहीं था, लेकिन एक व्यक्ति माइक पर अपशब्द कह रहा था, जिसे सुना जा सकता था, लेकिन देखा नहीं जा सकता था और इस व्यक्ति को वहां खड़े लोगों ने फटकार लगाई।

शाह ने अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल की निंदा की

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार में कांग्रेस और राजद के मंच से प्रधानमंत्री मोदी और उनकी मां के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र भाषा के इस्तेमाल की निंदा करते हुए

कहा कि यह देश के लोकतंत्र पर एक धब्बा है। शाह ने यह भी कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की राजनीति अपने निम्न स्तर पर आ पहुंची है और एक गरीब मां के बेटे का प्रधानमंत्री के पद पर बैठना उनको बर्दाश्त नहीं हो पा रहा है। गृह मंत्री ने एक्स पर लिखा, बिहार के दरभंगा में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और उनकी स्वर्गीय माताजी के लिए कांग्रेस और आरजेडी (राजद) के मंच से जिस प्रकार गालियों से भरी अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया है, वह न केवल निंदनीय है, बल्कि हमारे लोकतंत्र को भी कलंकित करने वाला है।

वर्ल्ड ब्रीफ

जम्मू: बीएसएफ जवान की ड्यूटी के दौरान मौत

जम्मू। जम्मू के अखनूर सेक्टर में बीएसएफ के एक जवान की ड्यूटी के दौरान मौत हो गई। बीएसएफ जम्मू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हम बीएसएफ के बहादुर कांस्टेबल (जीडी) राजीब नूनिया को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने 27 अगस्त को जम्मू जिले के अखनूर इलाके में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर ऑपरेशनल तैनाती के दौरान अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने अटूट साहस, प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ शहादत प्राप्त की। उनके बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा और सम्मानित किया जाएगा। बीएसएफ के अधिकारियों उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना भी व्यक्त की है।

दिनेश पटनायक बने कनाडा में उच्चायुक्त

नई दिल्ली। भारत ने वरिष्ठ राजनयिक दिनेश के पटनायक को बृहस्पतिवार को कनाडा में अपना अगला उच्चायुक्त नियुक्त किया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब भारत और कनाडा 2023 में एक सिख अलगाववादी नेता की हत्या के बाद द्विपक्षीय संबंधों में आई तल्खी को दूर करने की कोशिशों में जुटे हैं। पटनायक भारतीय विदेश सेवा के 1990 बैच के अधिकारी हैं। वह वर्तमान में स्पेन में भारत के राजदूत के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि पटनायक के जल्द अपना नया कार्यभाल संभालने की उम्मीद है।

सेना ने मनाया हाजी पीर विजय दिवस

श्रीनगर। भारतीय सेना ने हाजी पीर दिवस पर जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में गुरुवार को झंडा फहराकर भारतीय सेना की वीरता और त्याग को याद किया। उल्लेखनीय है इस दिन को भारतीय सेना ने 1965 में हाजी पीर दर्रे को जीत कर उस पर कब्जा किया था। अधिकारियों ने बताया कि चिनार कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रशांत श्रीवास्तव ने झेलम नदी के किनारे स्थित चीता पोस्ट पर तिरंगा फहराकर इस आयोजन का शुभारंभ किया।

चीन-नेपाल की सेनाएं करेंगी संयुक्त अभ्यास

बीजिंग। नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली की चीन यात्रा से कुछ दिन पहले रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि चीनी और नेपाली सेनाएं अगले महीने नेपाल में संयुक्त आतंकवाद-रोधी प्रशिक्षण अभ्यास करेंगी। राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता झांग शियाओगांग ने यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि सितंबर की शुरुआत से मध्य तक आयोजित होने वाले अभ्यासों में व्यापक आतंकवाद-रोधी अभ्यास के साथ-साथ आपदा राहत और शांति अभियानों का प्रशिक्षण भी शामिल होगा। झांग ने कहा कि यह पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और नेपाली सशस्त्र बलों के बीच पांचवां संयुक्त प्रशिक्षण होगा।

भारत और फिलीपींस अंतरिक्ष क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

- **दोनों देशों के अंतरिक्ष उद्योग संगठनों ने साइन किया एमओयू**

भारत और फिलीपींस के अंतरिक्ष उद्योग संगठनों ने इलेक्ट्रॉनिक्स, अंतरिक्ष और उपग्रह संचार प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए हाथ मिलाया है। सैटकॉम इंडस्ट्री एसोसिएशन-इंडिया और इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री एसोसिएशन ऑफ द फिलीपीन इंक ने सह-विकास में तेजी लाने और सहयोगी विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं।

एसआईए-इंडिया के अध्यक्ष सुब्बा राव पवुलुरी ने यहां एक बयान में कहा, संयुक्त परियोजनाओं, नवाचार और कौशल विकास के माध्यम से हमारा लक्ष्य इस दृष्टिकोण को व्यावहारिक परिणामों में बदलना है, जिससे दोनों देशों के अंतरिक्ष और इलेक्ट्रॉनिक्स पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलेगी। भारत और फिलीपींस द्वारा राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मनाने के अवसर पर हस्ताक्षरित इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य उद्योग-से-उद्योग संबंधों को मजबूत करना, उपग्रह संचार उपकरण, आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) उपकरणों, अंतरिक्ष इलेक्ट्रॉनिक्स और अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों में संयुक्त अनुसंधान, नवाचार और उत्पाद विकास को सक्षम बनाना है।

हर दिन 30 व्यापारी देते हैं जान

कर्ज और घाटे में डूबने के बाद उबरना मुश्किल

शाहजहांपुर में व्यापारी सचिन ग्रोवर का पत्नी शिवांगी और पांच साल के बेटे फतेह के साथ आत्महत्या का मामला हो या पंचकूला में व्यापारी प्रवीण मित्तल का परिवार के छह सदस्यों के साथ जान देने का फैसला, देश में ये आम हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की वार्षिक रिपोर्ट एक्सीडेंटल डेथ एंड सुसाइड इन इंडिया के मुताबिक कर्ज और कारोबार में घाटे की वजह से देश में हर साल औसतन 11 हजार से ज्यादा व्यापारियों को आत्महत्या करने के लिए मजबूर होना पड़ता है और उनकी तादाद इस मामले में किसानों के बाद दूसरे नंबर पर है। आंकड़े छोटे-मझोले व्यापारियों के साथ कठिन हालात की ओर साफ इशारा करते हैं। विडंबना यह भी है कि सरकार ने उनके लिए राहत पैकेज और ऋण योजनाओं की तो घोषणा तो की लेकिन इनके प्रभावहीन रहने से व्यापारी आत्महत्याओं में कोई कमी नहीं आई।

कहते हैं आंकड़े...

- वर्ष 2022 में देश में कुल 1,64,033 आत्महत्याएं हुईं। इनमें से 11,090 यानी लगभग 6.8% व्यापारी और उनके परिजन थे।
- सुसाइड नोट या पुलिस की छानबीन में इन आत्महत्याओं के पीछे घाटा, दिवालियापन और कर्ज का दबाव सामने आया।
- वर्ष 2021 में देश में 1,64,033 आत्महत्या की गईं जिनमें 11,208 व्यापारी थे। 2020 में 1,53,052 में से 11,716 व्यापारी थे।

क्यों देते हैं जान

- एनसीआरबी की ओर से कारणों के वर्गीकरण के मुताबिक ऋण चुकाने में असमर्थता इसका प्रमुख कारण होता है।
- व्यापार में घाटा, दिवालियापन, रोजगार ठप होने जैसे कारण भारत में कोविड - 19 के दौरान एकाएक काफी बढ़े।
- छोटे और मझोले व्यापारी सबसे ज्यादा प्रभावित, एमएसएमई संगठन कई बार सरकार से कर चुके हैं राहत की मांग।

महाराष्ट्र, तमिलनाडु और कर्नाटक में व्यापारी सबसे ज्यादा त्रस्त

एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक और मध्यप्रदेश में व्यापारी सबसे ज्यादा आत्महत्या करते हैं। वर्ष 2022 में महाराष्ट्र में 1,858, तमिलनाडु में 1,512, कर्नाटक में 1,256, मध्य प्रदेश में 947, तेलंगाना में 876, गुजरात में 823, आंध्र प्रदेश में 684, पश्चिम बंगाल में 603, उत्तर प्रदेश में 552, राजस्थान में 528, ओडिशा में 398, बिहार में 341 और केरल में केरल में 314 व्यापारियों ने आत्महत्या की।

राहत की बेनतीजा घोषणाएं

- 2020 में आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत एमएसएमई को तीन लाख करोड़ के बिना गारंटी कर्ज की घोषणा की गई।
- कर्ज पर सौ प्रतिशत क्रेडिट गारंटी योजना, ब्याज दर में राहत, 2021-22 में एमएसएमई लोन की रीस्ट्रक्चरिंग।
- बैंकों को छोटे व्यापारियों के कर्ज को पुनर्गठित करने की अनुमति, समय बढ़ाया गया ताकि एनपीए घोषित न हो।
- महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने ब्याज सब्सिडी, राहत पैकेज, स्टांप ड्यूटी छूट आदि दी।

- सरकारी प्रयासों के बाद भी व्यापारियों के आत्महत्या करने के आंकड़ों में गिरावट नहीं आई। लोन गारंटी स्कीम का बड़े उद्योगों को लाभ मिला, छोटे दुकानदार और स्वरोजगार करने वाले वंचित रह गए। कॉनफेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स जैसे संगठनों ने कई बार योजनाओं का पैसा व्यापारियों तक नहीं पहुंचने के आरोप लगाए।

अमेरिका ने यूक्रेन संघर्ष के लिए भारत को ठहराया जिम्मेदार, कहा- ये मोदी का युद्ध

व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार नवारो का दावा- नई दिल्ली से गुजरता है शांति का रास्ता

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने आरोप लगाया है कि यूक्रेन संघर्ष 'मोदी का युद्ध' है और शांति का मार्ग कुछ हद तक नई दिल्ली से होकर गुजरता है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार और विनिर्माण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार नवारो ने बुधवार को 'ब्लूमबर्ग' को दिए एक साक्षात्कार में दावा किया कि भारत रूसी युद्ध मशीन को मदद पहुंचा रहा है। नवारो ने कहा, भारत जो कर रहा है, उसका खमियाजा अमेरिका में हर कोई उठा रहा है। उपभोक्ता, व्यवसाय और हर चीज को नुकसान हो रहा है और मज़दूर भी नुकसान उठा रहे हैं क्योंकि भारत के ऊंचे शुल्क की वजह से हमारी नौकरियां, कारखाने, आय और ऊंचे वेतन वाली मजदूरी छिन रही है, और फिर करदाताओं का भी नुकसान हो रहा है, क्योंकि हमें मोदी के युद्ध का वित्तपोषण करना है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या उनका मतलब 'पुतिन का युद्ध' है तो नवारो ने दोहराया, मेरा मतलब मोदी का युद्ध है क्योंकि शांति का रास्ता आंशिक रूप से नई दिल्ली से होकर जाता है। ट्रंप ने रूसी तेल की खरीद के लिए भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया है, जो बुधवार से प्रभावी हो गया है। इसके साथ ही अमेरिका द्वारा भारत पर लगाया गया कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है। नवारो ने दावा किया कि भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क को हटाना बहुत आसान है और इसके लिए नई दिल्ली को रूसी तेल खरीदना बंद करना होगा। अगर भारत रूसी तेल खरीदना और उनकी युद्ध मशीनरी की मदद करना बंद कर दे, तो उसे कल ही 25 प्रतिशत की छूट मिल सकती है।

गुरुवार को यूक्रेन के कीव में रूसी हमले में नष्ट हुए एक घर पर काम कर रहा बचाव दल।

रूस का कीव में ड्रोन मिसाइल से बड़ा हमला 12 की मौत, 48 घायल

कीव। रूस ने बृहस्पतिवार तड़के यूक्रेन की राजधानी कीव पर ड्रोन और मिसाइलों से बड़ा हमला किया, जिसमें कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 48 घायल हो गए। तीन साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका के नेतृत्व में शांति प्रयास सफल न होने के बीच पिछले कुछ सप्ताहों में यह कीव पर रूस का पहला बड़ा हमला है। यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, रूस ने पूरे देश में 598 ड्रोन और विभिन्न प्रकार की 31 मिसाइलें दागीं, जिससे यह युद्ध के सबसे बड़े हवाई हमलों में से एक बन गया। कीव शहर प्रशासन के प्रमुख तैमूर त्कावेंको ने बताया कि मृतकों में दो, 14 और 17 साल के तीन नाबालिग शामिल हैं। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि बचाव दल मलबे में दबे लोगों को निकालने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने हमले के बाद एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रूस बातचीत की मेज के बजाय बैलिस्टिक हथियारों को चुनता है। हम दुनिया के उन सभी लोगों से प्रतिक्रिया की उम्मीद करते हैं जिन्होंने शांति की अपील की थी, लेकिन अब सैद्धांतिक रुख अपनाने के बजाय चुप रहते हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बताया कि उसने रात भर में यूक्रेन के 102 ड्रोन मार गिराए। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन हमले के कारण क्रास्नोडार क्षेत्र में अफिप्सकी तेल रिफाइनरी में आग लग गई, जबकि समारा क्षेत्र में नोवोकुइबिशेवस्क रिफाइनरी में भी आग लगने की खबर है।

भारत-चीन तेल न खरीदें तो कल खत्म हो जाए युद्ध

चीन पर एक सवाल पर उन्होंने कहा कि वे इन राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीतियों से बहुत ऊब चुके हैं। उन्होंने कहा, हकीकत यह है कि आपको भारत और चीन को रूसी तेल खरीदने से रोकना होगा। आप कल ऐसा कर दें, और युद्ध ख़त्म हो जाएगा। नवारो ने कहा कि यदि यूरोप सहित सभी लोग रूसी तेल खरीदना बंद कर दें, तो कुछ ही वक्त में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पास उस युद्ध के वित्त पोषण के लिए धन नहीं होगा।

- इस बीच, अमेरिकी संसद की विदेश मामलों की समिति ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि चीन या अन्य देशों द्वारा रूसी तेल की बड़ी मात्रा में खरीद को लेकर प्रतिबंध लगाने के बजाय, ट्रंप भारत पर शुल्क लगाकर उसे निशाना बना रहे हैं, जिससे अमेरिकियों को नुकसान पहुंच रहा है और इस प्रक्रिया में अमेरिका-भारत संबंध खराब हो रहे हैं। ऐसा लग रहा है जैसे यह यूक्रेन का मामला ही नहीं है।
- नवारो ने आरोप लगाया कि भारत रूसी तेल को किफायती दरों पर खरीदता है और फिर भारतीय रिफाइनरियां, रूसी रिफाइनरियों के साथ साझेदारी कर इसे बाकी विश्व को प्रीमियम दरों पर बेचती हैं। उन्होंने कहा, रूस इस पैसे का इस्तेमाल अपनी युद्ध मशीनरी को चलाने तथा और अधिक यूक्रेनियों को मारने में करता है। और फिर अगली बात जो होती है, वह यह कि यूक्रेन, अमेरिका और यूरोप के पास आता है और कहता है, हमें और पैसे दो।

विनाशलीला

जम्मू : भारी बारिश से तवी नदी में उफान आने से उसके किनारे कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। एजेंसी

जापान के विरोध के बावजूद पुतिन और किम समेत विश्व के 26 नेता बनेंगे चीन के मेहमान

बीजिंग। चीन ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि तीन सितंबर को होने वाले देश के विजय दिवस समारोह में सैन्य परेड में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन समेत 26 विदेशी नेता शामिल होंगे।

चीन इस समारोह को द्वितीय विश्वयुद्ध में जापानी आक्रमण के खिलाफ प्रतिरोध की लड़ाई बताता है। इस परेड में विदेशी नेताओं की मौजूदगी को लेकर जापान और चीन के बीच कूटनीतिक तनातनी हो गई है, क्योंकि तोक्यो ने विश्व नेताओं से इस आयोजन में शामिल न होने की अपील की थी। उसका कहना है कि इसमें जापान-विरोधी भावनाएं झलकती हैं। चीन ने जापान के इस अनुरोध पर नाराजगी जताते हुए कूटनीतिक विरोध दर्ज कराया है। चीन के सहायक विदेश मंत्री होंग लेई ने बृहस्पतिवार को यहां घोषणा की कि चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के आमंत्रण पर 26 विदेशी नेता विजय दिवस समारोह में शामिल होंगे। इनमें पुतिन और किम के अलावा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू भी शामिल है।

- **पाकिस्तान, नेपाल और मालदीव के राष्ट्र प्रमुख भी लेंगे हिस्सा**

एससीओ सम्मेलन में आने वाले नेताओं को भी शामिल करने की कोशिश

पिछले हफ्ते, चीन के सहायक विदेश मंत्री लियू बिन ने बताया था कि 20 विश्व नेता और 10 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख एससीओ सम्मेलन में शामिल होंगे, इनमें यूएन महासचिव एंतोनियो गुतारेस भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान की यात्रा के बाद इस सम्मेलन में भाग लेंगे। चीन का प्रयास है कि एससीओ सम्मेलन में आए नेताओं को भी परेड में शामिल किया जाए। इससे जापान और नाराज है। जापान ने अपने दूतावासों के जरिए देशों को संदेश दिया है कि चीन का आयोजन जापान विरोधी भावनाएं दर्शाता है और नेताओं को भागीदारी पर सावधानी से विचार करना चाहिए।

सीमा पर मिलकर शांति रखेंगे भारत- चीन

बीजिंग, एजेंसी

- **चीनी रक्षा प्रवक्ता ने दोनों देशों के बीच बनी सहमति का किया जिक्र**

चीन की सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि हाल में हुई सकारात्मक और रचनात्मक सीमा वार्ता में 10 सूत्री सहमति बनने के बाद चीन और भारत को अपने सीमावर्ती क्षेत्रों में मिलकर शांति और सौहार्द बनाए रखना चाहिए।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने 19 अगस्त को दिल्ली में भारत-चीन सीमा प्रश्न पर 24वें दौर की वार्ता की। चीन के रक्षा प्रवक्ता झांग शियाओगांग ने वार्ता के परिणामों पर पहली बार टिप्पणी करते हुए कहा कि वार्ता के दौरान, 10 सूत्री आम सहमति बनी और दोनों पक्ष राजनयिक और सैन्य माध्यमों से सीमा प्रबंधन और नियंत्रण तंत्र का उपयोग करने पर सहमत हुए।

झांग ने कहा कि वार्ता के दौरान, दोनों पक्षों ने सकारात्मक और रचनात्मक भावना से चीन-भारत सीमा प्रश्न पर स्पष्ट और गहन विचारों का आदान-प्रदान किया और कई सहमतियों पर पहुंचे। झांग ने कहा कि चूंकि इस वर्ष चीन और भारत के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ है, इसलिए दोनों पक्षों को द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक गति को और मजबूत करना चाहिए और दोनों बड़े देशों तथा पड़ोसियों के लिए आपसी सम्मान और विश्वास, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, साझा विकास और परस्पर लाभकारी सहयोग की भावना के साथ मिलकर काम करने का सही रास्ता तलाशना चाहिए।

फेडरल रिजर्व गवर्नर ने ट्रंप पर ठोंका केस

वाशिंगटन। फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक ने राष्ट्रपति द्वारा उन्हें बर्खास्त करने के प्रयास को पलटने के लिए डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा दायर किया है। इससे एक अभूतपूर्व कानूनी लड़ाई शुरू हो गई है जो फेडरल रिजर्व की दीर्घकालिक राजनीतिक स्वतंत्रता को महत्वपूर्ण रूप से नया आकार दे सकती है। संस्थान के 112 साल के इतिहास में किसी भी राष्ट्रपति ने गवर्नर को बर्खास्त करने की कोशिश नहीं की है। लेकिन ट्रंप ने सोमवार देर रात अपने 'ट्रुथ सोशल' प्लेटफॉर्म पर एक पत्र पोस्ट करके कहा कि कुक को बर्खास्त कर दिया गया है।

अमेरिका ने शुरू की वीजा अवधि घटाने की तैयारी

वाशिंगटन, एजेंसी

- **विदेशी छात्रों की बढ़ेगी मुश्किल जल्द लौटना पड़ेगा अपने देश**

अमेरिकी प्रशासन अपने वीजा नियमों में संशोधन करने पर विचार कर रहा है। अगर ये नियम स्वीकृत हो जाते हैं तो इससे अमेरिका में रह रहे वीजा धारकों की समयावधि घट जाएगी। इससे वहां रह रहे लोगों खासकर विदेशी छात्रों को अपने देश जल्द वापस लौटना पड़ सकता है।

अमेरिकी गृह विभाग ने कहा है कि ये प्रस्तावित नियम अगर स्वीकार हो जाते हैं तो इससे वीज़ा के दुरुपयोग पर अंकुश लगेगा और शासन की इन व्यक्तियों की जांच और निगरानी करने की क्षमता बढ़ेगी। यह नियम कुछ ही तरह की वीजा श्रेणी पर लागू होगा और इस श्रेणी में विदेशी छात्रों को मिलने वाला वीजा भी शामिल है। अमेरिका के गृह विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा, बहुत लंबे समय से, पिछले प्रशासनों ने विदेशी छात्रों और अन्य वीज़ा धारकों को लगभग अनिश्चित काल तक अमेरिका में रहने की अनुमति दी है, जिससे सुरक्षा जोखिम पैदा होता है, करदाताओं के अनगिनत डॉलर खर्च होते हैं, और अमेरिकी नागरिकों को नुकसान होता है। उन्होंने कहा, यह प्रस्तावित नियम कुछ वीजा धारकों के अमेरिका में रहने की अवधि को सीमित कर इस दुरुपयोग को समाप्त कर देगा, जिससे संघीय सरकार पर उनके इतिहास की उचित निगरानी करने का बोझ कम हो जाएगा।

अनिश्चितकाल तक रह सकते हैं एफ वीजा पर

सन 1978 से अमेरिका में विदेशी छात्रों को एफ श्रेणी का वीजा एक खास अवधि के लिए दिया जाता रहा है। अन्य वीजा श्रेणी से भिन्न यह वीजा धारकों को बिना किसी अतिरिक्त जांच-पड़ताल के अनिश्चितकाल तक अमेरिका में रहने की अनुमति देता है। अब अमेरिकी प्रशासन को लगता है कि विदेशी छात्रों ने अमेरिकी उदारता का लाभ उठाया है और वे ऐसे स्थाई छात्र बन गए हैं, जो अमेरिका में रहने के लिए उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों में स्थायी रूप से खुद का नामांकन किए रहते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के प्रस्तावित नियम के तहत, संघीय सरकार विदेशी छात्रों और आगंतुकों के लिए अधिकृत प्रवेश अवधि निर्धारित करेगी, जो उनके भाग लेने वाले कार्यक्रम की अवधि तक या चार वर्ष से अधिक की नहीं होगी। नए नियम के अनुसार, विदेशी मीडिया प्रतिनिधियों के लिए भी प्रारंभिक प्रवेश अवधि 240 दिनों तक निर्धारित की जाएगी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 29 अगस्त, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 20.21 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

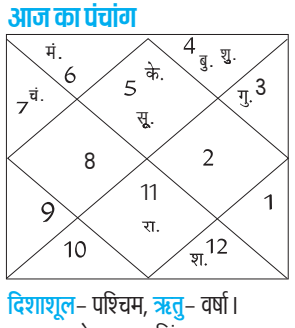

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वर्षा। चन्द्रबल-मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।

ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र-स्वाती 11.38 तक तत्पश्चात विशाखा।

मेष — आज व्यवसाय में बड़े अनुबंध हो सकते हैं। धन कमाने के नए स्रोत निर्मित हो सकते हैं। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश मिल सकता है। वैवाहिक जीवन अत्यंत सुखमय रहेगा। अविवाहित लड़कियों का विवाह तय हो सकता है।

वृष — आज पारिवारिक कार्यों को लेकर भागदौड़ करनी पड़ सकती है। घर के बुजुर्ग आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। प्रेमीजन के साथ पर्यटन की योजना बना सकते हैं। सुबह काम का तनाव रहेगा लेकिन शाम तक आप अत्यधिक शान्त मूड में आ जायेंगे।

मिथुन — आज दिन काफी अच्छा रहेगा। सरकारी जॉब कर रहे लोगों के ऊपर से काम का दबाव कम होगा। व्यापार के नए विचार आपके मन में पूरे दिन आते रहेंगे। दर्शन और साहित्य के प्रति आप अत्यंत आकर्षित रहेंगे। भविष्य को लेकर अत्यधिक जागरूक रहेंगे।

कर्क — आज आपका मन अत्यन्त प्रसन्न रहने वाला है। धन की कमी के कारण आपके काम रुक सकते हैं। विद्वान लोगों का सानिध्य प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में अपनी छवि को लेकर चिन्तित रहेंगे। प्रेम संबंधों के बीच नकारात्मक बातें आ सकती हैं।

सिंह — आज आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। दिखावे की प्रवृत्ति से आपको बचना चाहिए। नए काम की शुरुआत करने के लिए दिन अत्यंत शुभ है। कारोबार को लेकर यात्रा कर सकते हैं। आपकी कोई इच्छा पूरी हो सकती है। सामाजिक कार्यों में आप भाग लेंगे।

कन्या — आज आपके कार्यों से परिजन नाराज होंगे। किन्तु आपको उनसे झगड़ने के बजाय उन्हें अपनी बातें मनानी चाहिए। आप लोगों की सहायता करने के लिए उधार दे सकते हैं। गुप्त शत्रु आपका अहित करने का प्रयास करेंगे।

तुला — आज जीवनसाथी आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेगा। किसी मांगलिक समारोह में सम्मिलित होने की संभावना है। छात्रों का पढ़ाई में प्रदर्शन बहुत शानदार रहेगा। वैचारिक तनाव होने की संभावना है। अजनबियों पर अधिक विश्वास न करें।

वृश्चिक — आज आपको कार्यक्षेत्र में अनुशासनहीन व्यवहार से बचना चाहिए। व्यापार को लेकर बड़ी योजना बनाने से बचें। इष्ट मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। बढ़ते खर्चों को नियन्त्रित करने के लिए आपको प्रयास करना चाहिए। मित्रों से विचार-विमर्श कर कार्य करना हितकर होगा।

धनु — आज अपनी प्रतिष्ठा के कारण आप अत्यंत लोकप्रिय रहेंगे। बच्चों के साथ अच्छा समय बितायेंगे। संगीत और वेबसीरीज आदि का आनंद ले सकते हैं। परिवार में तालमेल शानदार रहने वाला है। इंटरव्यू आदि में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

मकर — आज आपकी आर्थिक स्थिति सबल रहेगी। विदेश से नौकरी के अवसर मिलने के योग बन रहे हैं। आपके साहस और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। किसी बड़ी समस्या से आपको छुटकारा मिल सकता है। अधीनस्थ कर्मचारी आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में आपको बड़ा पद दिया जा सकता है। आपनी वाणी में काफी मिठास रहेगी। अध्यात्मिक विषयों में रुचि लेंगे। आज दूर के रिश्तेदारों से मुलाकात हो सकती है। नए प्रोजेक्ट्स को लेकर आप अत्यंत सक्रिय रहने वाले हैं।

मीन — आज शरीर में थकावट महसूस होगी। अकारण लोगों से विवाद होने की आशंका है। धैर्यवान होकर सभी काम करें। लेन-देन में त्रुटि होने के कारण आर्थिक नुकसान हो सकता है। भाग्य का साथ न मिलने से आपके कार्य प्रभावित हो सकते हैं।

सुडोकू-83

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

2			6	5				
4		7			2		5	8
			3	4		9		
			5		4			7
	8						2	
5			8		1			
	4	9		8				
1			2			6		9
				9	6			3

सुडोकू - 82 का हल

8	7	3	4	2	9	5	6	1
5	4	1	8	6	3	9	7	2
2	6	9	5	7	1	8	3	4
9	3	6	1	5	2	4	8	7
4	1	5	6	8	7	2	9	3
7	2	8	9	3	4	1	5	6
6	5	2	3	4	8	7	1	9
3	9	7	2	1	5	6	4	8
1	8	4	7	9	6	3	2	5

मैंने मैच की शुरुआत में कुछ लक्ष्य बनाए थे, और मैं पहली गेंद से लेकर आखिरी गेंद तक उन पर अमल करने की कोशिश कर रहा हूं। इसी चीज ने मुझे मैच में बने रहने, सकारात्मक बने रहने, हर समय आक्रामक बने रहने में बहुत मदद की।
-कार्लोस अल्काराज

स्टेडियम

हल्द्वानी, शुक्रवार, 29 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मेसी के दो गोल से इंटर मियामी जीता

फोर्ट लॉडरडेल : अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी ने वापसी के साथ दो गोल किए जिसकी मदद से इंटर मियामी ने ओरलैंडो सिटी को 3-1 से हराकर लीग्स कप फाइनल में प्रवेश कर लिया। इंटर मियामी का सामना रविवार को एलए गैलेक्सी और सीएटल के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे मेसी ने दो सप्ताह में दूसरी बार वापसी की है। ओरलैंडो के लिये मार्को पासालिक ने एकमात्र गोल किया।

मेदवेदेव पर 42500 डॉलर जुर्माना

न्यूयॉर्क : अमेरिकी ओपन के पहले दौर में मिली हार के बीच कोर्ट पर एक फोटोग्राफर के आने पर अपना गुस्सा उतारने वाले रूस के दानिल मेदवेदेव पर उनकी मैच फीस 110000 डॉलर का एक तिहाई से भी अधिक 42500 डॉलर जुर्माना लगाया गया है। टूर्नामेंट रैफरी जैक गार्नर ने खेल भावना के विपरीत आचरण पर मेदवेदेव पर 30000 डॉलर और रैकेट तोड़ने पर 12500 डॉलर जुर्माना लगाया । मैच खत्म होने के बाद मेदवेदेव ने अपना रैकेट तोड़ दिया था। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रह चुके मेदवेदेव उस समय नाराज हो गए जब चेयर अंपायर ग्रेग एलेंसवर्थ ने फोटोग्राफर द्वारा बाधा पहुंचाये जाने के बाद विरोधी खिलाड़ी बेंजामिन बोंजी को पहले सर्विस की अनुमति दे दी।

प्रज्ञानानंदा ने क्वालीफाई किया

लुइस (अमेरिका) : भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने सिनक्यूफील्ड कप में उपविजेता रहकर ग्रैंड शतरंज टूर फाइनल के लिये क्वालीफाई कर लिया जबकि अमेरिका के वेसली सो ने त्रिकोणीय प्लेआफ मुकाबला जीतकर खिताब अपने नाम किया। सो ने नौवें और आखिरी दौर में उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया और प्रज्ञानानंदा तथा फेबियानो कारूआना से ड्रॉ खेला। उन्होंने प्लेआफ में दो में से डेढ अंक बनाये। प्रज्ञानानंदा ने अमेरिका के लेवोन आरोनियन से ड्रॉ खेला और कारूआना को हराया जबकि कारूआना ने टाइब्रेकर में एकमात्र ड्रॉ सो से खेला। फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव ग्रैंड शतरंज टूर में सर्वाधिक अंक पाकर शीर्ष पर हैं। आरोनियन, कारूआना और प्रज्ञानानंदा भी क्वालीफाई कर चुके हैं।

प्रो कबड्डी लीग का आगाज आज से

विशाखापट्टनम : प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) का सीजन 12 अब तक का सबसे रोमांचक और आक्रामक सीजन होने वाला है। इसकी शुरुआत आंध्र प्रदेश के खूबसूरत बंदरगाह शहर विशाखापट्टनम से होगी। यह लीग सात साल के अंतराल के बाद 29 अगस्त को भारत के राष्ट्रीय खेल दिवस के दिन यहां वापसी कर रही है। पीकेएल के इस सीजन में घरेलू पसंदीदा तेलुगु टाइटन्स का सामना तमिल थलाइवाज से होगा, जबकि बेंगलुरु बुल्स और पुनेरी पल्टन दिन का दूसरा मैच विशाखापट्टनम के विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब में खेलेंगे।

एशिया कप के जरिये विश्व कप में जगह बनाने पर भारतीय हॉकी टीम की नजरें

पूल ए में चीन से आज होगा पहला मुकाबला, फाइनल सात सितंबर को, पाकिस्तान नहीं ले रहा भाग

राजगीर (बिहार), एजेंसी

तीन बार की चैंपियन भारतीय टीम पिछले कुछ अर्से के खराब फॉर्म को भुलाकर पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट जीतकर अगले साल होने वाले विश्व कप में जगह बनाने के इरादे से उतरेगी, जिसे शुक्रवार को पहले मैच में चीन से खेलना है।

भारत और चीन को पूल ए में जापान और कजाखस्तान के साथ रखा गया है। पूल बी में पांच बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया, मलेशिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपै हैं। कजाखस्तान तीन दशक में पहली बार एशिया कप खेल रही है, जिसने ओमान की जगह ली है, जबकि बांग्लादेश की जगह पाकिस्तान खेल रहा है। अप्रैल में पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत के आपरेशन सिंदूर के मद्देनजर पाकिस्तान ने सुरक्षा कारणों से नाम वापिस ले लिया। हर पूल की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी जबकि फाइनल सात सितंबर को होगा। यह टूर्नामेंट अगले साल 14 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का भारत के पास सर्वश्रेष्ठ और आखिरी मौका है। भारत ने पहला मौका गंवा दिया जब यूरोपीय चरण में खराब प्रदर्शन के बाद वह एफआईएच प्रो लीग में सातवें स्थान पर खिसक गया। भारत ने आठ में से सिर्फ एक मैच जीता और सात मैच लगातार हारे जिससे कोच क्रेग फुल्टोन को एशिया कप में अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम उतारनी पड़ी है। फुल्टोन ने स्वीकार किया कि एशिया कप इस साल का सबसे अहम टूर्नामेंट है।

भारत को इस टूर्नामेंट में शीर्ष रैंकिंग मिली है और टीम बेहतरीन प्रदर्शन करके आलोचकों का मुंह बंद करना चाहेगी। इसके लिए कोच फुल्टोन को रक्षण पर फोकस वाली अपनी रणनीति बदलनी होगी जो प्रो लीग में नाकाम रही। भारत ने आठ मैचों में 26 गोल गंवाये और कई बार डिफेंडरों की गलती से हारे। इस टूर्नामेंट में हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम डिफेंस में कोई कोताही नहीं बरत सकती।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह अन्य प्रतिस्पर्धी टीमों के अपने समकक्षों के साथ गुरुवार को बिहार के राजगीर में पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट से पहले ट्रॉफी के साथ फोटो सेशन कराते हुए। एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी ने दी शुभकामनाएं

- नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुरुष हॉकी एशिया कप 2025 के लिए अपनी शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने सन्देश में कहा 29 अगस्त को राजगीर में पुरुष हॉकी एशिया कप का शुभारंभ हो रहा है। मैं एशिया भर की सभी प्रतिभागी टीमों, खिलाड़ियों, अधिकारियों को शुभकामनाएं देता हूँ।

राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अभ्यास करती भारतीय पुरुष हॉकी टीम। एजेंसी

मैच का समय : तीन बजे से

एशिया कप हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रतियोगिता: फुल्टन

- भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि एशिया कप उनकी टीम के लिए इस साल की सबसे महत्वपूर्ण प्रतियोगिता है, क्योंकि यह उसके लिए अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का आखिरी मौका है। प्रो लीग के यूरोपीय चरण में निराशाजनक प्रदर्शन के कारण भारत विश्व कप में जगह नहीं बन पाया था और अब उसे अगले साल 14 से 30 अगस्त के बीच नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लिए एशिया कप में हर हाल में जीत हासिल करनी होगी। भारत एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत शुक्रवार को चीन के खिलाफ करेगा।

भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी चार सितंबर को दुबई पहुंचेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

- नौ सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में शुरू होगा एशिया कप
- 10 सितंबर को भारत का होगा पहला मुकाबला

सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में 15 सदस्यीय भारतीय टीम नौ सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप के लिए चार सितंबर को दुबई में एकत्रित होगी। आमतौर पर निर्धारित परंपरा से हटकर खिलाड़ी अपने-अपने स्थानों से सीधे दुबई पहुंच कर वहां टीम से जुड़ेंगे। इससे पहले अमूमन टीम रवाना होने से पहले मुंबई में एकत्रित होती थी। यह निर्णय व्यवस्था तथा खिलाड़ियों की यात्रा सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई को बताया सभी खिलाड़ी चार सितंबर की शाम तक दुबई पहुंच जाएंगे और पहला नेट सत्र पांच सितंबर को आईसीसी (अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) अकादमी में आयोजित किया जाएगा। लॉजिस्टिक सुविधा को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को अपने-अपने शहरों से सीधे दुबई पहुंचने के लिए कहा जाएगा।

उन्होंने कहा जाहिर है टीम के कुछ सदस्य मुंबई से रवाना होंगे लेकिन कुछ अन्य सदस्यों का मानना है कि पहले मुंबई पहुंचकर दुबई के लिए उड़ान भरना समझ से समझ से परे है। वैसे भी दुबई पहुंचने में अन्य अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों की तुलना में कम समय लगता है। भारत टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात से भिड़ेगा, 14 सितंबर को दुबई में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान मैच होगा। उसके बाद सुपर फोर चरण से पहले उसका तीसरा ग्रुप मैच 19 सितंबर को ओमान के खिलाफ होगा। एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा गुरुवार को शुरू हुए दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में उत्तर क्षेत्र की तरफ से पूर्व क्षेत्र के खिलाफ जबकि कुलदीप यादव मध्य क्षेत्र की तरफ खेल रहे हैं। जब अधिकारी से पूछा गया कि क्या स्टैंडबाय खिलाड़ियों में शामिल प्रसिद्ध कृष्णा या वाशिंगटन सुंदर नेट गेंदबाज के तौर पर टीम के साथ रहेंगे तो उन्होंने इन्कार किया।

कप्तान सूर्यकुमार यादव। एजेंसी

14 सितंबर को दुबई में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से मुकाबला करेगा भारत।

सिंधु क्वार्टर फाइनल में पहुंची

विश्व बैडमिंटन

पेरिस, एजेंसी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को यहां चीन की विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी वांग झी यी को हराकर बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जबकि ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की युगल जोड़ी ने गुरुवार को यहां पांचवीं वरीयता प्राप्त तांग चुन मान और त्से यिंग सुएट को हराकर उलटफेर किया।

बासेल में 2019 में विश्व खिताब जीतने वाली विश्व में 15वीं रैंकिंग की सिंधु को प्री-क्वार्टर फाइनल में 21-19, 21-15 से जीत हासिल करने में 48 मिनट का समय लगा। इससे उन्होंने चीनी खिलाड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 3-2 कर लिया। इस 30 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी का सामना क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया की विश्व की नौवें नंबर की खिलाड़ी पुत्री कुसुमा वर्दानी से होगा। इंडोनेशिया की खिलाड़ी ने इस साल की शुरुआत में सुदीरमन कप में सिंधू को सीधे गेम में हराया था, हालांकि भारतीय खिलाड़ी ने 2022 में एशियाई खेलों के दूसरे दौर के मुकाबले में जीत हासिल की थी।

सिंधु ने मैच के बाद कहा जब मैं कोर्ट पर उतरी तो वह मेरे लिए किसी भी अन्य खिलाड़ी की तरह ही थीं। मुझे पता था कि विश्व चैंपियनशिप में पहले दौर से ही मुकाबला आसान नहीं होगा। आपको हर अंक, हर रैली के लिए संघर्ष करना पड़ता है। मैं अपना 100 प्रतिशत देना चाहती थी। पांच बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता सिंधू ने शानदार शुरुआत की और तेज स्मैश और नेट विनर की मदद से इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बना ली। वांग ने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 19-19 कर दिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने धैर्य बनाए रखते हुए पहला गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में सिंधु ने दबाव बनाए रखा और ब्रेक तक एक बार फिर 11-6 की बढ़त बना ली। इसके बाद 57 शॉट तक चली रैली ने कुछ समय के लिए उनकी परीक्षा ली, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपना आक्रामक रवैया बरकरार रखा और मैच जीतने में सफल रही। भारत के ध्रुव और तनिषा ने भी हांगकांग की विश्व में पांचवें नंबर की जोड़ी को 63 मिनट तक चले मुकाबले में 19-21, 21-12, 21-15 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

भारत की पीवी सिंधु चीन की वांग झी यी को हराने के बाद जश्न मनाती हुईं। एजेंसी

- ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की जोड़ी भी पहुंची क्वार्टर फाइनल में

गुरप्रीत व अमनप्रीत ने 25 मीटर पिस्टल में पदक दिलाया

शिमकेंट : गुरप्रीत सिंह की अगुवाई में भारत ने बृहस्पतिवार को यहां 16वीं एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा में पहला-दूसरा स्थान हासिल किया जिसमें उनके स्वर्ण पदक के साथ अमनप्रीत सिंह ने रजत पदक जीता। इससे भारत के पदकों की संख्या 82 हो गई जिसमें 44 स्वर्ण, 20 रजत और 18 कांस्य पदक शामिल हैं।

इस जोड़ी ने हर्ष गुप्ता के साथ मिलकर 1709 अंक के साथ टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक भी जीता। दिन के अन्य स्वर्ण पदक 50 मीटर राइफल प्रोन जूनियर टीम और 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल जूनियर टीम ने हासिल किए।

सैंतीस वर्षीय गुरप्रीत ने किसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता और 12 साल पहले तेहरान में इसी स्पर्धा में एशियाई चैंपियनशिप में जीते गए कांस्य पदक के प्रदर्शन को बेहतर किया। गुरप्रीत और अमनप्रीत दोनों ने 572 के समान स्कोर बनाए। लेकिन गुरप्रीत के 18 'इनर सर्कल' शॉट्स और अमनप्रीत के 11 शॉट्स ने सुनिश्चित किया कि सेना का निशानेबाज शीर्ष पर रहे।

उत्तर क्षेत्र के छह विकेट पर 308 रन

दलीप ट्रॉफी

बेंगलुरु, एजेंसी

सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के प्रभावशाली प्रदर्शन और बाएं हाथ के युवा स्पिनर मनीषी की धारदार गेंदबाजी की बदौलत पूर्वी क्षेत्र ने बृहस्पतिवार को यहां दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के पहले दिन स्टंप तक उत्तर क्षेत्र को छह विकेट पर 308 रन ही बनाने दिए।

मध्यक्रम के बल्लेबाज आयुष बडोनी ने चिकनी पिच पर 60 गेंद में 63 रन की शानदार पारी खेली। लेकिन उत्तर क्षेत्र के अन्य बल्लेबाजों को इस बात का मलाल रहेगा कि पूर्वी क्षेत्र के गेंदबाजों के खिलाफ मजबूत शुरुआत करने के बाद भी वे लय में नहीं आ पाए। लेकिन पूरा फोकस शमी पर था जो नवंबर 2024 के बाद से अपना पहला प्रथम श्रेणी मैच खेल रहे थे। वह पहले दो स्पैल में थोड़ी लय में नहीं दिखे।

उत्तर के सलामी बल्लेबाज और कप्तान अंकित कुमार तथा शुभम खजूरिया ने बिना किसी परेशानी के उनका डटकर सामना किया। लेकिन लंच के ठीक बाद उनके तीसरे स्पैल (4-2-9-0) में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला। वह ऑफ स्टंप के बाहर बल्लेबाजों की परीक्षा ले रहे थे। बडोनी और निशांत सिंधु के पैड पर कुछ गेंदें लगीं। चौंतीस वर्षीय शमी चौथे स्पैल (5-0-26-1) में दिन का अपना पहला विकेट ले सकते थे लेकिन कुमार कुशाग्र ने 27 के निजी स्कोर पर कन्हैया वधावन (37) का कैच टपका दिया। लेकिन शमी को जल्द ही सफलता मिली जब उन्होंने ऑफ स्टंप के बाहर एक ढीली गेंद पर साहिल लोत्रा को विकेट के पीछे कैच करा दिया। शमी भले ही हर गेंद पर उतने खतरनाक नहीं दिख रहे थे जितना वह अपने खेल और फिटनेस के शीर्ष पर होने पर करते हैं। लेकिन उन्होंने दिन में 17 ओवर (55 रन देकर 1 विकेट) में संतोषजनक प्रदर्शन किया। हाल में दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बडोनी ने अपने आक्रामक खेल से प्रभावित किया और उनके ड्राइव देखने लायक थे। उन्होंने लाल गेंद की जरूरतों के अनुसार खुद को पूरी सहजता से ढाल लिया। वह तेज गेंदबाज मुख्तार हुसैन की गेंद पर पुल करने की कोशिश में लेग साइड में कैच आउट हो गए। उत्तर क्षेत्र के बल्लेबाज खजूरिया (26), अंकित (30), यश ढुल (39) और निशांत (47) अच्छी शुरुआत के बावजूद इसे बड़ी पारी में नहीं बदल सके। भारत के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार के लिए चिंता की बात रही क्योंकि उन्हें पहले और दूसरे सत्र के बीच अपनी हैमस्ट्रिंग की चोट के इलाज के लिए नौ ओवर मैदान से बाहर बिताने पड़े।

उत्तर क्षेत्र के शुभम खजूरिया का विकेट लेने के बाद पूर्वी क्षेत्र के मनीषी टीम के साथियों के साथ जश्न मनाते हुए। एजेंसी

सबालेंका व अल्काराज तीसरे दौर में

न्यूयॉर्क, एजेंसी

मौजूदा चैंपियन आर्यना सबालेंका ने महिला एकल के दूसरे दौर में पोलिना कुडरमेतोवा को 7-6 (4), 6-2 से हराया, जबकि स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने इटली के मटिया बेलुची को 6-1, 6-0, 6-3 से हराकर यूएस ओपन के पुरुष एकल के तीसरे दौर में प्रवेश किया।

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी सबालेंका ने कुडरमेतोवा के खिलाफ धीमी शुरुआत की, ठीक उसी तरह जैसे उन्होंने स्विट्जरलैंड की रेबेका मासरोवा के खिलाफ पहले दौर के मैच में की थी।

पहले सेट के टाई-ब्रेकर में कड़ी टक्कर के बाद, तीन बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ने बुधवार को दूसरे सेट में अपनी लय और जीत हासिल की। साल के अपने पहले ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कोशिश में लगी सबालेंका ने जीत के बाद कहा पहला सेट मेरे लिए बहुत कड़ा था। यह ज्यादातर सर्विस और पहले शॉट के बारे में था। मुझे खुशी है कि मैं दबाव को संभाल पाई और कुडरमेतोवा को जवाब दे पाई। दूसरे सेट में, मैं अपने रिटर्न गेम में काफी बेहतर महसूस कर रही थी, और मेरी सर्विस भी बेहतर थी। दूसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज ने बेलुची पर सीधे सेटों में ज्यादा आसानी से जीत हासिल की। महिलाओं की अन्य शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी भी तीसरे दौर में पहुंच गईं, जहां घरेलू स्टार जेसिका पेगुला ने अन्ना ब्लिंकोवा को 6-1, 6-3 से हराया।

पुरुष वर्ग में, चौथी वरीयता प्राप्त संयुक्त राज्य अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज ने दक्षिण अफ्रीका के लॉयड हैरिस को 4-6, 7-6 (3), 6-2, 6-4 से हराया, जबकि 38 वर्षीय अनुभवी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने दूसरे दौर में अमेरिका के ज़ाचरी स्वेज्दा को 6-7 (5), 6-3, 6-3, 6-1 से हराया। अन्य पुरुष एकल मुकाबलों में, जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ ने डेनमार्क के 11वीं वरीयता प्राप्त होल्गर रून को पांच सेटों के मैराथन मुकाबले में 7-6 (5), 2-6, 6-3, 4-6, 7-5 से हराया, और बेल्जियम के 23 वर्षीय राफेल कॉलिग्नन ने नॉर्वे के 12वीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड को 6-4, 3-6, 3-6, 6-4, 7-5 से हराया।

बेलारूस की आर्यना सबालेंका। एजेंसी

भारोत्तोलक अजय बाबू और बेदब्रत ने स्वर्ण पदक जीते

अहमदाबाद : अनुभवी भारोत्तोलक अजय बाबू वल्लूरी और युवा भारोत्तोलक बेदब्रत भराली ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में रिकॉर्ड प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते। राष्ट्रीय खेलों के चैंपियन अजय ने सीनियर पुरुष 79 किग्रा वर्ग में कुल 335 किग्रा भार उठाया जिसमें स्नैच में 152 किग्रा का चैंपियनशिप रिकॉर्ड और क्लीन एंड जर्क में 183 किग्रा का वजन शामिल है।

अजय ने 148 किग्रा के अपने पहले प्रयास में फाउल के बाद दूसरे प्रयास में भी इतना ही भार उठाया और फिर उसे 152 किग्रा तक बढ़ा दिया। इस तरह उन्होंने नाइजीरिया के एडिडियोंग जोसेफ उमोआफिया द्वारा बनाए गए 147 किग्रा के स्नैच रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने क्लीन एंड जर्क में 176 किग्रा से 180 किग्रा तक लगातार प्रगति की।

दूसरी पारी की तलाश | क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद दिया पहला साक्षात्कार

भविष्य में कोचिंग से पुजारा को नहीं है ऐतराज

नई दिल्ली, एजेंसी

अपने शानदार कैरियर पर विराम लगाने के बाद भारत के धुरंधर टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को भविष्य में अपनी दूसरी पारी में कोचिंग या बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र पर कोई जिम्मेदारी निभाने से गुरेज नहीं है। क्रिकेट के सभी प्रारूपों से विदा लेने के कुछ दिन बाद पीटीआई से बातचीत में पुजारा ने भविष्य की अपनी योजनाओं और 103 टेस्ट के अपने सुनहरे कैरियर पर बात की जिसमें उन्होंने 7000 से अधिक रन बनाए।

पुजारा ने कहा मुझे ब्रॉडकास्टिंग के काम में मजा आता है। मैं वह करता रहूंगा। कोचिंग या एनसीए (उत्कृष्टता केंद्र) की जहां तक बात है तो मैं इसके लिये तैयार हूं। उन्होंने कहा मैने इसके बारे में सोचा नहीं है। जब भी मौका मिलेगा, मैं इस पर फैसला लूंगा। मैं पहले भी कह चुका हूं कि खेल से जुड़ा रहना चाहता हूं। पुजारा ने कहा जिस तरह से भी मैं भारतीय क्रिकेट को योगदान दे सकूं, मुझे खुशी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि खेल से विदा लेते हुए उन्हें किसी तरह का अफसोस या मलाल नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि टेस्ट क्रिकेट अब पारंपरिक तरीके से नहीं खेला जा रहा हालांकि पारंपरिक बल्लेबाजों की प्रासंगिकता बनी हुई है। टेस्ट मैचों में बल्लेबाजी का शास्त्रीय तरीका खत्म हो रहा है और क्या वह इससे दुखी हैं ?

यह पूछने पर उन्होंने कहा मैं दुखी नहीं हूं। मेरा अभी भी मानना है कि मौजूदा दौर में भी टेस्ट मैच के शास्त्रीय बल्लेबाज प्रासंगिक हैं। लेकिन समय बदल गया है और समय के साथ बदलना लाजमी है। उन्होंने कहा अगर मुझे किसी युवा खिलाड़ी को कोई सलाह देनी है तो मैं यही कहूंगा कि तीनों प्रारूपों में खेलो क्योंकि आजकल सफेद गेंद का क्रिकेट अधिक हो रहा है। उन्होंने कहा कि इसका कारण यह है कि टेस्ट खिलाड़ी भी आईपीएल या वनडे में प्रदर्शन के आधार पर चुने जा रहे हैं।

सफेद गेंद से अच्छा प्रदर्शन दिलाता है टेस्ट में मौका

- चेतेश्वर पुजारा ने कहा जब आप सफेद गेंद के क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो भारतीय टेस्ट टीम में मौका मिल जाता है। यही वजह है कि उनकी बल्लेबाजी में आक्रामकता होती है। उन्होंने हालांकि अभिमन्यु ईश्वरन और करूण नायर के उदाहरण भी दिये जिनका चयन रणजी टीम के प्रदर्शन के आधार पर हुआ। उन्होंने कहा रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिये भी गुंजाइश है कि वे टेस्ट टीम में चुने जाएं। केएल राहुल इस समय टीम में सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाजों में से हैं। वह तकनीक के धनी है और अच्छी नींव तैयार करते हैं।